@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 5 दिसंबर 2024

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 25 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

किसानों की मांगों पर उपराष्ट्रपति धनखड़ की दहाड़

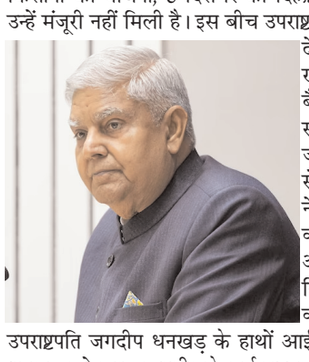

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। 2020 में शुरु हुआ किसान आंदोलन लगभग 378 दिन के बाद खत्म हुआ था। उस वक्त सरकार ने भरोसा दिलाया था कि किसानों की मांगों को पूरा किया जाएगा। इसके लिए एक कमेटी भी गठित की गई। जब कोई बात नहीं बनी तो इस वर्ष के प्रारंभ में किसान आंदोलन 2.0 प्रारंभ हो गया। किसानों की योजना, 6 दिसंबर को दिल्ली कूच करने की है, हालांकि अभी तक उन्हें मंजूरी नहीं मिली है। इस बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक ऐसा बयान दे दिया, जिससे सत्ता पक्ष और विपक्ष में खलबली मच गई। संवैधानिक पद पर बैठे धनखड़ ने जो कुछ कहा, उसे केंद्र सरकार के लिए आईना दिखाना बताया जा रहा है। हालांकि संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने धनखड़ की दहाड़ को एक रणनीति की हिस्सा करार दिया है। उन्होंने यह आशंका जताई है कि केंद्र सरकार ने किसानों को लेकर अपनी इमेज साफ करने के लिए कहीं जानबूझ कर तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के हाथों आईना नहीं देख रही। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल एवं किसान समुदाय से आने वाले सत्यपाल मलिक का साथ मिल गया है। धनखड़ के बयान पर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने उन्हें बधाई दी है। मलिक ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के उस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से सवाल पूछते हुए नजर आ रहे हैं। पूर्व राज्यपाल ने लिखा, किसान की आवाज बुलंद करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद जगदीप धनखड़। किसान पुत्र ही किसान की पीड़ा समझ सकता है। आप इस स्थिति में हैं कि प्रधानमंत्री से बात करके आप किसानों की समस्याओं का समाधान करवाएंगे। किसान की आवाज बुलंद करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

आज देवेंद्र फडणवीस लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

सिम्मी कौर बब्बर

मुंबई, 4 दिसंबर। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री को लेकर जारी सस्पेंस पर आज विराम लग गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुना गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को हुए थे। शिवसेना सूत्रों ने बताया कि शिवसेना के प्रमुख एकनाथ शिंदे पांच दिसंबर को एनसीपी नेता अजित पवार के साथ डिप्टी सीएम पद की शपथ लेंगे। शिवसेना नेता मनीषा कायंदे ने कहा कि पिछले 2.5 सालों से महाराष्ट्र को बहुत अच्छी सरकार मिली है और हर वर्ग के लिए योजनाएं लाई गई हैं। महायुति सरकार लाने में लड़की बहिन योजना ने अहम भूमिका निभाई और नई सरकार भी लोगों की उम्मीदों के मुताबिक बनेगी। शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज हमने राज्यपाल को मिलकर सरकार बनाने की अनुमति मांगी है। राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है। कल शाम को शपथ ग्रहण समारोह होगा। देवेंद्र मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। हमने उनको समर्थन दिया है। उनको शुभकामनाएं। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह को मैंने फैसला बता दिया था। मैंने पूर्ण समर्थन की घोषणा पहले ही कर दी थी। इतिहास में इतना भारी बहुमत किसी को नहीं मिला है। महाराष्ट्र की बहनों ने हमारा साथ दिया। हमने ढाई साल जनता के लिए काम किया। एमवीए ने जो काम रोके उसे हम आगे ले गए। हमने कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। डबल इंजन की सरकार से जनता को फायदा हुआ। महायुति में कोई छोटा और बड़ा नहीं है। हम एक टीम के तौर पर काम करेंगे। नई सरकार को अधिक काम करना होगा। राज्यपाल को सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। मैं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए मेरे नाम का समर्थन किया है। एनसीपी नेता अजित पवार ने भी मेरे नाम की सिफारिश की। कल शाम 5.30 बजे आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। सीएम, डिप्टी सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। पिछले ढाई साल में हमने साथ मिलकर काम किया है। आगे भी हम सब मिलकर अच्छी सरकार देने का प्रयास करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि हमने जो वादे जनता से किए हैं वे हम पूरे करें। महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प पूरा करेंगे। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मेरे जैसे एक कार्यकर्ता को लगातार नेतृत्व करने का अवसर दिया। हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ निभाने वाले रामदास अठावले, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। हम महाराष्ट्र को नया विजन देंगे। राजभवन में महायुति नेताओं ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। महायुति ने महाराष्ट्र में सरकार बनाने का दावा पेश किया। देवेंद्र फडणवीस कल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। अजित पवार भी सीएम पद की शपथ लेंगे। मगर एकनाथ शिंदे को लेकर सस्पेंस बरकरार है। शिवसेना नेता उदय सामंत ने बुधवार को कहा कि 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में केवल मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री ही शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल और विभागों के बारे में बाद में निर्णय लिया जाएगा। सामंत ने कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों की इच्छा है कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उपमुख्यमंत्री बनाया जाए।

भाजपा-आरएसएस संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं: खरगे

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज उत्तर प्रदेश के संभल का दौरा करने वाले थे, लेकिन उन्हें दिल्ली-गाजीपुर बॉर्डर पर ही रोक लिया गया। राहुल गांधी को हिंसाग्रस्त क्षेत्र जाने से रोकने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया। दिल्ली-गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद राहुल गांधी वापस दिल्ली लौट आए। खरगे ने सोशल मीडिया पर कहा कि दो समुदायों के बीच मफरत पैदा करना ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, भाजपा और आरएसएस अपने विभाजनकारी एजेंडे से संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगे हुए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संभल में

पीड़ितों से मिलने से रोकना इस बात का सबूत है। दो समुदायों के बीच नफरत पैदा करना ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। वे हर जगह नफरत के बाजार की शाखाएं खोलने पर तुले हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस सद्भाव, शांति, भाईचारा और प्रेम फैलाने के लिए अपनी दुकान खोलती रहेगी और समाज को एकजुट रखने में मदद करेगी। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आश्वासन देते हुए कहा, हम झुकेंगे नहीं, हम पीछे हटेंगे नहीं। बता दें कि 19 नवंबर को अदालत के एक आदेश पर एक मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया। दरअसल, ऐसा दावा किया गया था कि जिस स्थान पर मस्जिद है, वहां पहले एक हरिहर मंदिर था।

होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं बिक सकेगा बीफ

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। असम सरकार के मंत्रिमंडल की बुधवार को कैबिनेट बैठक हुई। इसमें तमाम अहम फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि असम में रेस्टोरेंट, होटल और सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस (बीफ) नहीं बिकेगा। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गोमांस उपभोग पर मौजूदा कानून में संशोधन कर नए प्रावधान शामिल करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि पहले हमारा फैसला मंदिरों के पास गोमांस खाने पर रोक लगाने का था लेकिन अब हमने इसे पूरे राज्य में विस्तारित कर दिया है कि आप इसे किसी भी सामुदायिक स्थान, सार्वजनिक स्थान, होटल या रेस्तरां में नहीं खा पाएंगे। यह नियम सार्वजनिक समारोह में भी लागू होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि असम कैबिनेट का विस्तार 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे होगा।

परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल युक्त पनडुब्बी देश की बड़ी ताकत: नौसेना चीफ

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। भारत के नौसेना प्रमुख, एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने बुधवार को कहा कि परमाणु शक्ति से संचालित बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन (एसएसबीएनएस) भारत के परमाणु त्रैतीयक का तीसरा भाग प्रदान करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगली एसएसबीएन को कुछ महीनों में नौसेना में शामिल किया जाएगा। एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा, हमारी परमाणु नीति पहले उपयोग नहीं की है। इसलिए सरकार ने परमाणु त्रैतीयक के बारे में फैसला लिया। एसएसबीएनएस परमाणु त्रैतीयक के तीसरे हिस्से के रूप में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये पानी के नीचे रहते हैं और इन्हें आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने बताया कि अगस्त में दूसरी स्स्व्रह को नौसेना में शामिल किया गया था और वह विभिन्न परीक्षणों से गुजर रही है, जबकि अगली सबमरीन जल्द ही सेवा में आ जाएगी। नौसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि सेना अब मानवीय और स्वचालित प्रणालियों का उचित मिश्रण चाहती है। हम एक ऐसी सेना की दिशा में बढ़ रहे हैं जो और अधिक शक्तिशाली और घातक हो, जिसमें नई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। हम मानव और बिना मानव वाले प्रणालियों का एक संतुलित मिश्रण चाहते हैं, क्योंकि बिना मानव के सिस्टम ज्यादातर समय सस्ते होते हैं और इसमें मानव जीवन का जोखिम कम होता है। उन्होंने बताया कि अगले 10 वर्षों में नौसेना के बड़े जहाजों का औसत वजन 6000 टन तक पहुंच जाएगा और इन जहाजों की उम्र कम हो जाएगी। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत के पास एक दीर्घकालिक समुद्री क्षमता दृष्टिकोण योजना है, जो यह तय करती है कि अगले 10-15 वर्षों में भारत को किस दिशा में जाना है।

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास के लिए राज्य स्तरीय सलाहकार बोर्ड के गठन की घोषणा की: सीएम सुक्खू

सौरभ शर्मा

शिमला, 4 दिसंबर। मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण एवं नशा मुक्ति पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राज्य में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास के लिए राज्य स्तरीय सलाहकार बोर्ड के गठन की घोषणा की। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस पहल का उद्देश्य मादक द्रव्यों के सेवन पर विभिन्न विभागों की गतिविधियों को सुव्यवस्थित करना है, ताकि इस खतरे के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज, टांडा में मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास के लिए राज्य स्तरीय नोडल संस्थान घोषित किया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में ओपियोइड प्रतिस्थापन थेरेपी केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से राज्य में स्कूल स्वास्थ्य मिशन लागू किया जाएगा। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार किशोरियों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं और छह वर्ष तक की आयु के बच्चों की पोषण संबंधी चिंताओं के समाधान के अलावा नशा निवारण, नशामुक्ति और पुनर्वास के लिए कार्य योजना तैयार करेगी। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को गर्भवती महिलाओं और उनके एक वर्ष की आयु तक के नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवजात शिशुओं के पहले एक हजार दिन महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए उनका स्वास्थ्य राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार पात्र गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं को प्रदान की जाने वाली खाद्य वस्तुओं की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पूरक पोषण की खरीद के लिए निचले स्तर पर अधिकार सौंपने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के बारे में स्कूल स्तर पर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में नशा माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है तथा कई अपराधियों को पकड़ा भी गया है तथा राज्य सरकार ने उनकी सम्पत्ति जब्त करने का भी प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या को रोकने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है कि युवा बच्चे नशे की लत के शिकार हो रहे हैं। राज्य सरकार इस बात को लेकर चिंतित है कि उन्हें तथा उनके परिवारों को इससे कैसे बचाया जाए। उन्होंने कहा कि हम सिरमौर जिले के कोटला बड़ोग में 150 बीघा क्षेत्र में अत्याधुनिक नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र भी स्थापित करने जा रहे हैं।

बैंकिंग कानून में सरकार क्या बदलाव कर रही है?

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया गया। यह विधेयक बैंकिंग से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। इस बिल के पारित होने के बाद जमाकर्ताओं को अपने बैंक और सावधि जमा खातों में अधिकतम चार नॉमिनी जोड़ने की छूट मिल सकेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के निचले सदन में अपने संबोधन में कहा, आज बैंकों को पेशेवर तरीके से चलाया जा रहा है। मेट्रिक्स स्वस्थ हैं, इसलिए वे बाजार में जा सकते हैं और बॉन्ड जुटा सकते हैं, ऋण जुटा सकते हैं और अपने व्यवसाय को उसी के अनुसार चला सकते हैं। वित्त मंत्री सीतारमण के अनुसार मौजूदा नियमों के तहत जमाकर्ता के बैंक अकाउंट में डिपॉजिट या लॉकर में रखे सामान के लिए केवल एक व्यक्ति को नॉमिनी बनाने की अनुमति थी, लेकिन अब जमार्कताओं के पास एक के बाद किसी अन्य को या एक ही समय में अपने बैंक अकाउंट में चार अलग-अलग नॉमिनी जोड़ने का विकल्प होगा। इसके साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 में अनुपालन में आसानी, बेहतर विनियमन और बैंकिंग सेवाओं से जुड़ी मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटियों समेत बैंक ऑडिटिंग के पांच मौजूदा कानूनों में 19 संशोधनों का भी प्रस्ताव किया गया है। बैंक खातों में एक से अधिक नॉमिनी जोड़ने देने के फैसले का उद्देश्य खाताधारक की मृत्यु के बाद निधि वितरण को सरल बनाना है, यह एक ऐसी समस्या है जो कोविड महामारी के दौरान पैदा हुई थी। विधेयक के अन्य महत्वपूर्ण सुधारों में बैंक निदेशक पद के लिए भुगतेय राशि को फिर से परिभाषित करना भी शामिल है। पहले इस मद में अधिकतम 5 लाख रुपये खर्च करने की सीमा थी अब इसे बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये किया गया है। यह आंकड़ा लगभग छह दशकों से अपरिवर्तित है। नए प्रावधान बैंकों को वैधानिक लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक को तय करने में अधिक स्वतंत्रता देते हैं और नियामक रिपोर्टिंग की समयसीमा को मौजूदा दूसरे और चौथे शुक्रवार की जगह हर महीने की 15वीं और आखिरी तारीख के लिए संशोधित किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करने के लिए विधेयक को विचार और पारित करने के लिए आगे बढ़ाया था। संशोधनों की घोषणा सबसे पहले सीतारमण ने अपने 2023-24 के बजट भाषण में की थी और बाद में अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था, जिसमें बैंक प्रशासन में सुधार और निवेशक सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

क्या केंद्रीय कर्मियों के रिटायर होने की आयु बदलने वाली है सरकार?

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव करने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है। केंद्र सरकार के कर्मचारी 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त होते हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में संशोधन की किसी योजना के बारे में पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सिंह ने यह भी कहा कि सरकार कामकाज की आवश्यकता के आधार पर सिविल सेवाओं में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नीतियों, कार्यक्रमों और अन्य उपायों के निर्माण में निरंतर लगी हुई है। सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों को समय-समय पर रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले सभी केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों, विभागों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू), स्वायत्त निकायों और शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में संस्थानों में मिशन मोड में रिक्तियों को भरने के लिए आयोजित किए जाते हैं, जिससे युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं में रोजगार मिल सके।

सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला, पकड़ा गया हमलावर

नरेश मल्होत्रा

चंडीगढ़, 4 दिसंबर। पंजाब के अमृतसर में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हमला किया गया है। स्वर्ण मंदिर में उन पर गोली चलाई गई है, हालांकि वे सही सलामत हैं। वे श्री अकाल तख्त साहिब की तरफ से दी गई धार्मिक सजा भुगतने श्री हरमंदिर साहिब पहुंचे थे। पुलिस ने आरोपी नारायण सिंह चौरा को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, हमलावर नारायण सिंह चौरा बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी रहा है। चौरा 1984 में पाकिस्तान गया था और आतंकवाद के शुरुआती चरण के दौरान पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में मददगार रहा है। पाकिस्तान में रहते हुए उसने कथित तौर पर गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर एक किताब भी लिखी है। वह बुड़ैल जेलब्रेक मामले में भी आरोपी है। नारायण इससे पहले पंजाब की जेल में सजा काट चुका है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे सुखबीर सिंह बादल घंटाघर की तरफ श्री हरमंदिर साहिब के गेट के पास मौजूद थे। इसी दौरान एक शख्स आया और उसने जेब से पिस्तौल से गोली चला दी। हरकत में आते हुए सुखबीर के सुरक्षाकर्मियों ने उसका हाथ ऊपर कर दिया जिससे गोली हवा में चल गई। इसके तुरंत बाद सुरक्षा कर्मियों ने सुखबीर सिंह बादल को घेरा डाल लिया और आरोपी को भी पकड़ लिया। फिलहाल आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया है और मामले की जांच की जा रही है। गेट पर दूसरी तरफ सुखदेव सिंह ढींडसा भी तैनात थे। वहीं दरबार साहिब में गोली चलने की आवाज से संगत में दहशत का माहौल पैदा हो गया। वहीं हमले की सूचना के बाद सुखबीर बादल की पत्नी और सांसद हरसिमरत कौर बादल भी श्री हरमंदिर साहिब पहुंचीं। जानकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान नारायण सिंह चौरा के तौर पर हुई है। आरोपी डेरा बाबा नानक का है और वह दल खालसा से संबंधित बताया जा रहा है। गोली चलाने के बाद सुखबीर बादल के आसपास खड़े लोगों ने तुरंत उसे पकड़ लिया और उसका हाथ ऊपर कर दिया। वारदात मेन गेट के सामने हुई। बता दें कि सुखबीर बादल के पैर में फ्रैक्चर है, इसलिए वे कुर्सी पर बैठकर सेवा निभा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, आरोपी मंगलवार को भी श्री हरमंदिर साहिब में घूमता देखा गया था। वहीं खुफिया इनपुट मिलने के बाद पुलिस भी अलर्ट थी और उस पर नजर रख रही थी। अकाली नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने सुखबीर बादल की सुरक्षा में कोताही बरती है। सुखबीर बादल पर हमले के बाद सीएम भगवंत मान ने ट्वीट किया-पंजाब पुलिस ने आज एक बड़ी वारदात होने से रोकी। पंजाब पुलिस की मुस्तैदी का नतीजा है कि पंजाब और पंजाबियों को बदनाम करने की साजिश नाकाम हो गई है। पुलिस ने अपनी मुस्तैदी से मौके पर ही हमलावर को गिरफ्तार करके बड़ी कामयाबी हासिल की। मैं पुलिस की मुस्तैदी की सराहना करता हूं। सुखबीर बादल पर हुए हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं। मैंने पुलिस को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि इस घटना की जल्द जांच करके रिपोर्ट सौंपी जाए। वहीं एडीसीपी हरपाल सिंह ने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। सुखबीर बादल को उचित सुरक्षा दी गई थी। हमलावर कल भी यहां था...आज भी उसने सबसे पहले गुरु जी को नमन किया। गोली किसी को नहीं लगी है। अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि हमारे पुलिस कर्मियों की सतर्कता और तैनाती के कारण, इस हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। हमारे कर्मियों रिशपाल सिंह, जसबीर और परमिंदर ने सतर्कता दिखाई और कोशिशों को नाकाम कर दिया। नारायण सिंह चौरा का आपराधिक रिकॉर्ड है, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है। सुखबीर सिंह बादल की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे...सुरक्षा के लिए तैनाती खतरे की आशंका के अनुसार की जाती है। इसलिए, भारी तैनाती की गई थी। चौरा के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, अतीत में उसके पास से हथियार बरामद किए गए थे, हम रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं।

हम आगे अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कर सकते हैं: उद्धव ठाकरे

मुंबई, 4 दिसंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद शिवसेना (यूबीटी) आगामी निकाय चुनावों को लेकर तैयारी तेज कर दी। मंगलवार को मुंबई में पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने एक बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने इस बैठक में बताया कि आने वाले समय में उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कर सकती है। उन्होंने यह बयान अगले कुछ महीनों में होने वाले निकाय चुनावों और विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन के मद्देनजर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी सदस्यों से शिवसेना (यूबीटी) की हिंदुत्व समर्थक विचारधारा पर उठ रहे सवालों को खारिज करने और एकनाथ शिंदे गुट के दावों का विरोध करने को कहा। उद्धव ठाकरे ने अपने निजी आवास मातोश्री में बैठक का आयोजन किया था। इस बैठक में उन्होंने नगरसेवकों को संबोधित करते हुए पार्टी को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों, विशेषकर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। बता दें कि बीएमसी चुनाव में शिवसेना का 25 वर्षों से दबदबा रहा है। हालांकि, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने उद्धव गुट (शिवसेना-यूबीटी) के 47 पूर्व नगरसेवकों को अपने पक्ष में कर लिया है। बैठक में उद्धव ठाकरे ने कहा कि विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन का विश्लेषण किया जाएगा। इसके लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी, जो उन क्षेत्रों का दौरा करेंगे जहां पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पार्टी 36 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उन्हें केवल 10 पर ही जीत मिली। भाजपा 132 से ज्यादा सीटें जीती। वहीं अगर भाजपा नीत महायुति के घटक दलों की बात करें तो एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 57 और अजित पवार की राकांपा 41 सीटें जीतने में कामयाब रही।

डेमोक्रेट एडम ग्रे कैलिफोर्निया के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से चुनाव जीते

एजेंसी

वाशिंगटन। डेमोक्रेट एडम ग्रे ने कैलिफोर्निया के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में मौजूदा जॉन डुआर्टे को हराकर अमेरिकी सदन का चुनाव जीत लिया। डुआर्टे ने दो साल पहले ग्रे को 564 वोटों से हराया था।ग्रे पूर्व राज्य विधायक हैं। उन्होंने 2012 से 2022 तक कैलिफोर्निया के 21वें विधानसभा जिले का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें मध्यमार्गी डेमोक्रेट माना जाता है। उन्होंने सेंट्रल वैली में किसानों के लिए पानी की कमी जैसी प्रमुख समस्या को उठाया। ऊर्जा संसाधन बढ़ाने के लिए अभियान चलाया।डेमोक्रेट एडम ग्रे ने एक्स हैंडल पर लिखा, लंबे समय से प्रतीक्षित परिणाम इस बात की पुष्टि करते हैं कि लोग स्वतंत्र और जवाबदेह नेतृत्व के लिए तैयार हैं। कैलिफोर्निया के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट के लिए निर्वाचित कांग्रेसी बनकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर में घर से पांच शव बरामद

बहावलपुर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर शहर के मॉडल एवेन्यू इलाके में एक घर से पति, पत्नी और उनके तीन बेटों के शव मिले हैं। काशिफ बलूच और उसके परिवार के सदस्यों ने आत्महत्या की है, या इन सबकी हत्या की गई है, पुलिस इसका पता लगाने के लिए जांच कर रही है। पुलिस ने कहा कि स्थिति स्पष्ट करने के लिए कमरे में मिली पिस्टल की फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। न्यूज चैनल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह घटना है। परिवार की सबसे छोटी बेटी बेहोश मिली है। उसे चिकित्सा देखभाल के लिए अस्पताल ले जाया गया है। बलूच के भाई ने कहा कि उसे विश्वास नहीं हो रहा है कि उनका बड़ा भाई आत्महत्या कर लेगा।पुलिस का कहना है कि मौके पर मिले खून के धब्बों से रहस्य गहरा गया है। मौके पर मिले साक्ष्य जांच का रुख हत्याकांड की तरफ मोड़ रहे हैं। इस घटना से कुछ देर पहले लासबेला ब्रिज के पास दो प्लास्टिक बैग में मानव अवशेष मिले थे। पुलिस इस केस की जांच में जुटी थी कि उसे एक घर में पांच शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस का कहना है कि बैग में मानव अवशेष मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। अवशेष से शरीर का सिर गायब है। सोमवार को कराची के कस्बा कॉलोनी में पराचा कब्रिस्तान के पास भी मानव अवशेष पाए गए थे। कुछ दिन पहले पुलिस को इसी इलाके में एक नाले के पास एक महिला का कटा हुआ सिर मिला था।

नेपाल और चीन के बीच 9 एमओयू पर हस्ताक्षर, बीआरआई पर दोनों पक्ष खामोश

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आधिकारिक चीन यात्रा के दौरान नेपाल और चीन के बीच बीजिंग में कुल 9 समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। हालांकि बीआरआई प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन समझौते को लेकर दोनों पक्ष अभी मौन हैं। प्रधानमंत्री ओली की यात्रा का मुख्य उद्देश्य ही बीआरआई से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर करना है लेकिन दोनों देशों ने अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कृष्णा प्रसाद ढकाल के अनुसार दोनों देशों के बीच जिस एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ है वह टोखा-छहरे सुरंग के निर्माण का है। चीन की तरफ से इस सुरंग राजमार्ग को बनाने के लिए पूर्व संभाव्यता अध्ययन किया जाएगा। चीन की सीमा से काठमांडू को जोड़ने वाला यह सबसे कम दूरी का राजमार्ग होगा। इसके सुरंग की लंबाई करीब 30 किमी की होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच नेपाल-चीन व्यापार वृद्धि पर समझौता ज्ञापन, नौ मंजिला बसंतपुर दरबार पुनर्निर्माण और भैंस मांस के निर्यात से जुड़े एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा नेपाल के वित्त मंत्रालय और चीन के अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी के बीच विकास योजना (2025-2029) से जुड़े एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

सीरिया में हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाके अलेप्पो के बाद हामा पहुंचे, कई क्षेत्रों पर किया नियंत्रण

दमिश्क। अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम और तुर्किये समर्थित विपक्षी गुटों ने उत्तर-पश्चिमी सीरिया के हामा गवर्नरेट के कई क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया। इनके लड़ाके लगातार हमले कर रहे हैं। आतंकी समूह इससे पहले भीषण लड़ाई के बाद अलेप्पो शहर को नियंत्रण में ले चुका है। इस बीच विस्थापितों का पलायन जारी है। अरबी न्यूज वेबसाइट 963+ के अनुसार, हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने हामा के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-फैन अल-वस्तानी, अबू सैफ और अल-मधाबा के गांवों पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया है। अब लड़ाके ताल मेल्ह और अल-जुबैन के गांवों में नियंत्रण के लिए सरकारी बलों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। इस बीच लड़ाकों ने कलात अल-मदीक शहर पर नियंत्रण करने के बाद अल-गब के उत्तरी गांवों पर हमले किए हैं। इससे पहले सोमवार शाम सरकारी बलों के साथ झड़पों के बाद तहरीर अल-शाम ने हामा के सूरन, तैयबत अल-इमाम, हलफया, मारदीस और ताल अल-नासिरियाह पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया।

चीन का अमेरिका को तगड़ा जवाब, दुर्लभ खनिज निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

बीजिंग/वाशिंगटन। चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 'जैसे को तैसा' शैली में जवाब दिया है। चीन ने अमेरिका को किए जाने वाले दुर्लभ खनिज निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के प्रशासन ने चीन को उन्नत अमेरिकी प्रौद्योगिकी की बिक्री पर प्रतिबंध की अवधि बढ़ा दी थी।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका को कई दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रहा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमोनी और सुपरहार्ड सामग्री की बिक्री तुरंत रोकी जा रही है। अगर ग्रेफाइट का निर्यात किया भी जाएगा तो कड़ी समीक्षा के बाद। दुनिया की दो महाशक्तियों के बीच इस टकराव से वैश्विक परिदृश्य बड़े बदलाव की संभावना

बढ़ गई है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने पहले ही अधिक कठोर नीति का वादा कर रखा है। वह चीन से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। अमेरिका और चीन के यह प्रतिबंध ट्रंप के व्हाइट हाउस में प्रवेश के साथ और अधिक आर्थिक संघर्ष का संकेत दे रहे हैं। चीन सेमीकंडक्टर जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी को बनाने के लिए आवश्यक दुनिया की लगभग सभी महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति का उत्पादन करता है। बीजिंग ने पिछले साल सेमीकंडक्टर में इस्तेमाल होने वाले गैलियम और जर्मेनियम के निर्यात को नियंत्रित करने के लिए एक कानूनी ढांचा भी विकसित किया है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यात प्रतिबंध के अधीन चीनी प्रौद्योगिकी कंपनियों की सूची का विस्तार करते हुए नई 140 फर्मों को जोड़ा है। ये कंपनियां कंप्यूटर चिप्स, चिप बनाने के उपकरण और सॉफ्टवेयर बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बनाती हैं। सभी कंपनियां चीन में स्थित हैं। इस सूची में चीनी स्वामित्व वाले ऐसे व्यवसाय भी शामिल हैं जो जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर में हैं। चीन ने इसका विरोध किया है।चीन ने भी अमेरिका में गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी और सुपरहार्ड सामग्री से संबंधित दोहरे इस्तेमाल वाली वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि ये निर्यात प्रतिबंध मंगलवार से प्रभावी होंगे।

पीटीआई नेता शिबली फराज का पाकिस्तान न्यायिक आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान न्यायिक आयोग (जेसीपी) के सदस्य शिबली फराज ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सीनेटर शिबली फराज पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता हैं। एक दिन पहली उनकी पार्टी के सहयोगी उमर अयूब ने भी आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा दिया था। न्यूज चैनल के अनुसार पीटीआई संस्थापक इमरान खान ने 13 सदस्यीय जेपीसी में फराज के स्थान पर सीनेटर बैरिस्टर अली जफर को नामित किया है। 26वें संवैधानिक संशोधन के अधिनियमन के बाद फराज को पिछले महीने ऊपरी और निचले सदनों के तीन अन्य सांसदों के साथ नामित किया गया था। जेसीपी का नेतृत्व पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। इसमें दो सीनेटर, दो एमएनए, सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीश, संवैधानिक पीठ के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, संघीय कानूनमंत्री, अटॉर्नी जनरल, एक वकील शामिल होते हैं। जेसीपी को सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों और संघीय शरीयत न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ-साथ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के प्रदर्शन की निगरानी करने और उनके वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन तैयार करने का काम सौंपा गया है।

इस्लामाबाद में पीटीआई के हिंसक विरोध प्रदर्शन की संघीय सरकार ने जांच शुरू कराई

एजेंसी

इस्लामाबा। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने पिछले दिनों इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच शुरू कर दी है। संघीय सरकार ने जांच के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स प्रदर्शन के दौरान अर्धसैनिक बलों और पुलिस अधिकारियों की मौत के लिए जिम्मेदार दंगाइयों की पहचान करेगी।

समाचार पत्र के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कार्यालय ने बताया है कि टास्क फोर्स की बैठक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने टास्क फोर्स के अधिकारियों को उन प्रदर्शनकारियों को दंडित करने के लिए सभी उपाय करने का निर्देश दिया, जिन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों को मार डाला और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया।

पीएमओ के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश में एक दंगा विरोधी बल और एक अत्याधुनिक फॉरेंसिक लैब की स्थापना की जाएगी। इस्लामाबाद को सेफ सिटी के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। प्रधानमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि दंगाइयों की पहचान तेजी से की जा रही है। उन्हें जल्द ही अदालतों में पेश किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल का सिंहासन डोला, वापस लेना पड़ा मार्शल लॉ लगाने का फैसला, करना होगा महाभियोग प्रस्ताव का सामना

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने महज छह घंटे बाद आज तड़के आपातकालीन मार्शल लॉ को हटाने की घोषणा की। नेशनल असेंबली में आपातकालीन मार्शल लॉ के खिलाफ हुए मतदान के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। येओल के इस फैसले के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए थे। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि वह राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। इसे गुरुवार को होने वाले पूर्ण सत्र में पेश किया जाएगा।

मैं नेशनल असेंबली के अनुरोध को स्वीकार करता हूं...द कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र ने देश के इस राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से खबर दी है। द कोरिया हेराल्ड के अनुसार राष्ट्रपति येओल ने छह घंटे की अराजकता के बाद आपातकालीन

मार्शल लॉ समाप्त करने की घोषणा की। राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने मार्शल लॉ हटाने के लिए संसद (नेशनल असेंबली) के अनुरोध को आज सुबह स्वीकार कर लिया। उन्होंने स्वीकार किया कि मार्शल लॉ की उनकी आश्चर्यजनक घोषणा अल्पकालिक थी। राष्ट्रपति ने सुबह लगभग 4:20 बजे टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, मैं नेशनल असेंबली के अनुरोध को तुरंत स्वीकार करूंगा और कैबिनेट के माध्यम से मार्शल लॉ हटाऊंगा। सुबह बहुत हो चुकी...उन्होंने कहा, मैंने तुरंत कैबिनेट बुलाई। कोरम अभी तक पूरा नहीं हुआ है क्योंकि सुबह बहुत हो चुकी है। कोरम पूरा होते ही मैं मार्शल लॉ हटा दूंगा। रूढ़िवादी नेता यूं सुक येओल ने रात 10:20 बजे देश को बचाने की दृढ़ इच्छा के साथ मार्शल लॉ घोषित किया था। रात लगभग एक बजे 300 सदस्यीय नेशनल असेंबली में उपस्थित सभी 190 सांसदों ने राष्ट्रपति की मार्शल लॉ की घोषणा के खिलाफ मतदान किया। कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी सहित उदारवादी पार्टियों की नेशनल असेंबली में मजबूत स्थिति है। सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी ने विपक्ष का समर्थन किया। सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता हान डोंग-हून ने रात कहा कि जैसे ही राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ घोषित किया, चीजें गलत हो गईं।

ढाका में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने खालिदा जिया से की मुलाकात

एजेंसी

ढाका। पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ ने मंगलवार रात बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया से उनके गुलशन स्थित आवास पर मुलाकात की। उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थीं। यह मुलाकात रात 8:30 बजे शुरू हुई और लगभग डेढ़ घंटे तक चली। इस दौरान बीएनपी के स्थायी समिति सदस्य प्रोफेसर डॉ. एज़ेएम जाहिद हुसैन और संगठन सचिव शमा ओबैद भी उपस्थित थे। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शैरुल कबीर खान ने जानकारी दी कि उच्चायुक्त रात 8:30 बजे खालिदा जिया के आवास पहुंचे और रात 10 बजे वहां से रवाना हुए। बैठक के बाद प्रोफेसर डॉ. एज़ेएम जाहिद हुसैन ने संवाददाताओं को बताया कि उच्चायुक्त ने बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बांग्लादेश की स्थापना में जियाउर रहमान के योगदान को रेखांकित किया और बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नए स्तर पर ले जाने की इच्छा व्यक्त की।

उच्चायुक्त ने खालिदा जिया के स्वास्थ्य का हाल-चाल लिया, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और पाकिस्तान के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की ओर से शुभकामनाएं दीं। खालिदा जिया ने भी उनके संदेशों का आभार व्यक्त किया और अपनी शुभकामनाएं भेजीं। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में खालिदा जिया से कई विदेशी राजनयिक मुलाकात कर चुके हैं। अगस्त में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के पतन के अगले ही दिन खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया था। इसके बाद पांच सितंबर को ब्रिटिश उच्चायुक्त सारा कुक और 25 नवंबर को सऊदी अरब के राजदूत इसा यूसुफ इसा अल-दुहैलान ने उनसे मुलाकात की थी।

नेपाली सेना प्रमुख जनरल सिग्देल 11 दिसंबर से भारत के चार दिवसीय दौरे पर

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के निमंत्रण पर नेपाली सेना के प्रधान सेनापति जनरल अशोक राज सिग्देल 11 दिसंबर को चार दिवसीय भारत यात्रा पर रवाना होंगे। यात्रा के दौरान जनरल सिग्देल को भारतीय सेना के जनरल के मानद रैंक से सम्मानित किया जाएगा, जो दोनों देशों के बीच एक पुरानी परंपरा है। नेपाल के रक्षा मंत्रालय ने प्रधान सेनापति जनरल सिग्देल के भारत भ्रमण के निमंत्रण को औपचारिक स्वीकृति के लिए कैबिनेट में भेज दिया है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के चीन भ्रमण से लौटने के बाद होने वाली कैबिनेट बैठक से इस यात्रा को औपचारिक स्वीकृति दी जाएगी। नेपाली सेना मुख्यालय में सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि जनरल सिग्देल के दिल्ली भ्रमण को लेकर भारतीय सेना को जानकारी दे दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि प्रधान सेनापति को 12 दिसंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में

भारतीय थल सेनाध्यक्ष के जनरल रैंक की मानद पदवी प्रदान की जाएगी। हाल ही में 20 नवंबर को जनरल द्विवेदी ने नेपाल का दौरा किया था। इस दौरान राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने उन्हें राष्ट्रपति कार्यालय में एक समारोह में नेपाल सेना के जनरल के मानद रैंक से सम्मानित किया। जनरल द्विवेदी ने अपने भ्रमण के दौरान प्रमुख रक्षा ठिकानों का भी दौरा किया। साथ ही राष्ट्रपति पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से शिष्टाचार मुलाकात के अलावा जनरल सिग्देल से द्विपक्षीय सैन्य संबंधों पर बैठक की। भारतीय सेना प्रमुख ने नेपाल भ्रमण के दौरान पशुपतिनाथ मंदिर और मुक्तिनाथ मंदिर का भी दर्शन कर विधिवत पूजा की थी।

बीआरआई पर चीन ने नेपाल के प्रस्ताव को किया खारिज, कार्यान्वयन समझौता पर हस्ताक्षर नहीं

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के चीन भ्रमण के बाद दोनों देशों ने एक साझा वक्तव्य जारी किया है। इस वक्तव्य में बहुचर्चित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव फ्रेमवर्क एग्रीमेंट को यथाशीघ्र करने की बात लिखी गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रधानमंत्री ओली के इस भ्रमण में बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना तत्काल के लिए समाप्त हो गई है। प्रधानमंत्री का चीन भ्रमण पूरी तरीके से बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर और पोखरा विमानस्थल के निर्माण में लिए गए ऋण की माफी पर टिकी हुई थी। लेकिन दोनों में से एक पर भी चीन के राजी नहीं होने से फिलहाल मामला लटक गया है। नेपाल की मीडिया में इसे प्रधानमंत्री ओली और विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा की कूटनीतिक विफलता बताया जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी

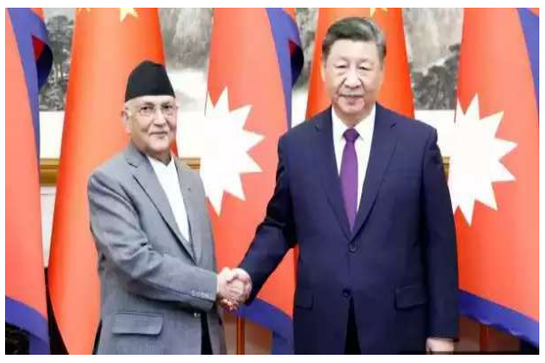

जिनपिंग से मुलाकात और प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान तो इन मुद्दों की कोई चर्चा नहीं हुई। इन दोनों ही मुलाकातों के बाद दोनों पक्ष के तरफ से जारी अलग-अलग बयान में कहीं भी बीआरआई और पोखरा एयरपोर्ट को लेकर कोई भी जिक्र नहीं किया गया है। देर रात दोनों देशों के विदेश मंत्रालय के तरफ से जारी संयुक्त वकतव्य में बीआरआई के फ्रेमवर्क पर प्रतिबद्धता जताते हुए यथाशीघ्र हस्ताक्षर करने की बात कही गई है। इसके अलावा नेपाल के तरफ से प्रस्तावित अन्य परियोजनाओं को भी संयुक्त वकतव्य में स्थान तो दिया गया है लेकिन उनके एक भी नया कुछ नहीं है। जिन परियोजनाओं का जिक्र संयुक्त वकतव्य में रखा गया है वो 2017 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेपाल दौरे के समय भी रखा गया था। चीन के तरफ से नेपाल को 9 अरब रुपये का अनुदान देने की घोषणा फिर से की है। लेकिन नेपाल में यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के नेपाल भ्रमण के दौरान घोषणा किए गए 56 अरब रुपये का अब तक कोई खोज खबर नहीं है। ऐसे में एक बार फिर से घोषणा किए गए 9 अरब रुपये की घोषणा के कोई मायने नहीं है।

चीनी दबाव के आगे झुका नेपाल, सिर्फ अनुदान लेने की शर्त से पीछे हटकर किए बीआरआई पर हस्ताक्षर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच अंततः बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव परियोजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर एक फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर हो गए हैं। प्रधानमंत्री केपी ओली के चीन भ्रमण के आखिरी दिन बुधवार को बीजिंग में नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई और चीन की तरफ से नेशनल डेवलपमेट एंड रिफॉर्म कमिशन के उपाध्यक्ष ली सुशे ने बीआरआई फ्रेमवर्क सहयोग नामक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री ओली के सचिवालय ने बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर होने की जानकारी देते हुए एक फोटो सार्वजनिक किया है। इस तस्वीर में न तो प्रधानमंत्री खुद दिख रहे हैं और न ही विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा दिख रही हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कृष्ण प्रसाद ढकाल ने बताया कि नेपाल की तरफ से प्रस्तावित अनुदान शब्द को हटाकर उसमें सहयोग

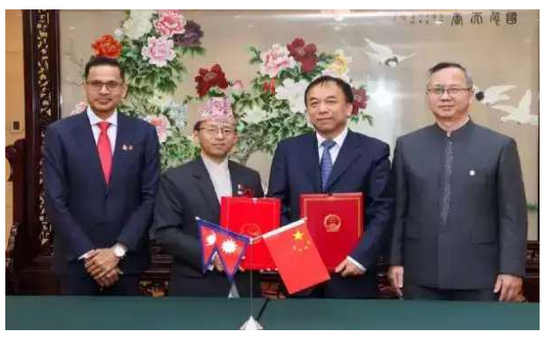

शब्द लिखने के बाद हस्ताक्षर हुए हैं। प्रधानमंत्री के चीन भ्रमण से पहले नेपाल सरकार की कैबिनेट ने बीआरआई अंतर्गत सिर्फ अनुदान दिए जाने की शर्त पर बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया था, लेकिन चीन ने नेपाल के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। यही कारण है कि चीन के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के समय समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो पाए थे। प्रधानमंत्री की वापसी से कुछ घंटे पहले बुधवार को चीन की शर्तों पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री लू 9 एवं 10 दिसंबर को नेपाल दौरे पर

काठमांडू। अमेरिका के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू 9 एवं 10 दिसंबर को नेपाल के दौरे पर आ रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस समय चीन के दौरे पर हैं। चीन के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन समझौते पर नेपाल के हस्ताक्षर करने की चर्चाओं के बीच अमेरिकी मंत्री का नेपाल दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि लू नेपाल से पहले 03 से 08 दिसंबर तक भारत और श्रीलंका का भी दौरा करेंगे।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

क्रेमलिन के विश्वासपात्र मालोफेयेव ने कहा-ट्रंप के यूक्रेन शांति समझौते को अस्वीकार कर सकते हैं पुतिन

एजेंसी

मॉस्को। क्रेमलिन के विश्वासपात्र कॉन्स्टेंटिन मालोफेयेव को लगता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन संभवतः अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन शांति समझौते को अस्वीकार कर देंगे। उन्होंने कहा कि अगर अंतिम समझौते में 'मॉस्को की मांगों में से एक कीव के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी' को भी जोड़ दिया जाए तब भी आधी-आधी (50-50) संभावना है। द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, कॉन्स्टेंटिन मालोफेयेव ने यह मत एक साक्षात्कार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मॉस्को चाहता है कि ट्रंप रूसी क्षेत्र के भीतर यूक्रेन को अपनी मिसाइलों का उपयोग करने के लिए वाशिंगटन की मंजूरी को उलट दें। ट्रंप और पुतिन की प्रस्तावित वार्ता के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह यूक्रेन के

भविष्य के बारे में नहीं, बल्कि यूरोप और दुनिया के भविष्य के बारे में होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि मॉस्को चाहता है कि ट्रंप मध्य पूर्व में युद्ध, चीन के साथ रूस के गठबंधन और अमेरिका की स्वीकृति पर चर्चा करें। मालोफेयेव ने कहा, हम वैश्विक व्यवस्था के लिए दीर्घकालिक शांति चाहते हैं। कॉन्स्टेंटिन मालोफेयेव ने यूक्रेन में युद्ध के लिए ट्रंप द्वारा हाल ही में नामित विशेष दूत कीथ केलॉग के संदेह के जवाब में पुतिन की परमाणु धमकी को दोहराया। केलॉग ने संदेह जताया था कि यूक्रेन के रूस पर हथियार चलाने के पश्चिमी समझौते के जवाब में पुतिन यूरोप में परमाणु युद्ध शुरू कर देंगे। मालोफेयेव ने कहा कि रूस सामरिक परमाणु हथियार दाग सकता है।उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति अभियान के दौरान यूक्रेन में रूस के लगभग तीन साल के युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का वादा किया था। पुतिन सार्वजनिक रूप से मांग कर चुके हैं कि यूक्रेन लड़ाई रोकने की पूर्व शर्त के रूप में अपने पूर्व और दक्षिण का कुछ क्षेत्र छोड़ दे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उनके देश को रूस के साथ किसी भी वार्ता से पहले नाटो से सुरक्षा गारंटी और अपनी रक्षा के लिए अधिक हथियारों की आवश्यकता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा पर देश के मुस्लिम संगठन चुप क्यों : शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और इस्कॉन से जुड़े संत चिन्मय दास की गिरफ्तारी के मामले में भारतीय जनता पार्टी नेता शाहनवाज हुसैन ने देश के मुस्लिम संगठनों की लानत-मलानत की है। उन्होंने बात करते हुए कहा, बांग्लादेश में जिस तरह अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ जुल्म और ज्यादती हो रही है। उन पर जुल्म की सभी सीमाएं पार कर दी गई। उस पर भारत सरकार की पूरी नजर है। लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है, धार्मिक स्थल जलाए जा रहे हैं, धर्म गुरुओं को मारा-पीटा जा रहा है, उस पर मुस्लिम संगठनों के लोग चुप हैं। शाहनवाज ने कहा, अगर फिलिस्तीन या ईरान में मुस्लिमों के साथ कुछ होता है, तो ये लोग प्रदर्शन करते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वे मारे-काटे जा रहे हैं, लेकिन उलेमाओं की जुबान खुल ही नहीं रही है। वह कुछ बोल ही नहीं रहे हैं। पूरी दुनिया में अल्पसंख्यकों को कैसे रखा जाता है, उसके लिए आदर्श देश भारत है। अल्पसंख्यकों के लिए भारत से अच्छा कोई देश नहीं हो सकता। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की क्या हालत कर दी गई। पूरे मुस्लिम समुदाय को खुलकर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर मार्च निकालना चाहिए।

मुझे समझ नहीं आ रहा है कि किसानों से वार्ता क्यों नहीं हो रही : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल किया है कि आखिरकार किसानों से वार्ता क्यों नहीं हो रही है। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच पर मौजूद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कहा, कृषि मंत्री जी, हर पल आपके लिए महत्वपूर्ण है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं और भारत के संविधान के तहत दूसरे सबसे बड़े पद पर विराजमान व्यक्ति के रूप में मैं आपसे आग्रह करता हूं कि कृपया मुझे बताइए, क्या किसानों से कोई वादा किया गया था, और वह वादा क्यों नहीं निभाया गया। हम वादा पूरा करने के लिए क्या कर रहे हैं। पिछले साल भी आंदोलन था, इस साल भी आंदोलन है, और समय जा रहा है, लेकिन हम कुछ नहीं कर रहे हैं।÷उपराष्ट्रपति ने कहा, कृषि मंत्री जी, मुझे तकलीफ हो रही है। मेरी चिंता यह है कि अब तक यह पहल क्यों नहीं हुई। आप कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री हैं। मुझे सरदार पटेल की याद आती है, उनका जो उत्तरदायित्व था देश को एकजुट करने का, उन्होंने इसे बखूबी निभाया। यह चुनौती आज आपके सामने है, और इसे भारत की एकता से कम मत समझिए। किसानों से वार्ता तुरंत होनी चाहिए, और हम सबको यह जानना चाहिए, क्या किसानों से कोई वादा किया गया था। कृषि मंत्री जी, क्या पिछले कृषि मंत्रियों ने कोई लिखित वादा किया था। अगर किया था, तो उसका क्या हुआ।

चुनाव आयोग से मिलकर कांग्रेस ने आशंकाओं पर मांगा विस्तृत विवरण

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मुलाकात कर हाल में महाराष्ट्र तथा अन्य राज्यों में हुए चुनावों से जुड़ी अपनी आशंकाओं को लेकर आज ज्ञापन सौंपा और इस पर जल्द से जल्द विस्तृत जवाब देने की मांग की ताकि देश की चुनाव प्रणाली की पारदर्शिता पर लोगों का विश्वास कायम रहे। चुनाव आयोग से मिलने गये कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी, राज्यसभा सांसद मुकुल वासनिक,महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, प्रवीण चक्रवर्ती, गुरदीप सप्पल, शशिकांत सेंथिल, ओमर होडा तथा संजीव सिंह शामिल थे। श्री सिंघवी ने चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद निर्वाचन सदन के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा ÷चुनाव आयोग से करीब डेढ़ से 2 घंटे तक व्यापक वार्ता हुई है और उनसे बातचीत में कहा गया कि चुनाव में पारदर्शिता और विश्वास बहुत जरूरी है अन्यथा यह लोकतंत्र पर आघात होता है। आयोग से मांगे गए सारे डाटा उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। इस डाटा के मिलने से यह पता चल जाएगा कि महाराष्ट्र में इतने बड़े पैमाने पर लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कैसे हटाए और जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कई जगह ऐसे प्रमाण मिले है कि एक व्यक्ति के नाम से दो 2 से ढाई सौ लोगों के नाम हटाए गए हैं। यह साबित करता है कि चुनाव प्रक्रिया को विकृत किया जा रहा है। इसमें एक मुद्दा यह भी था कि लोकसभा के चुनाव के बाद उसी क्षेत्र में पांच माह बाद लगभग 3 लाख कम नाम वोटर लिस्ट में पाए गए।

वायुयान क्षेत्र के लिए बने स्वतंत्र नियामक : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने राज्यसभा में कहा कि वायुयान क्षेत्र में विवादों के निपटारे के लिए एक स्वतंत्र नियामक का गठन किया जाना चाहिए। कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन ने सदन में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पर चर्चा शुरू करते हुए कहा कि वायुयान क्षेत्र में बहुत सारी संस्थाएं काम कर रही हैं जिनके क्षेत्राधिकार एक दूसरे से टकराते हैं। भारत बहुत बड़ा देश है और इसलिए जगह-जगह विवाद होते रहते हैं। इनके निपटारे के लिए एक स्वतंत्र नियामक का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव रहित वायुयान के लिए स्पष्ट और सख्त नीति बनाई जानी चाहिए। हवाई अड्डों पर सुरक्षा और सुविधा के संबंध में श्री हुसैन ने कहा कि 'फेशियल आईडेंटिफिकेशन' के संबंध में उचित कदम उठाए जाने चाहिए और इसे सरल बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार बहुत सारे हवाई अड्डे बना रही है लेकिन गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यात्रियों को हवाई अड्डों पर बहुत सारी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वायुयान सेवा क्षेत्र में दो कंपनियों का कब्जा हो गया है।

मणिपुर हिंसा मामले पर रिपोर्ट सौंपने के लिए केंद्र ने बढ़ाई तारीख

इंफाल, 4 दिसंबर। केंद्र ने जांच आयोग को मणिपुर हिंसा मामले की जांच पर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए 20 मई, 2025 तक का विस्तार दिया है। पिछले डेढ़ साल से जारी इस हिंसा में अभी तक 258 लोगों की मौत हो चुकी है। जांच आयोग की अध्यक्षता गुवाहाटी हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा कर रहे हैं। इस आयोग का गठन चार जून 2023 में किया गया था। इस तीन सदस्यी पैनल में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हिमांशु शेखर दास और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आलोक प्रभाकर भी शामिल हैं। चार जून 2023 को जारी अधिसूचना के अनुसार, आयोग को अपनी रिपोर्ट जल्द से जल्द यानी की अपनी पहली बैठक की तारीख से छह महीने के भीतर केंद्र को सौंपनी थी। पिछले विस्तार में गृह मंत्रालय ने आयोग को 20 नवंबर तक का समय दिया था। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी ताजा अधिसूचना के अनुसार, आयोग अपनी रिपोर्ट जल्द से जल्द 25 मई 2025 से पहले केंद्र को सौंप दें। पैनल यह भी पता लगाएगा कि क्या किसी जिम्मेदार व्यक्ति की ओर से कोई चूक या लापरवाही हुई है। इसके साथ ही हिंसा और दंगों को रोकने के लिए उठाए गए प्रशासनिक पर्याप्तता की भी जांच होगी। राज्य में मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों बेघर हो चुके हैं। हिंसा इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी-जो समुदाय के बीच शुरू हुई थी। जिरिबाम जिला शुरू में इस संघर्ष से प्रभावित नहीं था। लेकिन जून 2024 में एक किसान का शव मिलने के बाद इस जिले में भी हिंसक झड़पें शुरू हुईं।

भारत अतंरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का समापन, भारत के विकास के लिए नवाचार को बढ़ावा देने पर रहा जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। आईआईटी गुवाहाटी में पिछले चार दिनों से चल रहे भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस महोत्सव में भारत को विनिर्माण केन्द्र बनाने के साथ देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। आयोजित समापन समारोह में असम के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्री केशव महानता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस मौके पर सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ एन. कलैसेल्वी, सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम के निदेशक डॉ सी. आनंदधर्मकृष्णन, विज्ञान भारती के महासचिव पी.ए. विवेकेंद्र पई

सहित भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र की कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि केशव महंत ने कहा कि आईआईएसएफ 2024 वास्तव में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक उल्लेखनीय उत्सव रहा है, जो हमारे भविष्य को आकार देने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। पिछले चार दिनों में हमने नवाचार, सहयोग और ज्ञान-साझाकरण का एक प्रेरक प्रदर्शन देखा है, जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतिभागी विज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति का पता लगाने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ-साथ उन सभी भागीदारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि असम इस तरह के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा है, और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।

ईडी का ओरिस इंफ्रास्ट्रक्चर के ठिकानों पर छापा, 31.22 करोड़ रुपये फ्रीज, लग्जरी कारें जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के रियल एस्टेट धोखाधड़ी के मामले में मेसर्स ओरिस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के दिल्ली-एनसीआर में 14 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी ने इस दौरान 31.22 करोड़ रुपये की विभिन्न सावधि जमा, बैंक गारंटी तथा लग्जरी कारों को जब्त किया। ईडी ने एक बयान में बताया कि गुरुग्राम ने मेसर्स ओरिस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. एवं उसके निदेशकों विजय गुप्ता, अमित गुप्ता आदि और मेसर्स थ्री सी शेल्टर्स प्रा.लि. तथा उसके प्रमोटर निर्मल सिंह उप्पल, विधुर भारद्वाज आदि के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर में 14 स्थानों पर 25 नवंबर को तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की गयी। ईडी ने बताया कि 500 करोड़ रुपये से अधिक के रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में एजेंसी की ओर से ओरिस समूह की कंपनियों के नाम पर 31.22 करोड़ रुपये की विभिन्न सावधि जमा और बैंक गारंटी को जब्त किया गया है। इसके अलावा इन कंपनियों के प्रमोटरों से संबंधित बैंक खाते और लॉकर फ्रीज कर दिए गए और ओरिस समूह के एक निदेशक और प्रमोटर के आवास से मर्सिडीज, पोर्श, बीएमडब्ल्यू आदि चार लग्जरी कारें जब्त की गईं। जांच एजेंसी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, संपत्ति के दस्तावेज, विभिन्न डिजिटल डिवाइस बरामद किए गए, उन्हें जब्त कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त ओरिस समूह की कंपनियों के नाम पर विभिन्न एफडी और बैंक गारंटी को फ्रीज कर किया गया है। इसके अलावा प्रमोटरों से संबंधित बैंक खाते और लॉकर फ्रीज कर दिए हैं।

पिछले तीन वर्षों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर पांच सैनिक शहीद हुए : गृह मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर पांच भारतीय सैनिक शहीद हुए हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पिछले तीन वर्षों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर आतंकवादी हमलों में हताहत हुए भारतीय सैनिकों का विवरण साझा करते हुए कहा कि वर्ष 2021 में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर चार सैनिक शहीद हुए, जबकि 2022 में एक सैनिक की जान चली गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारत-पाकिस्तान सीमा सहित आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई है तथा सरकार का दृष्टिकोण आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप सीमा पर आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण हुआ है। उन्होंने कहा कि इन उपायों में आतंकवाद से संबंधित सभी मामलों

पर केन्द्र और राज्य स्तर पर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के बीच घनिष्ठ और प्रभावी समन्वय शामिल है। इसके अलावा मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) को मजबूत करना और इसे अन्य खुफिया एजेंसियों और राज्यों के साथ आतंकवाद से संबंधित सभी मामलों पर वास्तविक समय पर खुफिया जानकारी एकत्र करने और साझा करने के लिए 24×7 आधार पर कार्य करने के लिए व्यवस्थित करना, और राज्य और केंद्रीय एजेंसियों के बीच सूचना का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करना शामिल है।उन्होंने कहा कि आतंकवादी घटनाओं से निपटने के लिए राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा विशेष बलों का गठन किया गया। ऐसी घटनाओं से निपटने में राज्यों की सहायता के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड को भी विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया है। मंत्री ने कहा कि आतंकवाद से संबंधित मामलों की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की स्थापना की गई है। केंद्रीय एजेंसियों ने खुफिया जानकारी साझा करने और आतंकवादी मामलों की जांच के संबंध में राज्य बलों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

भारतीय वायुयान विधेयक 2024 राज्यसभा में पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने राज्यसभा में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पेश किया। विधेयक 90 साल पुराने विधेयक को प्रतिस्थापित करेगा। लोकसभा से यह विधेयक पिछले सत्र में पारित हो चुका है। विधेयक में विमान के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव, अधिकार, उपयोग, संचालन, बिक्री, निर्यात और आयात के विनियमन और नियंत्रण तथा उससे जुड़े मामलों का प्रावधान है। भारतीय वायुयान विधेयक 2024 भारत को डिजाइन राज्य के रूप में सक्षम बनाने, विनिर्माण में आत्मनिर्भर भारत को प्रोत्साहित करने और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने पर जोर देता है।विधेयक को पेश करने समय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि विधेयक 1934 के विमान अधिनियम को प्रतिस्थापित करेगा। यह लोकसभा में पहले ही पास हो चुका है। वहां से सभी दलों से व्यापक समर्थन मिला था। उन्होंने बताया कि 1934 में अंग्रेजों के प्रावधान अव्यवस्थित से हो गये थे। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन ने भारत को सुझाव दिया था कि नए सिरे से विधेयक लाए।

काल में बने नागरिक उड्डयन क्षेत्र को विनियमित करने से जुड़े विधेयक में 90 सालों के दौरान 21 बार संशोधन हो चुका है। इसके चलते विधेयक के विधेयक में नागरिक उड्डयन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को विनियमित करने वाली संस्थाओं के कामकाज को लेकर स्पष्टता लाई गई है।

NAME CHANGE

It is for general information that I, SURENDER KUMAR S/o TAPESHWAR PRASAD R/o B-155, Chunna Bhatti Kirti Nagar, Ramesh Nagar H.O, West Delhi, Delhi-110015 declare that name of mine and my father have been wrongly written as SURIENDER and SH TAPESHWAR in my Driving Licence No. DL04 20049491288. The actual name of mine and my father are SURENDER KUMAR and TAPESHWAR PRASAD respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUSHILA SHARMA alias SHASHI SHARMA W/O RAJESHWAR PRASAD R/O G-55/2, STREET NO-17, JAGAT PURI, KRISHNA NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110051 have changed my name and shall hereafter be known as SHASHI SHARMA

NAME CHANGE

It is for general information that I Komal Jain alias Komal Gupta D/O ASHOK Jain Ex wife of Satvik Gupta R/O-10B, Madhuban Road,Veer Savarkar Block, Shakarpur East Delhi Delhi-92, declare that my husband expired on 02.12.2022 and death certificate wss issued with Regd no. 02220912278950 Dated10.12.2022, further I Remarried with Sanam Anand S/O Vijay Anand vide marriage certificate no 90730000189973 dated 17 01.2024 ,further I have changed the name of mine and my minor daughter namely Anshika Gupta aged 7 years and we shall hereafter be known as Komal Anand and Anshika Anand further I also declare that name of the father of my minor daughter may be known as Sanam Anand on Future for all purposes .

NAME CHANGE

I, REMYA PH Wife of No-14662457X Rank-NK Name-SUJEESH MG Residing at EARATH HOUSE, VPO-PILAKKAD, DIST-THRISSUR, KERALA-680585 have changed my name from REMYA PH to REMYA P H for all future purposes vide Affidavit dated 29/11/2024 before Sub Divisional Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, NAZNEEN D/o MANSUKH, R/o C - 428, J.J Colony, Camp No. 2, Nangloi, Nilothi, West Delhi, Delhi - 110041, declare that name of mine has been wrongly written as GOPI in my PAN Card No. CRBPG5983Q. The actual name of mine is NAZNEEN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Sunil S/o Rajbir Singh R/o House No-298, F-Block, Omaxe City-2,Galleria, Sector-3A/14, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana-124507 Have Changed My Name To Sunil Kumar For All Future Purpose

NAME CHANGE

I,PUNEET MALIK S/o VIJAY MALIK R/o B-109/1 STREET NO-II,SHAHDARA SHAHDARA DELHI-110032 have changed my minor Daughter name from ANGEL MALIK to ANGEL CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE

I RUBINA SHAEEN W/O JAVED ALI ANSARI R/O 826/A SECOND FLOOR FLAT N0-204 GALI N0- 4 ZAKIR NAGAR DELHI-110025 HAVE CHANGE MY NAME RUBINA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I Mohit S/O Babu Ram,R/O H. NO.-192, VILLAGE, Dallupura, East Delhi, Delhi - 110096,have changed the name of my minor daughter Khushi aged 9 years and she shall hereafter be known as NAVI.

NAME CHANGE

I,PUNIT MALIK S/o VIJAY MALIK R/o B-109/1 STREET NO-II,SHAHDARA SHAHDARA DELHI-110032 have changed my minor son's name from ARIN MALIK to ARIN CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sanjeev Nagar S/O Gopal Singh Nagar R/O Plot No. 28 KH. No 54/12,Gali No -2, Krishna Block Tirthankar Nagar, Jain Nagar Karala North West Delhi, Delhi -110081, have changed the name of my minor daughter namely Rackshita aged 15 years and she shall hereafter be known as Roshni Nagar

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किला श्रीमती बसंती पत्नी स्व0 देवी लाल निवासी डी-49, मादीपुर जे. जे. कॉलोनी, पश्चिमपुरी वेस्ट, दिल्ली-110063 ने अपने पुत्र अजय, पुत्रवधू श्रीमती कल्पना एवं पोत्र कुणाल को उनके दुराचरण व व्यवहार को देखते हुए उनको अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, और उनसे अपने संबन्ध विच्छेद कर लिये हैं। अगर कोई व्यक्ति इनसे किसी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा। भविष्य में उनकी गतिविधियों के प्रति मेरे मुवक्किला की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

दीपक जुनेजा, एडवोकेट
चैम्बर न0 24, वैर्स्टन विंग,
तीस हजारी कोर्ट दिल्ली-110054

(BEDAKHAL)

That I, LAXMI DEVI wife of BABU LAL declare as under that I disowned my Son`s RINKU SEN and his wife RASHMI from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for wrong behaviour. Hereafter I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transaction and any illegal/legal and property purpose in future. That he debarred from entering my premises situated at T-443, NEAR NANDLAL RATION WALI GALI, BALJEET NAGAR, PATEL NAGAR, DELHI-110008.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Indarawati W/O Rajvir, R/O H No-211, VILLAGE, JAUNTI, North West Delhi, Delhi- 110081,declare that name of mine has been wrongly written as Indravati Devi alias Indrawati Devi in my service record , The actual name of mine is Indarawati ,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Jitender Singh S/o Bhim Singh R/o H.No-77, Gali No-3, Awas Kunj, Laxman Vihar, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Jitender Singh Kataria for All Future Purpose.

NAME CHANGE

I, KAMAL S/o SOHAN LAL, R/o House No. A-34, Street No. 3, Chandu Nagar, Karawal Nagar Road, North East Delhi, Delhi - 110094 , have changed the name of my minor son SAMYAK, aged 3 years and he shall hereafter be known as SIDDHARTH.

NAME CHANGE

I, POOJA RAJ W/o NAVEEN, R/o A-469, Sangam Park, Rana Pratap Bagh, Malka Ganj, North Delhi, Delhi - 110007 , have changed the name of my minor son EKKAKSH, aged 5 years and he shall hereafter be known as EKAVIR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as AMIRDHAVALLI RANGANATHAN D/o S. RANGANATHAN residing at House No. 251-A, Near Rama Market, Munirka Village, South West Delhi - 110067 have changed my name and shall hereafter be known as AMIRDHAVALLI R.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ANJALY D/o LAKHAN LAL SAH W/o OM PRAKASH SAH residing at Khasra No. -33/20 , Gali No. -12 , Gautam Colony, Narela, North West Delhi, Delhi 110040 have changed my name and shall hereafter be known as ANJALI DEVI.

NAME CHANGE

I, hitherto known as HARSH S/o MANOJ KUMAR R/o C-56, Gali No. - 6, C Block, Ankur Enclave, Karawal Nagar, Dayalpur, PO Dayalpur, Dist. North East Delhi -110094 have changed my name and shall hereafter be known as HARSH MISHRA.

NAME CHANGE

It is for general information that I Ashadur Rahman S/o MD MOTIUR RAHMAN residing at 5754/66, second floor, Basti harphool Singh, Sadar thana road, Delhi sadar bazar, North Delhi, Delhi 110006 declare that the name of my father has been wrongly written as MD MATIUR RAHMAN in my 10th class educational document, the actual name of my father is MD MOTIUR RAHMAN respectively Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, A GOPALA KRISHNAN Father of No-14662457X Rank-NK Name-SUJEESH MG Residing at EARATH HOUSE, VPO-PILAKKAD, DIST-THRISSUR, KERALA-680585 have changed my name from A GOPALA KRISHNAN to GOPALAKRISHNAN A for all future purposes vide Affidavit dated 29/11/2024 before Sub Divisional Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-736670Y Rank-NB/SUB Name-BAGADIYA RAMDEV RUDMAL Father of DIVYANSHU residing at VILL-KITPURA, PO-NAPAWALI, TEH & DIST-NEEM KA THANA , RAJASTHAN-332713 have changed my minor son's name from DIVYANSHU to DIVYANSHU BAGADIYA for all future purposes vide Affidavit dated 04/12/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHD SALIM S/O MOHAMMED JAMIL residence of B-46, TOP FLOOR, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to MOHD SALEEM for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. Sale Deed dated 20.10.2012 doc no. 5082 Reg. in Book No. 1, Vol. no. 3551 On Pages 83 to 98, Regd. At SRO Noida executed by Sh. Arvind in favour of Smt. Chandrakala pertaining to Plot of and area measuring 100 Sq. Yds., out of khasra no. 104,105,107,294,325,326, Khata No. 0114, Situated at Village Ilahabas, Pargana and tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Anshul Sirvya who is Selling the 'said property' to Sh. Anshuman Dixit and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., LAXMI NAGAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences

Dated : 04.12.2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE

Sumeeta kumari thakur S/O Awdhesh kumar thakur R/O -A4C -68, Janakpuri, a4c Block, B-1 Wast delhi-110058 have changed my name to Sumeeta Thakur for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Mr. Brij Pal & Mr. Jawahar Singh** are the owners of Property bearing no. K-8/63-A, area measuring 50 sq. yds., i.e. 41.80 sq. mtrs., out of Khasra no. 557, situated at Village Ghonda Gujran Khadar, in the Abadi of Gali no. 8, K Block, Gangotri Vihar, West Ghonda, Illaqa Shahdara, Delhi 110053 through Sale deed dated 27.06.2024 doc. No. 2024/12/I/2143 executed by Mrs. Krishna Wati in favour of Mr. Brij Pal & Mr. Jawahar Singh in respect of Said property. **Mr. Brij Pal & Mr. Jawahar Singh** intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of Entire Third floor (with roof rights) of aforementioned Property to **Mr. Anand Kumar Jha.** Subsequently, **Mr. Anand Kumar Jha** is in the process of mortgaging the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 15 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 15-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 15-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

This is to inform all concerned parties that Mrs. Kaushalya have agreed to create a mortgage over the property described below, in favor of my client, Aadhar Housing Finance Limited (AHFL), Branch-Uttam Nagar, Delhi, following the execution of a sale deed in her favor. The sellers, Mr. Rohit Sharma, have agreed to sell the property described as "PROPERTY BEARING NO. J-16/44, GROUND FLOOR, WITHOUT ROOF RIGHTS, LAND AREA MEASURING 112 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 76, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE KHICHRIPUR, IN THE ABADI J-BLOCK, GALI NO. 3, EAST VINOD NAGAR, SHAHDARA, DELHI- 110091." Accordingly, any co-sharers, previous owners, or any other interested parties -including but not limited to banks, financial institutions, NBFCs, HFCs, government or semi-government authorities, and any other persons or entities—having any claims, interests, or rights in or against the above- mentioned property, whether by way of sale, exchange, mortgage (equitable or title deed deposit), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement, or any other legal or equitable right, are hereby requested to submit written notice of their claim, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 7 days from the date of this notice. Failure to respond within the stipulated time will result in such claims being deemed waived or abandoned. In such an event, my client, AHFL, will proceed with the disbursement of the loan and the creation of the mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 04.12.2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE

I, Mamata / Mamta Verma W/o Manoj Kumar Dhawan R/o B-175, Khasra Number-19/4, 2nd Floor, Nand Vihar, Near Dwarka Metro Station, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 Have Changed My Name To Mamta Dhawan For All Future Purpose

PUBLIC NOTICE
NOTICE OF LAST WILL AND TESTAMENT

I, Devendri W/o Late Sh. Satish Pawar, resident of 5A, Village Ber Sarai, New Delhi-110016, hereby gives notice that I have executed my Last Will and Testament on the 20th day of September 2024, which was registered on the 23rd day of September 2024, with Registration No. 2024/19/III/4282 in Book No. III, Volume No. 2319, Page Nos. 193 to 198, before the registering officer, Sub-Registrar-I, Kashmere Gate (Central). This Will revokes my previous Will registered on 19.05.2022 (Registration No. 230, Book No. 3, Vol. No. 289). In my Will, I have excluded my son, Ajay Pawar, from any share in my properties due to ongoing disputes and have bequeathed my share in properties located in Village Ber Sarai, New Delhi, equally to my sons, Vimal Pawar and Kamal Pawar. The details of the Will are mentioned in the document, and it is my first and final Will regarding the properties mentioned therein. Any person or entity having any claims or objections to this Will may contact me or my legal representative, Pawan Gupta, Advocate, Chamber No. 673, Saket Court, New Delhi, within 30 days from the date of publication.
Dated: 4th December 2024

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. WILL dated 12.10.1992 executed by Sh. Harbans Lal Passi in favour of Sh. Naresh pertaining to Property Bearing No. E-243, Land Area Measuring 50 Sq. Yds., Out of Khasra No. 828, Situated at Village Ghonda Gurjan Khadar, Jagjit Nagar, Shahdara, Delhi-110053 (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Naresh who is Selling the 'said property' to Smt. Kokila Bhar and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., PUSHP VIHAR BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences

Dated : 04.12.2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE

Mr. Amit Gupta Owner of the Residential Unit No. 1901 on 19th floor, Tower-C, Super Area Admeasuring 1732 sq. feet., in the property "APEX ATHENA", on Plot No. GH-12A, ECO CITY in Sector- 75, Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P Mr. Amit Gupta have lost Original Allotment Letter dated 18/11/2016 issued by M/s Apex Dream Homes Pvt. Ltd in favour of Mr. Amit Gupta and Possession Certificate dated 20/05/2017 issued by M/s Apex Dream Homes Pvt. Ltd in favour of Mr. Amit Gupta , for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if finds the misplaced Allotment Letter and Possession Certificate aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, No-14671625M HAV ARUN KUMAR SINGH S/o RAN BAHADUR SINGH R/o VILL-PURETUR, PO-KHANDASA, TEHSIL-MILKIPUR, DISTT-AYODHYA, U.P-224153 have changed my wife's name from SUMAN DEVI to SUMAN SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 04/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as SATYAVIR SINGH alias PAPPU S/O VIKKI SINGH R/O Teachers Colony Sikandrabad, Bulandsahar Uttar Pradesh-203205, have changed my name and shall hereafter be known as SATYAVIR SINGH

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री नरेंद्र सेठी और श्रीमती रीना सेठी सम्पूर्ण ग्राउंड फ्लोर,बिना छत अधिकार, संपत्ति संख्या 215, क्षेत्रफल 322.5 वर्ग गज, बंगाली हिंदू सहकारी हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड के लेआउट प्लान टैगोर पार्क, दिल्ली-110009 में स्थित है, को (1) श्रीमती रीता ग्रोवर, (2) श्रीमती नीता सचदेवा, (3) श्रीमती रीना चोपड़ा, (4) श्रीमती वीना ओहरी, और (5) श्रीमती रोहिनी खुल्लर से खरीदने का इरादा रखते हैं, सम्पूर्ण संपत्ति को श्रीमती सुनीला भाटिया ने 04.09.2008 को एक कंवयेंस डीड के माध्यम से डी.डी.ए. द्वारा पीओआई से खरीदी थी। इसके बाद, श्रीमती सुनीला भाटिया ने 28.03.2013 को श्री अक्षय कुमार भाटिया के पक्ष में एक गिफ्ट डीड संपन्न किया। बाद में, श्री अक्षय कुमार भाटिया ने 12.04.2013 को श्रीमती निर्मल अहलूवालिया और श्री परमजीत सिंह अहलूवालिया के पक्ष में एक सेल डीड संपन्न किया। 05.06.2017 को, श्रीमती निर्मल अहलूवालिया ने एक पंजीकृत पारिवारिक वसीयत बनाई, जिसमें परमजीत सिंह अहलूवालिया को संपत्ति देने का निर्णय लिया। श्रीमती निर्मल अहलूवालिया का निधन 24.01.2020 को हुआ। इसके बाद, श्रीमती नीता सचदेवा ने अपनी एस.पी.ए. होल्डर श्रीमती रीना चोपड़ा को नियुक्त किया, और श्रीमती रोहिनी खुल्लर ने अपनी एस.पी.ए. होल्डर श्रीमती वीना ओहरी को नियुक्त किया। बाद में, श्री परमजीत सिंह अहलूवालिया ने 16.06.2020 को एक गिफ्ट डीड किया, जिसमें (1) श्रीमती रीता ग्रोवर, (2) श्रीमती नीता सचदेवा स्वयं व एस.पी.ए. होल्डर श्रीमती रीना चोपड़ा की ओर से (3) श्रीमती रीना चोपड़ा, (4) श्रीमती वीणा ओहरी, और (5) श्रीमती रोहिनी खुल्लर, स्वयं व एस.पी.ए. होल्डर श्रीमती वीना ओहरी की ओर से, को संपत्ति दी गई। यह संपत्ति ऋक्कबैंक लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित की जा रही है, जिसका पता स्न 19, 20, 21 स्न्स्न आदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद, यूपी 201012 है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/ आवेदकों ने नीचे सारनी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय योजना के अन्तर्गत स्थित है। उक्त भवन के पट्टेदार श्री भूषण सिंह तोमर पुत्र श्री प्रहलाद सिंह तोमर के द्वारा उक्त भवन के अभिलेखों में दिनांक 01.05.2004 को नामदर्ज कराया जा चुका है। इनकी मृत्यु दिनांक 06.03.2014 को हो जाने के फलस्वरूप इनके वारिस पुत्र श्री अंकुर प्रताप एवं श्री अभय प्रताप सिंह तोमर पुत्रगण स्व. श्री भूषण सिंह तोमर द्वारा मृतक का मृत्युप्रमाण पत्र, वारिसाना प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, अनापत्ति शपथ पत्र, पहचान पत्र, अन्य वारिसो के द्वारा अनापत्ति शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुये मृतक के स्थान पर उक्त भवन के अभिलेखों में नामदर्ज करने का अनुरोध किया गया है। विवरण निम्नवत है :-

क्र. सं.	मूल आवंटी/पट्टाधारक/ स्वामी का नाम	भवन संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम पिता का नाम सहित	आवेदक का पता एवं दूरभास संख्या	नामांतरण का आधार	पट्टाधर्त/ पूर्ण स्वामित्त्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	सहपट्टेदार स्व. श्री भूषण सिंह तोमर पुत्र श्री प्रहलाद सिंह तोमर	3/188	राजेन्द्र नगर	श्री अंकुर प्रताप एवं श्री अभय प्रताप सिंह तोमर पुत्रगण स्व. श्री भूषण सिंह तोमर	5/69, सै0-2, राजेन्द्र नगर ,गाजियाबाद।	मृत्यु उपरान्त नाम दर्ज है।	सहपट्टेदार

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भवन के नामान्तरण के विरुद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर प्रभारी सम्पत्ति ग़ाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता/सकती है, अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति का नाम से सम्पत्ति का नामान्तरण प्राधिकरण अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चात्वर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नही किया जायेगा।

(सहायक प्रभारी सम्पत्ति)
जोन-7

गौ माता को राजमाता का दर्जा दे सरकार : नवीन जयहिन्द

एजेंसी
रोहतक। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के घर के बाहर खूंटा गाड अभियान के तहत विरोध प्रदर्शन करने को लेकर हुए दर्ज मामले में जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद व कृष्णा राठी को माननीय जिला अदालत ने फैसला सुनाते हुए बरी कर दिया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नवीन जयहिंद ने कहा कि उपरोक्त मामले में उन्होंने नै, दस साल तारीखें भुगती है, बाइज्जत बरी करने पर उन्होंने न्यायपालिका एवं अधिवक्ता का भी आभार व्यक्ति किया। उन्होंने कहा कि आगे भी गौ माता को न्याय दिलाने के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने सरकार से भी गौ माता को राजमाता का दर्जा देने की मांग की और कहा कि सरकार को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि गौ माता सड़कों पर ना घूमे और इसके लिए उचित प्रबंध करना समाज व सरकार की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

सानों को गन्ना भुगतान में हो रही देरी, सरकार जल्द करे पत्र जारीः संजू गुंदियाना

यमुनानगर। भारतीय किसान यूनियन चढूनी का एक शिष्टमंडल जिला अध्यक्ष संजू गुन्दियांना की अध्यक्षता में सरस्वती शुगर मिल प्रबंधन से मिला और किसानों के द्वारा मिल में आ रहे गन्ने का भुगतान जल्द शुरू करने की मांग की। अधिक जानकारी देते हुए भाकियू (चढूनी) के जिला अध्यक्ष संजू गूंदियाना ने बताया कि सरस्वती शुगर मिल शुरू हुए 21 दिन से अधिक हो चुके हैंऔर अभी तक किसानों को गन्ने का भुगतान शुरू नहीं किया गया। जिस कारण किसानों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा हैउन्होंने बताए कि मिल प्रबंधन के अध्यक्ष एस.के. सचदेवा और मिल मालिक नैना पुरी से मुलाकात की और किसानों को भुगतान ना मिलने के कारण आ रही परेशानी के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि किसानों को गन्ना भुगतान की पर्ची भी नहीं मिल रही। इसको लेकर भी चर्चा की गई। मिल प्रबन्धन ने कहा कि मिल गन्ने का भुगतान देने के लिए तैयार है लेकिन सरकार की तरफ से अभी जो पॉलिसी बनती है उसका पत्र जारी नहीं हुआ जिस कारण देरी हो रही है।भारतीय किसान यूनियन के सदस्य कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से मिलेंगे और जल्द ही भुगतान के लिए सरकार द्वारा पॉलिसी का पत्र जारी करने करने का आग्रह करेंगे ।

कंबोडिया के प्रतिनिधियों ने देखी गुरुग्राम प्रशासन की कार्यप्रणाली

गुरुग्राम। जिले की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से रूबरू होने के लिए कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारियों का 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जिले में मौजूद रहा। प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक कार्य प्रणाली पर चर्चा की। भारत सरकार के नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस(एनसीजीजी) की ओर से सार्वजनिक नीति और शासन विषय पर 7 वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत यह आयोजन किया गया। उन्होंने लघु सचिवालय में उपायुक्त अजय कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद किसान सदन स्थित अतिरिक्त जिला उपायुक्त कार्यालय में एडीसी हितेश कुमार मीणा की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने जिले की प्रशासनिक व्यवस्था, ढांचे व कार्यशैली की जानकारी हासिल की। इस दौरान अन्य विभागीय प्रतिनिधियों ने संबंधित विभाग की कार्यशैली व व्यवस्था की जानकारी दी। कंबोडिया के पर्यटन विभाग की उप महानिदेशक ले कनिका ने प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने नमस्कार के साथ प्रशासनिक अधिकारियों का अभिवादन किया। कंबोडिया के अन्य सभी प्रतिनिधी अधिकारियों ने अपने विभाग से संबंधित जानकारी साझा की। इसमें कंबोडिया के पर्यटन, शिक्षा, खेल, मानव संसाधन के प्रतिनिधि मुख्य रूप से शामिल रहे।

अमेरिका की महिला ने कैथल से अनाथ बच्ची को लिया गोद

कैथल। श्री सनातन धर्म सभा द्वारा चलाए जा रहे बाल उपवन आश्रम से अमेरिका की एक महिला ने दो साल की बच्ची को गोद लिया है। गोद लेने की पूरी कार्यवाही महिला एवं बाल विकास विभाग के नियमानुसार पूरी की गई है। इस प्रक्रिया पर करीब छह माह का समय लगा। बच्ची को श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान रविभूषण गर्ग ने उसकी मां को सौपा। इस अवसर पर उनके साथ समाजसेवी अरूण सर्राफ भी रहे। रविभूषण गर्ग ने बताया कि सभा द्वारा महिल एवं बाल विकास विभाग के अधीन बाल उपवन आश्रम स्पेशलाइज्ड एडोप्शन एजेंसी को चलाया जा रहा है। एजेंसी में समाज से ठुकराए गए व अनाथ बच्चों को आश्रय दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यह बच्ची जिला बाल कल्याण समिति द्वारा उन्हें करीब दो वर्ष पूर्व सौपी गई है। बच्ची मैडिकल अनफिट थी। ऐसे में सभा द्वारा बच्ची का आपरेशन भी करवाया गया था। उसने बताया कि विभागीय केरिंग पोर्टल के माध्यम से ऐसे बच्चों को गोद दिया जाता है। यह बच्ची भी पोर्टल के माध्यम से ही अमेरिका की महिला श्रेया (काल्पनिक नाम) को गोद दी गई। रविभूषण गर्ग ने बताया कि एजेंसी के माध्मय से अब तक 70 से अधिक बच्चों को गोद दिया जा चुका है।

पहले अनजान कारणों से रोके गए थे निर्माण कार्य जिन्हें अब शुरू करवाया गया है : अनिल विज

एजेंसी
अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी के प्रमुख गुडगुडिया नाले के ऊपर कबाड़ी बाजार व 12 क्रास रोड पर पुल बनाने के कार्य को शुरू करवाया गया था, मगर अनजान कारणों से यह कार्य रोक दिए गए थे जिन्हें अब दोबारा शुरू करवाया गया है।विज ने कहा कि कबाड़ी बाजार व 12 क्रास रोड पर नाले के ऊपर सड़क को चौड़ा किया जा रहा है तथा नया पुल बनाया जा रहा है। इसी प्रकार गुडगुडिया नाले के ऊपर मल्टी लेवल कार पार्किंग में लिफ्ट लगाने का कार्य भी किया जा रहा है। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने यह बात आज मल्टीलेवल कार पार्किंग में लिफ्ट लगाने के कार्य तथा कबाड़ी बाजार व 12 क्रास रोड पर नाले के ऊपर पुल बनाने के कार्य का

निरीक्षण के उपरांत कही। उन्होंने मौके पर मौजूद अम्बाला छावनी के एसडीएम सितेंद्र सिवाच एवं नगर परिषद अधिकारियों को इन कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराने के दिशा-निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने प्रातः गुडगुडिया नाले पर मल्टीलेवल कार पार्किंग में लगाई जा रही दो लिफ्ट लगाने के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को इन कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर कार्य की प्रगति जानी और दिशा-निर्देश दिए।

गौरतलब है कि लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए की लागत से मल्टीलेवल कार पार्किंग पर दो कार लिफ्ट, दो पैसेंजर लिफ्ट, दो वॉटर कूलर, सुरक्षा के लिए दो बूम बैरियर लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसके उपरांत मंत्री अनिल विज ने कार पार्किंग के प्रथम तल पर निरीक्षण करते हुए नगर परिषद अधिकारियों को कार पार्किंग का टेंडर अलॉट करने के भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार पार्किंग में साफ-सफाई कराने, रात्रि में समय सभी लाइटें जलाने एवं अन्य निर्देश दिए। उन्होंने कहा जिस भी फर्म को कार पार्किंग का टेंडर अलॉट किया जाए उसे बाजारों में सड़कों पर खड़े वाहनों को टोचन की जिम्मेवारी भी दी जाए।

किसानों के शांतिप्रिय आंदोलन का हरियाणा की खापों ने किया पूर्ण समर्थन

एजेंसी
हिसार। हरियाणा की विभिन्न खापों की चुनी हुई कमेटी ने ऐलान किया है हरियाणा में अपनी जायज मांगों को लेकर किसान संगठनों द्वारा किए जा रहे आंदोलन को यदि सरकार ने दबाने का प्रयास किया तो सभी खापों की ओर से किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर आंदोलन को भरपूर समर्थन दिया जाएगा। इस संबंध में जाट धर्मशाला में विभिन्न खापों की चुनी हुई कमेटी ने बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों वार्ता को संबोधित करते हुए महम चौबीसी खाप के प्रमुख प्रतिनिधि रामफल राठी, पूनिया खाप से शमशेर सिंह नंबरदार, दहिया खाप से जयपाल दहिया, सात बास खाप से बलवान मलिक, कंडेला खाप से ओमप्रकाश कंडेला, सतरोल खाप से सतीश चेयरमैन, सतरोल खाप तपा बास के प्रधान वीरेंद्र बामल, नेहरा खाप से कृष्ण नेहरा, फौगाट खाप से सुरेश फौगाट, कुंडू खाप से उमेद सरपंच आदि ने कहा कि पिछले लम्बे समय से एमएसपी सहित अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलनरत हैं। पिछले 13 फरवरी से खनौरी व शंभू बार्डर पर किसानों को रोका हुआ है। असंख्य किसान उसी दिन से मौके पर धरने पर बैठे हैं और 6 दिसम्बर को शंभू बार्डर से अनुशासन में रहकर किसान दिल्ली के लिये कूच करेंगे। खनौरी बार्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डलेवाल पिछले आठ दिनों से मरणासन पर बैठे हैं। किसान नेताओं ने सरकार से शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे किसानों पर अत्याचार बंद करने तथा दिल्ली जा रहे किसानों को किसी भी सूरत में न रोके जाने की मांग की है।

सभी नहरों, नालों और रजबाहों की रिमॉडलिंग योजना तैयार की जाए : श्रुति चौधरी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि नहरी पानी का न्यायोचित बंटवारा व हर टेल तक पानी पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए प्रदेश की सभी नहरों, नालों व रजबाहों की रिमॉडलिंग व रिहैबिलिटेशन की योजना तैयार की जाए। इसके अलावा नहरों में सतह पर गाद व खरपतवार साफ करने का भी अभियान चलाया जाए, जिन मामलों में केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की अनुमति की आवश्यकता होगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रालय को अर्ध सरकारी पत्र लिखने के भी निर्देश दिए।श्रुति चौधरी मंगलवार को अपने कार्यालय में सिंचाईएवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश के नहरी तंत्र की रूपरेखा की समीक्षा करने के लिए बुलाई गई बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से वे फिल्ड में तैनात सभी अधीक्षक अभियंताओं व एसडीओ के साथ नियमित आधार पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के साथ बातचीत करेंगी ताकि धरातल पर समस्याओं की जानकारी व फीडबैक लिया जा सके। उन्होंने कहा कि विभाग की विजिलेंस विंग को और अधिक सक्रिय किया जाए। उन्होंने जाए।बैठक में मंत्री को जानकारी दी गई थी रिमॉडलिंग में पूरी नहर का पुर्ननिर्माण होता है जबकि रिहैबिलिटेशन में बड़ा बदलाव नहीं होता,बल्कि विशेष मरम्मत की जाती

हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के अधिकारियों के साथ भी तालमेल बढ़ाने के निर्देश दिए। जहां पर नहरों की रिमॉडलिंग व रिहैबिलिटेशन का निर्माण कार्य चल रहा है वहां गुणवता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और विभाग के मैन्यूल कोड के अनुसार निर्माण सामग्री की नियमित सैपलिंग ली जाए और उसकी लैब में जाच करवाई है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य की सभी नहरों को इंटरलिंक करने के लिए एक ठोस प्रस्ताव तैयार किया जाए,जिससे पानी की उपलब्धता में बढ़ोतरी तो होगी ही,वहीं भू-जल रिचार्ज में भी सुधार होगा। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पांच साल बाद देश-दुनिया के नक्शे पर अलग दिखाई देगा जिला पलवल : गौरव गौतम

एजेंसी
पलवल। प्रदेश सरकार में खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, कानून विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पांच साल बाद पलवल जिला देश-दुनिया के प्लेटफार्म पर अलग दिखाई देगा। कनेक्टिविटी के लिहाज से आने वाले दिनों में पलवल जिला देश के हर राज्य से जुड़ा मिलेगा, इसके बाद पलवल जिला औद्योगिक व व्यवसायिक मामलों में देश के अग्रणीय जिलों में शुमार होगा।

इससे जहां क्षेत्र का चहुंमुखी विकास संभव हो पाएगा, वहीं युवाओं के रोजगार की अपार संभावनाएं भी तैयार होंगी। प्रदेश के खेल राज्यमंत्री गौतम सोमवार देररात पलवल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने दीप प्रज्ज्वलित करके की। पलवल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों में एससी कंसल अध्यक्ष, उपाध्यक्ष राजीव मेहरा, सुनील मंगला, महासचिव रविंद्र यादव व एम मदान ने राज्यमंत्री गौरव गौतम व पलवल जिला उपायुक्त डा. हरीश वशिष्ठ को बुक्का देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान पीआईए अध्यक्ष एससी कंसल व उपाध्यक्ष सुनील मंगला ने उद्योगों के समक्ष आ रही साथ लेकर मुख्यमंत्री से मिलकर सभी कार्यों को पूरा कराएंगे। साथ ही उन्होंने हर महीने ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के दो सदस्यों को प्रतिनिधि के रूप में शामिल होने के लिए

समस्याओं को खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम के समक्ष रखकर उनका निदान किए जाने की मांग की। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बिजली, पानी, सीवरेज समेत अन्य कई प्रकार की समस्याओं की मांग रखी।एसोसिएशन की समस्या सुनने के बाद खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने भरोसा दिलाया कि वे समय-समय पर मीटिंग कर उनकी शिकायतों का निदान कराते रहेंगे। इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पांच सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल को कहा है, ताकि इंडस्ट्रीज संबंधित शिकायतों का समाधान किया जाता रहे। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने उद्योगों में बिजली समस्या की शिकायत को लेकर कहा कि हरियाणा में बिजली की कोई कमी नहीं है। इस समस्या को लेकर विभाग के अधिकारियों से बात कर तुरंत समाधान कराया जाएगा। हर दो महीने में उद्योगों के साथ एक मीटिंग की जाएगी, ताकि समय-समय पर कार्यों की समीक्षा की जाती रहे।

ब्लैक फिल्म लगाने पर पुलिस ने वसूला दस दस करोड़ का जुर्माना

एजेंसी
गुरुग्राम। गाडियों पर ब्लैक फिल्म लगाकर चलने वालों पर गुरुग्राम की यातायात पुलिस सख्त रही। पुलिस ने एक महीने में 9592 ऐसे वाहन चालकों के करीब 10 करोड़ रुपये के चालान किए, जो कि अपनी गाडियों पर ब्लैक फिल्म लगाकर चल रहे थे। पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज के नेतृत्व में एक जनवरी से 30 नवंबर 2024 तक ब्लैक फिल्म लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए गए। इस स्पेशल कैंपेन के तहत शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाने वालों के विरुद्ध यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई है। इस विशेष अभियान के तहत गाड़ी के शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाने वालों के कुल 9592 चालान

किए गए है, जिनकी कुल जुर्माना राशि 9 करोड़ 59 लाख 20 हजार रुपये है। विरेंद्र विज ने कहा कि गुरुग्राम पुलिस का मकसद गुरुग्राम की सडक़ों को सुरक्षित बनाना तथा अपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखना है। कई बार अपराधिक प्रवृत्ति के लोग गाडिय़ों का शीशा ब्लैक रखते हैं जिससे कि पता ना चले कि अंदर कोई अपराधी बैठा है। गाड़ी के शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाना यातायात नियमों का उल्लंघन है। फिर भी लोग फिर भी नियमों की उल्लंघना करते हैं। इन सबको मध्यनजर रखते हुए यह अभियान चलाया गया, जिसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघना करने वालों के खिलाफ चालान व नियमानुसार कार्यवाही की गई। गुरुग्राम पुलिस ने अपील की है कि सभी यातायात नियमों का पालन करें और अपना सफर सुरक्षित बनाएं। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा इस प्रकार के स्पेशल चालान अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सवः विभिन्न राज्यों की शिल्प और लोक कला का संगम

एजेंसी
चंडीगढ़। कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव से ही इस क्षेत्र को शिल्प और लोक कला केंद्र के रूप में एक अनोखी पहचान मिल रही है। पूरा आयोजन स्थल विभिन्न राज्यों की शिल्प और लोक कला का संगम दिख रहा है। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि गीता महोत्सव में शिल्पकारों की कला आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बने हैं। यहां आने वाले दर्शकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। पर्यटकों को ब्रह्मसरोवर के घाटों पर उतराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, मिजोरम, मेघालय, असम, त्रिपुरा, लदाख, वेस्ट बंगाल आदि राज्यों के लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां लोगों का मन मोह रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ब्रहमसरोवर के पावन तट पर सजे विभिन्न प्रदेशों के तरह-तरह के लजीज व्यंजन जैसे

राजस्थान की कचौरी, पंजाब की लस्सी, बिहार का लिटी चोखा, कश्मीर का कहवा पर्यटकों खूब को लुभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गीता की स्थली कुरुक्षेत्र की गोद में देश की लगभग सभी राज्यों की लोक कला और संस्कृति का संगम दिख रहा है।

समाधान शिविरों में अबतक आई 7707 शिकायतें, 6125 का हुआ समाधान

एजेंसी
जींद। बीती 18 जून से लगाए जा रहे समाधान शिविरों में विभिन्न विभागों से सम्बंधित गत दिवस तक कुल 7707 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनमें से 6125 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है तथा 790 शिकायतें लंबित हैं और 792 शिकायतों को निरस्त किया गया है। शेष बची शिकायतों की जानकारी के लिए बुधवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाएगा।

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि लंबित रही शिकायतों के मामलों की विस्तृत जानकारी कल होने वाली समीक्षा बैठक में उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। समाधान शिविर में कुल 16 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनके समाधान के लिए सम्बधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एडीसी विवेक आर्य, नगराधीश डा. आशीष देशवाल तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सबसे ज्यादा 170 शिकायतें राजस्व विभाग से जुड़ी हैं। इसी प्रकार पंचायती राज की 143, पुलिस विभाग की 105, विकास एवं अलावा अन्य विभागों की भी शिकायतें लंबित हैं। डीसी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि इन सभी लंबित शिकायतों

पंचायत विभाग की 86, श्रम विभाग की 69, क्रीड की 58, जनस्वास्थ्य विभाग के इंजीनियरिंग विभाग की 32, शहरी स्थानीय निकाय विभाग की 17, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण विभाग की 15, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की 13 तथा सिचांई विभाग की 11 शिकायतों के पर कल होने वाली समीक्षा बैठक में विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके लिए संबंधित विभाग पूरी तैयारी के साथ आएं। उल्लेखनीय है कि समाधान प्रकोष्ठ शिविरों में आने वाली सभी शिकायतों का ऑनलाईन रिकार्ड रहता है। जिसकी समय-समय पर सम्बंधित अधिकारियों से समीक्षा की जाती है।

सेवानिवृत कर्मचारियों ने मांगों की अनदेखी के विरोध में किया आंदोलन का ऐलान

एजेंसी
रोहतक। रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने सरकार पर मांगों की अनदेखी के विरोध में आंदोलन का निर्णय लिया है। साथ ही सरकार पर भेदभाव का खिलाफ काफी रोष है। उन्होंने चेताया कि अगर सरकार ने 24 दिसंबर तक पैंशनर्ज की सभी मांगों को पूरा नहीं किया तो पैंशनर्ज सरकार के खिलाफ आंदोलन करने पर मजबूर होगे। साथ

आरोप लगाते हुए 35 हजार से अधि पेंशन पाने वाले पैंशनर्ज पर कमेटी के गठन को भी निंदनीय करार दिया। रिटायर्ड कर्मचारी संघ की नवनिर्वाचित जिला कमेटी के बैठक प्रधान जगपाल सांगवान की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालो से सरकार सेवानिवृत कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी कर रही है। सेवानिवृत कर्मचारियों की सभी मांगे जायज है, लेकिन आज तक सरकार ने कोई मांग पूरी नहीं की है, जिसके चलते पैशनर्ज में सरकार के ही उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में समीक्षा के नाम पर रिटायर्ड, पैंशनरज जिनकी मूल पैंशन 35 हजार रूपये के ऊपर ही के संदर्भ में कमेटी का गठन कर दिया, जोकि रिव्यू के नाम पर कटौती के रास्ते तलाशने की कोशिश में जुटी है, जिसे किसी कीमत पर बर्दाशत नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर ओमप्रकाश कादियान, अतर सिंह, सुनहरा सिंह, रणबीर दहिया, बुधराम, रमेश गिल, जोगिन्द्र गिल, सुखबीर प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ऑडिट फीस जमा नहीं कराने वाले बिल्डरों पर भड़के डीसी

एजेंसी
फरीदाबाद। जिला की विभिन्न सोसायटीज में रह रहे नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत डीसी अजय कुमार ने विभिन्न बिल्डर प्रबंधन के साथ बैठक की। उन्हें स्ट्रक्चरल ऑडिट प्रक्रिया को गति देने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित इस बैठक में एडीसी हितेश कुमार मीणा, डीटीपी आर एस भाट व डीटीपी (ई) मनीष यादव भी मौजूद रहे। डीसी अजय कुमार ने बिल्डर कंपनियों द्वारा आवासीय टॉवर का स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाने में सहयोग नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऐसा संज्ञान में आया है कि कुछ बिल्डर्स इस समूची प्रक्रिया में रूचि नहीं ले रहे। वे ऑडिट प्रक्रिया के लिए अपने हिस्से की फीस जमा नहीं करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील विषय में बिल्डर्स प्रबंधन द्वारा इस प्रकार का गैर जिम्मेदार रवैया किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। डीसी ने बिल्डर्स को निर्देश देते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द अपने हिस्से की फीस जमा करवाना सुनिश्चित करें, ताकि स्ट्रक्चल ऑडिट की प्रक्रिया को गति स्ट्रक्चरल ऑडिट के लिए चार एजेंसी को ईंपैनल्ड किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित बिल्डर इन चार ईंपैनल्ड एजेंसी के अलावा अन्य एजेंसी से ऑडिट

दी जा सके। वहां खामियां मिलने पर जल्द से जल्द रिपेयर का काम शुरू करवाया जा सके। इस दौरान उन्होंने ऐसी आरडब्ल्यूए जिनके स्तर पर अभी तक ऑडिट फीस जमा नही कराई गई है। उनकी एक अलग बैठक बुलाने के भी निर्देश दिए। बैठक में एडीसी हितेश कुमार मीणा ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से कराने के लिए पूर्णतः स्वतंत्र है लेकिन उन्हें इसके लिए संबंधित आरडब्ल्यूए से लिखित में सहमति लेनी होगी। बैठक में डीटीपी मनीष यादव ने बताया कि स्ट्रक्चरल ऑडिट की प्रक्रिया के पहले चरण में 15 सोसाइटी को शामिल किया गया था। बिल्डर द्वारा पूरी फीस जमा की जा चुकी है।

दिव्यांग दिवस एव स्व. सुशीला देवी की स्मृति में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी
रोहतक। एलपीएस बोसार्ड एवं हरिओम सेवा दल के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस एवं स्व. सुशीला देवी की 5वीं स्मृति में शहर में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य समारोह सेक्टर स्थित पंचमुखी श्री हनुमान मंदिर बाबू मिठन लाल गिरिश गुप्ता सहारा आश्रम में हुआ। सर्वप्रथम महामंडलेश्वर बाबा कपिलपुरी महाराज, महंत कालीदास, महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, संस्थान के प्रधान अनिल शर्मा, सुभाष तायल व नरेशानंद ने द्वीप प्रज्जवलित कर स्व. सुशीला जैन के चित्र के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही स्व. सुशीला जैन के जीवन पर प्रकाश भी डाला। इस अवसर पर एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और अच्छे कर्म ही व्यक्ति की अलग पहचान भी बनाते है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी नेक कमाई से हमेशा जरूरमंद लोगों की मदद जरूर करनी चाहिए, क्योकि निस्वार्थ भाव से की गई दूसरों की मदद करने से हमेशा मन को बहुत सकुन मिलता है। राजेश जैन ने कहा कि माता-पिता से बडक़र दुनिया में कोई नहीं होता है, क्योकि वे निस्वार्थ भाव से अपने बच्चों की परवरिश करते है, लेकिन आधुनिकता के बदलते युग में बच्चे अपने माता पिता एवं बुजुर्गो को भूल जाते है, जोकि सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि मा-बाप व बुजुर्गो की सेवा व सम्मान करने से ही जीवन में तरक्की ही तरक्की संभव है। पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन द्वारा किए जा रहे सामाजिक व धार्मिक कार्यो की जमकर सराहना की। समारोह में जरूरतमंद लोगों को सिलाई मशीने, साईकिले, इलैक्ट्रिोनिक ट्राई साईकिल व दिव्यांगों को कृत्रिम उपकरण वितरित किए गए। वहीं सती भाई साईदास सेवा दल द्वारा महावीर लाइब्रेरी व पीजीआईएमएस में भंडारे का भी आयोजन किया। साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया, जिसमें वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उचित परामर्श देकर निशुल्क दवाईयां भी वितरित की। इस अवसर पर योगेश अरोडा, संजय खुराना, राजीव जैन, सन्नी निझावन, शीतल, विजय खुराना, अश्वनी पाहवा, एनके भुटानी, डॉ. दिनेश, देवेन्द्र शर्मा, सुभाष वधवा, हरीश दुआ, डॉ. अमूल, डॉ. आशीष, डॉ. मोनिका प्रीत कौर, डॉ. अर्चना का विशेष सहयोग रहा।

टाटा पावर-डीडीएल और टीएचडीसीआईएल ने किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) और सार्वजनिक क्षेत्र की टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) ने ऊर्जा क्षेत्र में हुनरमंद कार्यबल और पेशेवर तैयार करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। टाटा पावर-डीडीएल ने बयान में कहा कि हाल में किये गये समझौते का मकसद घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में दक्ष कार्यबल की मांग को पूरा करना है। बयान के अनुसार समझौता ज्ञापन पर टाटा पावर-डीडीएल के मानव संसाधन और औद्योगिक संबंध मामलों के प्रमुख प्रवीण अग्रवाल और टीएचडीसी इंडिया लि. के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. ए.एन. त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। अग्रवाल ने इस बारे में बयान में कहा, '' टीएचडीसीआईएल के साथ यह साझेदारी वास्तव में ऊर्जा क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सहयोग है। दुनिया भर में ऊर्जा क्षेत्र के बदलते परिदृश्य को देखते हुए, हमारा लक्ष्य भारत और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों दोनों के लिए एक प्रशिक्षित तथा योग्य कार्यबल तैयार करना है। '' उन्होंने कहा, '' यह पहल कौशल विकास को बढ़ाने, लोगों को उद्योग की मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को भी बताती है।''

निर्यात बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता में 10 साल में उल्लेखनीय सुधार हुआ हैः वाणिज्य मंत्रालय

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक विश्लेषण में कहा गया है कि रत्नों एवं अर्ध मूल्यवान पत्थरों , पेट्रोलियम तेल तथा कृषि रसायन जैसे विश्व बाजार के कुछ उत्पाद खंडों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में पिछले 10 वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है।मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार देश कई उत्पाद खंडों में प्रमुख निर्यातक देश बन कर उभरा है।कई अन्य खंडों में विश्व निर्यात बाजार में देश की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

तीन दिनों की कमजोरी के बाद महंगा हुआ सोना, चांदी के दाम में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से 4300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जीएसटी परिषद ने जीएसटी दर में अभी कोई बदलाव नहीं है किया: सीबीआईसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने अभी तक किसी भी वस्तु एवं सेवाओं की जीएसटी दरों में किसी भी बदलाव पर विचार-विमर्श नहीं किया है। परिषद को मंत्रियों के समूह (जीओएम) की सिफारिशें भी नहीं मिली हैं। वास्तव में जीओएम ने अभी तक इसे पेश नहीं किया है।सीबीआईसी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया है कि विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के संबंध में जीएसटी दर में बदलाव पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) की सिफारिशों के बारे में मीडिया रिपोर्टें समय से पहले और अटकलें हैं। बोर्ड ने कहा कि विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के संबंध में जीएसटी की दर में बदलाव पर जीओएम की सिफारिशों के बारे में मीडिया में कई रिपोर्ट आई हैं। जीओएम के विचार-विमर्श के आधार पर मीडिया में आई सार्वजनिक रिपोर्ट समय से पहले और अटकलें हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि जीएसटी परिषद द्वारा संदर्भित कुछ अन्य मुद्दों के अलावा जीएसटी दर युक्तिकरण पर विचार करने के लिए जीओएम का गठन किया गया था।

कार्स 24 चार महीनों में करेगा 100 से अधिक टेक विशेषज्ञों की भर्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोटेक प्लेटफॉर्म कार्स 24 कार की खरीद के अनुभव को बदलने की दिशा में जारी अपने प्रयासों को गति देने के उद्देश्य से अगले चार महीनों में 100 से अधिक टेक विशेषज्ञों को अपने साथ जोड़ने की योजना बनाई है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसके साथ कंपनी कार की खरीद से जुड़े हर पहलु को अधिक स्मार्ट, आसान और सुलभ बनाना चाहती है। 'बैटर ड्राइव्स, बैटर लाईव्स' के दृष्टिकोण के साथ कंपनी ने यह विस्तार किया है, क्योंकि कंपनी का मानना है कि कार, सिर्फ आवागमन का साधन नहीं, बल्कि सपनों, प्रगति और बेहतर जीवनशैली का प्रतीक भी है। इसी के मद्देनज़र आर एण्ड डी, डेटा साइंस, जैन एआई, मशीन लर्निंग, रिएक्ट नेटिव,

देवऑप्स, इंजीनियरिंग एवं प्रोडक्ट इनोवेशन जैसे नए रोल्स में टेक विशेषज्ञों को नियुक्त किया जाएगा। इन प्रयासों के साथ कंपनी टेक्नोलॉजी के ज़रिए कार की खरीद से जुड़े हर पहलु को पूरी तरह से बदल देगी। ठस विस्तार से रीसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट, डेटा साइसं, इंजीनियरिंग एवं प्रोडक्ट इनोवेशन में नए रोल्स उत्पन्न होंगे इनमें शामिल हैं- फाउंडर्स ऑफिस के लिए 10एक्स डेवलपर्स (बैकेंड, फ्रंटएंड और मोबाइल), देवऑप्स इंजीनियर्स, एमएल इंजीनियर्स, एसडीईटी मोबाइल एवं आईओएस डेवलपर्स। ये सभी टीमें आधुनिक फीचर्स के विकास पर काम करेंगे जैसे रियल टाईम में कार का इवैल्यूएशन, मेंटेनेन्स पर निगरानी, इंश्योरेन्स रीन्युअल, ड्राइवरों की भर्ती और कार सर्विसिंग- इस तरह सुपर ऐप के ज़रिए सब कुद बेहद आसान और सुलभ हो जाएगा। टीम कार की खरीद के अनुभव को आसान बनाने के लिए यूनिफाईड सिस्टम के विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करेगी।

इसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए कंपनी टेक्नोलॉजी एवं प्रोडक्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 500 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगी। इसका उद्देश्य आधुनिक परिवहन समाधानों, इनोवेशन्स के ज़रिए आज के दौर के उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करना और उन्हें कार की खरीद का बेहतरीन अनुभव प्रदान करना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 1.20 प्रतिशत उबलकर 68.92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 72.64 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

21,772 करोड़ रुपये के रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी, अटैक क्राफ्ट और हेलीकॉप्टर्स की होगी खरीद

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने 21,772 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। मंजूर की गई धनराशि से आधुनिक वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट व हेलीकॉप्टर समेत सशस्त्र बलों के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद की जाएगी। इसके साथ ही टी-72 और टी-90 टैंकों, बीएमपी और सुखोई लड़ाकू विमानों के इंजनों के ओवरहाल के लिए भी मंजूरी दी गई है। इससे इनकी सेवा अवधि में वृद्धि होगी। दी गई इस स्वीकृति के अंतर्गत कुल पांच रक्षा सौदों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल नेवी के लिए 31 नई वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की खरीद को मंजूरी मिली है। 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट (एफआईसी-1) की खरीद के लिए भी स्वीकृति प्रदान की गई है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट (ईडब्ल्यूएस) की खरीद के लिए एओएन प्रदान की गई है। 6 उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) एम (एमआर) की खरीद के लिए भी मंजूरी प्रदान की गई है। डीएसी ने भारतीय नौसेना के लिए 31 नए

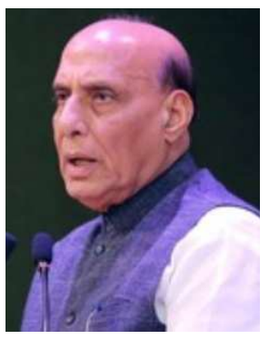

वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट (एनडब्ल्यूजेएफएसी) की खरीद की आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की है। इन वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट को तट के करीब कम तीव्रता वाले समुद्री संचालन, निगरानी,गश्ती और खोज व बचाव (एसएआर) कार्यों करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इसके अलावा ये जहाज विशेष रूप से हमारे द्वीप क्षेत्रों में और उसके आसपास समुद्री डकैती रोधी अभियानों में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। डीएसी ने जिन 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट (एफआईसी-1) की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया वे जहाज तटीय रक्षा के लिए विमान वाहक, विध्वंसक और फ्रिगेट्स युद्धपोतों व पनडुब्बियों को एस्कॉर्ट करेंगे। इसके साथ ही ये कई अन्य भूमिकाएं निभाने में सक्षम हैं। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट (ईडब्ल्यूएस) में बाहरी एयरबोर्न सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर पॉड्स, अगली पीढ़ी के रडार चेतावनी रिसीवर और सुखोई -30 एमकेआई विमान के लिए संबंधित उपकरण शामिल हैं। यह प्रणाली सुखोई एसयू-30 एमकेआई की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएगी।वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा संरक्षित, दुश्मन के लक्ष्यों के खिलाफ एक मिशन को अंजाम देते समय यह विमान को दुश्मन के रडार और संबंधित हथियार प्रणाली से बचाएगी।

बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 लोकसभा से हुआ पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने, निवेशकों, ग्राहकों और उपभोक्ता की सुविधा तथा सुरक्षा को बढ़ाने संबंधी बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा ने मंगवार को पारित कर दिया। वहीं इस विधेयक के खिलाफ विपक्ष के संशोधन प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन को बताया कि आज बैंकों को पेशेवर तरीके से चलाया जा रहा है। मेट्रिक्स स्वस्थ हैं, इसलिए वे बाजार में जा सकते हैं और बॉन्ड जुटा सकते हैं, ऋण जुटा सकते हैं तथा उसी के अनुसार अपना व्यवसाय चला सकते हैं। उन्होंने बताया कि कहा कि सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक लाभ में आ रहे हैं। वित्त मंत्री ने विधयेक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल बैंक शाखाओं की संख्या एक वर्ष में 3792 बढ़कर सितंबर 2024 में 1,65,501 तक पहुंच गई है। इसमें से 85,116 शाखाएं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हैं। सीतारमण ने सदन को बताया कि पीएम मुद्रा लोन योजना का 68 फीसदी लाभ

महिलाओं को मिला है। उन्होंने कहा कि 2014 से हम बेहद सतर्क रहे हैं, ताकि बैंक स्थिर रहें। उन्होंने सदन को बताया कि हमारा उद्देश्य हमारे बैंकों को सुरक्षित, स्थिर और स्वस्थ रखना है, 10 साल बाद आप इसका परिणाम देख रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत को अपने बैंकिंग क्षेत्र पर गर्व होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पेशेवर रूप से संचालित हो रहे हैं और सरकारी वित्तपोषण पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक आज स्थिर, अच्छी हालत में हैं और अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 65 करोड़ बेसिक बैंक सेविंग्स अकाउंट होल्डर या 54 करोड़ जन-धन अकाउंट होल्डर में से किसी से भी मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर जुर्माना नहीं लिया गया है। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया। उन्होंने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसमें बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम 4 नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है।

गोमैकेनिक ने टॉप असिस्ट लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कार सेवा और मरम्मत प्लेटफ़ॉर्म गोमैकेनिक ने 'टॉप असिस्ट' की शुरुआत की है, जो चौबीस घंटे सातों दिन राष्ट्रव्यापी सड़क किनारे सहायता सेवा है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि किफ़ायती मूल्य निर्धारण, निर्बाध कवरेज और तेज़ प्रतिक्रिया समय के साथ, टॉप असिस्ट का लक्ष्य देश भर के ड्राइवरों के लिए आपातकालीन सहायता में कमी को पूरा करना है। ड्राइवरों को अक्सर लंबे समय तक प्रतीक्षा करने का सामना करना पड़ता है, खासकर राजमार्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में, जिससे वे फंसे और चिंतित रहते हैं। गोमैकेनिक के सह-संस्थापक हिमांशु ने कहा, सड़कें बदल गई हैं, लेकिन ड्राइवरों को जिस सहायता पर भरोसा है, वह नहीं बदली है। ब्रेकडाउन सिर्फ़ असुविधा के बारे में नहीं है - वे ड्राइवरों को फंसे और अनिश्चित छोड़ देते हैं। टॉप असिस्ट सुनिश्चित करता है कि मदद अब कोई सवालिया निशान नहीं है। यह हर समय आपके लिए उपलब्ध है।

भारत दुनिया के शीर्ष 10 उच्च मूल्य वाले उत्पादों के निर्यातकों में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा में भारत ने कई प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के निर्यात में तीव्र वृद्धि दर्ज की है। देश ने वर्ष 2023 में 1 अरब डॉलर से ज्यादा के निर्यात मूल्य के साथ शीर्ष दस वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं में अपनी रैंक को बनाए रखने के साथ-साथ इसमें सुधार किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक कीमती पत्थरों के वैश्विक बाजार पर अपना दबदबा बनाने से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट जैसे उन्नत क्षेत्रों में पैठ बनाने तक भारत का निर्यात प्रदर्शन देश की बढ़ती आर्थिक ताकत को दर्शाता है। मंत्रालय ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर देश के रणनीतिक फोकस ने प्रभावशाली परिणाम दिए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 2014 में निर्यात 0.23 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में

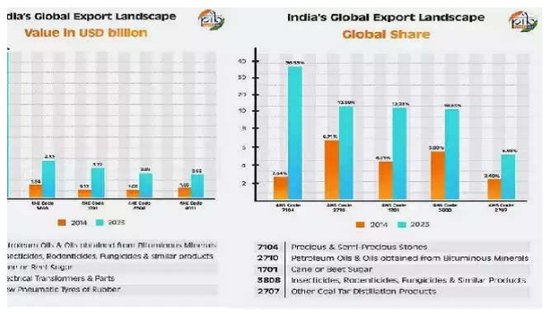

1.91 अरब डॉलर हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में 1.40 फीसदी की हिस्सेदारी हासिल हुई, जिससे 9वां स्थान हासिल हुआ, जो 2014 में 20वें स्थान से महत्वपूर्ण उछाल है। यह प्रगति वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है, जिससे घरेलू विनिर्माण और नवाचार को बढ़ाने के प्रयासों से समर्थन मिलता है। मंत्रालय के मुताबिक कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों के निर्यात में भारत ने खुद को विश्व नेता के रूप में स्थापित किया है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी वर्ष 2014 में 2.64 अरब से बढ़कर वर्ष 2023 में 36.53 फीसदी हो गई। इसके साथ ही 1.52 अरब डॉलर के मूल्य के निर्यात ने भारत की सदियों पुरानी शिल्पकला और रत्न प्रसंस्करण में आधुनिक तकनीक को अपनाने को उजागर किया है।

आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक मोटर और जनरेटर के पुर्जों के निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज गई है, जो 2023 में 1.15 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी 4.86 फीसदी है, जिससे भारत 2014 में 21वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गया है। ये वृद्धि अक्षय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन घटकों की बढ़ती वैश्विक मांग के अनुरूप है, जो भारत को इस परिवर्तनकारी उद्योग में एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। मंत्रालय के मुताबिक पेट्रोलियम क्षेत्र (पेट्रोलियम तेल और बिटुमिनस खनिजों से प्राप्त तेल) में नाटकीय वृद्धि देखी गई है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की बड़ी छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार की चाल में गिरावट भी आई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही तेजड़ियों ने बाजार में अपना जोर बना दिया। तेजड़ियों की ओर से लगातार हो रही लिवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.74 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, मीडिया, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटोमोबाइल और आईटी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के

शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 453.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.69 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,738 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,227 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,509 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,850 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 659 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और 9 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.3 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमान को 6.7 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने अनुमान को फिर से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है, जो इसके पहले के 6.7 फीसदी के अनुमान से कम है। बहुराष्?ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर पहुंचने के कुछ दिनों बाद यह कदम उठाया है। इससे पहले मॉर्गन स्टेनली ने नवंबर की शुरुआत और दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों से पहले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर का लक्ष्य घटाकर 6.7 फीसदी कर दिया था। बहुराष्?ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी ने

कहा कि सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में भारत के विकास दर में मंदी के बाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को डाउनग्रेड किया गया है। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर घटकर 5.4 फीसदी पर आ गई है, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही थी। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने की काइलैक रेंज में आकर्षक कीमतों की घोषणा

मंडी। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी नई सब 4 मीटर एसयूवी काइलैक को लॉन्च कर इस सेगमेंट में पहली बार कदम रखा है। काइलैक चार वेरिएंट में उपलब्ध होगी क्लासिक,सिग्नेचर, सिग्नेचर प्लस और प्रेस्टीज। इसकी शुरुआती कीमत 7.89 लाख रुपये है जो काइलैक क्लासिक ट्रिम के लिए है जबकि टॉप मॉडल काइलैक प्रेस्टीज एटी की कीमत 14.40 लाख रुपये होगी। ग्राहकों के लिए एक खास ऑफर में पहले 33333 ग्राहकों को 3 साल का स्टैंडर्ड मेंटेनेंस पैकेज मुफ्त मिलेगा।काइलैक के लिए बुकिंग मंगलवार शाम 4 बजे से शुरू हो रही है और डिलीवरी 27 जनवरी 2025 से शुरू होगी।काइलैक को लॉन्च से पहले ही जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। काइलैक हैंड रेज़र,काइलैक क्लब के सदस्य और डीलर पूछताछ के माध्यम से 1.6 लाख से अधिक लोगों ने अपनी रुचि दिखाई है।

शेयर बाजार में लिस्टिंग के जरिए 2 कंपनियों की एंट्री, पहले दिन ही डबल हुए आईपीओ निवेशकों के पैसे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए जोरदार दस्तक दी। इन दोनों कंपनियां के शेयरों की लिस्टिंग से आईपीओ निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा हुआ और उनके पैसे पहले दिन ही लगभग डबल हो गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर आज बायो फ्यूल्स और इसके बाय-प्रोडक्ट्स तैयार करने वाली कंपनी राजपूताना बायोडीजल्स लिमिटेड और डिफेंस इंडस्ट्री को सर्विस देने वाली कंपनी सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के शेयरों की धांसू लिस्टिंग हुई। सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के शेयरों की लिस्टिंग पिछले कुछ समय से शेयरों का अलॉटमेंट नहीं होने की वजह से पेंडिंग पड़ी हुई थी। सोमवार यानी 2 दिसंबर को शेयरों के अलॉटमेंट होने के बाद आज इनकी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 226 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे लेकिन आज इनकी लिस्टिंग एसएमई प्लेटफॉर्म के लिए अधिकतम निर्धारित सीमा 90 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 429.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर थोड़ी ही देर में उछल कर 450.85 के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया और इस स्तर पर ही बंद हुआ। इस तरह से पहले दिन ही इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों के पैसे लगभग दोगुना हो गए।

सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड का 99.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 125.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 31.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 233.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 132.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 43,83,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 29 नवंबर को ही होने वाला था लेकिन एक निवेशक की ओर से गड़बड़ी की शिकायत करने की वजह से शेयरों का अलॉटमेंट टल गया था। निवेशक की शिकायत का निपटारा होने के बाद 2 दिसंबर को शेयरों का अलॉटमेंट हुआ और आज शेयर की लिस्टिंग हुई। आज ही बायोफ्यूल्स और इसके बाय-प्रोडक्ट्स तैयार करने वाली कंपनी राजपूताना बायोडीजल्स लिमिटेड का 24.70 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 28 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 718.81 गुना के साथ 247 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर थोड़ी ही देर में उछल कर 259.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया और इसी लेवल पर बंद हुआ। इस तरह इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों के पैसे भी पहले दिन ही लगभग डबल हो गए। राजपूताना बायोडीजल्स लिमिटेड का 24.70 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 28 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 718.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 177.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,345.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 746.57 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

क्या कभी आपने हॉट चॉकलेट पिया है सेहत के लिए अमृत समान है यह, शरीर के कतरे-कतरे में बढ़ाता है रक्त संचार

हॉट चॉकलेट लिक्विड फॉर्म में रहता है जिसे कॉफी की तरह पिया जाता है. अध्ययन के मुताबिक हॉट चॉकलेट अमृत समान है. इसके कई फायदे है.

आधुनिक लाइफस्टाइल ने हमारी हेल्थ को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है. कई अध्ययनों में यह पाया जा चुका है कि आज शहरों में रहने वाले अधिकांश लोगों के हार्ट, लंग्स और किडनी की उम्र वास्तविक उम्र से ज्यादा होती है. हमारा खान-पान बहुत खराब हो गया है. हम अधिकांश समय बना-बनाया पैकेटबंद खाना खाते हैं. फास्ट फूड, जंक फूड से और भी परेशानी बढ़ गई है. हालांकि इसमें भी घबराने की जरूरत नहीं है. हमारे पास कुछ ऐसी भी चीजें हैं जिनका सेवन कर आप अपने हार्ट और लंग्स को मजबूत बना सकते हैं. हाल ही में एक अध्ययन में दावा किया गया है कि यदि आप हॉट चॉकलेट का सेवन करते हैं तो इससे जंक फूड खाने के बावजूद आपका हार्ट मजबूत बना रहेगा.हॉट चॉकलेट पेय पदार्थ है जिसका सेवन कॉफी की तरह किया जाता है. इसमें कोकोआ की मात्रा अधिक होती है और इसमें चीनी मिलाई जाती है. डार्क चॉकलेट वैसे भी अमृत समान है. अध्ययन में पाया गया है कि हॉट चॉकलेट ब्लड वैसल्स में खून के प्रवाह को तेज कर देता है जिससे कई फायदे होते हैं. रात में सोने से पहले हॉट चॉकलेट पीने से मर्दों की स्टेमिना बूस्ट होती है. इससे महिलाओं को भी फायदा होता है.

हार्ट संबंधी परेशानियों को कम करता

यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम के शोधकर्ताओं ने हाल में इस पर एक अध्ययन किया है. अध्ययन में कहा गया है कि चॉकलेट में जो कंपाउड पाया जाता है वह विशेषतौर से हार्ट के लिए बहुत फायदेमंद होता है. खासकर यदि आप डार्क चॉकलेट का सेवन करते हैं तो इसका फायदा ज्यादा है. चॉकलेट में फ्लेवेनोल्स कंपाउड होता है. यही कंपाउड ग्रीन टी, बैरीज, सेब आदि में पाया जाता है. चॉकलेट कोकोआ से बनती है. कोकोआ में फ्लेवेनोल्स की मात्रा ज्यादा होती है. अध्ययन में पाया गया कि कोकोआ पाउडर से प्राप्त 695 मिलीग्राम फ्लेवेनोल्स का अगर सेवन किया जाए तो इससे ब्लड वैसल्स में जो दिक्कत होती है, वह दूर हो सकता है. शोध के लेखक डॉ. केटारीना रेंडिएरो ने बताया कि हम यह जानना चाहते थे कि खास मौकों पर जिस स्वीट्स का हम ट्रीट देते है क्या उससे स्ट्रेस के कारण हुए हार्ट का डैमेज ठीक हो सकता है.उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि जब लोग तनाव में ज्यादा होते हैं तो उन्हें ज्यादा चर्बी वाली चीजें खाने की चाहत होती है. हम पहले के अध्ययन में यह पा चुके हैं कि फैटी फूड ब्लड वैसल्स को उभरने की क्षमता को प्रभावित करता है. ऐसे में फ्लेवोनोल्स इस डैमेज हुए ब्लड वैसल्स को ठीक कर सकता है और फैटी फूड के कारण हार्ट को जो नुकसान हुआ है उसे ठीक किया जा सकता है.

हार्ट को बचाने के लिए जरूरी

प्रोफेसर जेट वेल्डहुइजेन ने कहा कि आधुनिक जीवन बहुत तनावपूर्ण हो गया है. इसका नकारात्मक प्रभाव हमारी हेल्थ पर पड़ रहा है. ऐसे में इस तनाव के कारण डैमेज हुए अंगों को बचाने के लिए हमें नए-नए उपाय सोचने होंगे. जो लोग बहुत व्यस्त रहते हैं और काम के कारण उन्हें अक्सर तनाव रहता है, उनके लिए आहार में ये छोटे बदलाव बेहद सही साबित होंगे. इस अध्ययन में 23 लोगों को शामिल किया गया था. इनमें से आधे लोगों को रोजाना फ्लैवोनोल्स का कम मात्रा वाला कोको ड्रिंक दिया गया, जिसमें लगभग 5.6द्वद् फ्लैवोनोल्स थे जबकि बाकी आधे को उच्च फ्लैवोनोल्स वाला कोको ड्रिंक दिया गया, जिसमें 695द्वद् फ्लैवोनोल्स थे. इसके बाद इन लोगों को मानसिक गणित परीक्षण में शामिल किया गया. इसके बाद पाया गया कि जिन लोगों को कम फ्लेवेनोल्स दिए गए थे उनमें बीपी और हार्ट रेट दोनों बढ़ गए जबकि ज्यादा फ्लेवेनोल्स वालों का बीपी, हार्ट रेट सामान्य रहा. शोधकर्ताओं ने कहा कि निश्चित रूप से हॉट चॉकलेट तनाव के कारण हार्ट को हुए नुकसान को रोकने में कारगर है.

संसद को ठप्प कौन कर रहा है

हम संसद के ठप्प होने और किए जाने के मसले पर लौटें। आखिर, संसद को ठप्प कर कौन रहा है? इस सवाल के निश्चित उत्तर के लिए हम कानून के एक लोकप्रिय सिद्धांत या धारणा का सहारा ले सकते हैं। यह सिद्धांत यह कहता है कि अपराधी का पता लगाने का आसान तरीका है, इसका पता लगाना कि संबंधित अपराध से लाभ किसका होगा? संसद के ठप्प होने से किस का लाभ हो रहा है?क्या संसद का शीतकालीन सत्र उसी रास्ते जा रहा है, जिस रास्ते पिछले कई सत्र गए हैं। कुल तीन हफ्तों के सत्र में पहले हफ्ते संसद के लगातार ठप्प होने के बाद, दूसरे हफ्ते की भी शुरूआत उसके ठप्प रहने का सिलसिला जारी रहने से हो गयी है। संसद के इस तरह ठप्प होने में एक खास बात है, जिसकी संसद के ठप्प होने पर आम तौर पर सत्तापक्ष से लेकर मुख्यधारा के मीडिया तक द्वारा जतायी जाने वाली चिंताओं में, शायद ही कभी चर्चा की जाती है। यह खास बात यह है कि संसद के ठप्प होने से सरकारी काम-काज बिल्कुल भी प्रभावित नहीं होता है, बिल्कुल नहीं रुकता है। इसे एक छोटे से उदाहरण से समझा जा सकता है।

वक्फ संशोधन विधेयक को संसद के पिछले सत्र में भारी विरोध के बाद, संयुक्त संसदीय समिति को विचार के लिए भेजे जाने के बाद से, संयुक्त संसदीय समिति में दूर-दूर तक कोई सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी। इसके लिए सबसे ज्यादा भाजपा और उसके सहयोगी जिम्मेदार थे, जिनके आचरण से यह साफ हो गया था कि प्रस्ताव भले ही अभी कानून में संशोधन का ही हो, संघ-भाजपा की नीयत वक्फ बोर्ड को खत्म करने की ही है। इसे तब और भी साफ कर दिया गया, जब महाराष्ट्र के विधानसभाई चुनाव में जीत की शाम को भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में अपने संबोधन में खुद प्रधानमंत्री ने वक्फ बोर्ड को, %आंबेडकर के संविधान के खिलाफ% करार दे दिया।फिर भी जैसाकि मोदी-पूर्व के दौर में हुआ करता था, जब बहुपक्षीय विचार-छानबीन के मंच के रूप में संसदीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका हुआ करती थी और संयुक्त संसदीय समितियों के काम को बहुत गंभीरता से लिया जाता था, सर्वसम्मति के करीब नजर न आने को देखते हुए, उक्त संयुक्त संसदीय समिति को अपने काम के लिए और समय दिए जाने का सुझाव आया था। इसके पीछे सोच यह थी कि और विचार-विमर्श तथा अध्ययन के जरिए, मतभेदों को कम कर के, सर्वसम्मति के ज्यादा नजदीक पहुंचा जा सकेगा। लेकिन, प्रधानमंत्री के उक्त भाषण से सत्ताधारी भाजपा की दिशा साफ हो गयी और वक्फ संशोधन विधेयक को शीतकालीन सत्र की कार्यसूची में प्रमुखता से रख दिया गया।

इसके बाद भी, चूंकि इस मामले में भाजपा के लिए अपनी मर्जी चलाना आसान नहीं था और विपक्ष के एकजुट विरोध के अलावा इस मामले में उसके सामने जनता दल यूनाइटेड तथा तेलुगू देशम् जैसे अपने सहयोगी दलों को साधने की भी चुनौती थी, जो भाजपा की तरह सीधे-सीधे मुस्लिमविरोध की कतारों में खड़े नहीं होना चाहते हैं, उसे शीतकालीन सत्र में सरकारी कामकाज की प्राथमिकताओं में थोड़ा पीछे खिसकाना पड़ा। इसके बावजूद, भाजपा ने संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट पेश किए जाने के लिए, शीत सत्र के आखिर तक का विस्तार ही स्वीकार किया है। अंतत- उसे अपने मंसूबों में कामयाबी मिले या नहीं मिले, पर फिलहाल भाजपा इसकी कोशिश करने जा रही है कि संबंधित रिपोर्ट इसी सत्र के अंत तक संसद में पेश कर दी जाए, जिससे भाजपा इस मामले में अपना एजेंडा आगे बढ़ा सके। इस मुद्दे को जोर-शोर से आगे बढ़ाए जाने की एक वजह यह भी हो सकता है कि संघ-भाजपा के मोदी राज को इसका एहसास हो गया हो कि उत्तराखंड जैसे इक्का-दुक्का राज्यों में उसकी सरकारों के तथाकथित समान नागरिक कानून या संहिता को आगे बढ़ाने के बावजूद, देश के पैमाने पर ऐसा कानून बनाना इसके बावजूद आसान नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी चतुराई से इसे समान नागरिक कानून की जगह, सेकुलर नागरिक कानून कहना शुरू कर दिया है। ऐसे में देश के पैमाने पर अपने मुस्लिमविरोधी एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए, वक्फ कानून उनके लिए एक उपयोगी साधन हो सकता है।बहरहाल, हम संसद के ठप्प होने और किए जाने के मसले पर लौटें। आखिर, संसद को ठप्प कर कौन रहा है? इस सवाल के निश्चित उत्तर के लिए हम कानून के एक लोकप्रिय सिद्धांत या धारणा का सहारा ले सकते हैं। यह सिद्धांत यह कहता है कि अपराधी का पता लगाने का आसान तरीका है, इसका पता लगाना कि संबंधित अपराध से लाभ किसका होगा? संसद के ठप्प होने से किस का लाभ हो रहा है? इस सवाल का एक ही जवाब हो सकता है–इसमें सरकार का ही फायदा है? क्यों? क्योंकि सारे शोर-शराबे के बीच भी, सरकार न सिर्फ सामान्य सरकारी काम-काज पूरा कर लेती है बल्कि उसने बिना चर्चा के ही विधेयकों पर संसद से मोहर लगवाने को, नया नॉर्मल ही बना दिया है। जब संसद में किसी वास्तविक बहस के बिना ही सरकार का काम हो रहा हो, तो बहस-मुबाहिसे के अर्थ में संसद चलवाने में सरकार की दिलचस्पी क्यों होगी?

यह कोई संयोग ही नहीं है कि नरेंद्र मोदी के राज में पिछली संसद ने बदनामी के कहे जा सकने वाले एक नहीं कई-कई रिकार्ड बनाए थे। इनमें तीन रिकार्ड सबसे खास थे। सबसे ज्यादा, करीब डेढ़ सौ विपक्षी सांसदों को एक साथ संसद के दोनों सदनों से निलंबित किए जाने का रिकार्ड। लोकसभा के एक पूर्ण कार्यकाल में सबसे कम बैठकों का रिकार्ड। बिना किसी वास्तविक चर्चा के विधेयक पारित कराए जाने और विधेयकों पर चर्चा में औसतन सबसे कम समय लगाए जाने का रिकार्ड। वास्तव में यह संसदीय व्यवस्था के साथ सलूक की नरेंद्र मोदी की आम शैली ही है। गुजरात में अपने शासन के 13 साल में मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने आम तौर पर यह सुनिश्चित किया था कि विपक्ष को विधानसभा में चर्चा के जरिए सरकार को जवाबदेह बनाने का कोई मौका ही नहीं मिले और खासतौर पर विधानसभा की बैठकों की संख्या कम से कम रहे। उसी गुजरात मॉडल को अब संसद के स्तर पर लागू किया जा रहा है।पूछा जा सकता है कि लेकिन, संसद को क्या विपक्ष ही ठप्प नहीं कर रहा है? क्या विपक्ष ही नहीं है जो दोनों सदनों के सभापतियों के मना करने के बावजूद, अडानी घोटाले–वास्तव में रिश्वतखोरी–से लेकर महंगाई, मणिपुर आदि तक, मुद्दों पर बहस कराने को लेकर अड़ा हुआ नहीं है? क्या विपक्ष ही, सभापति के आसन के आदेशों की अवहेलना कर, अपनी बात मनवाने के लिए शोर-शराबे का सहारा नहीं ले रहा है? फिर संसद के ठप्प होने के लिए सत्ता पक्ष कैसे जिम्मेदार है? हैरानी की बात नहीं है कि संसद के सत्र से ऐन पहले के अपने परंपरागत वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को गैर-जिम्मेदार साबित करने की कोशिश करते हुए, उस पर हमला ही बोल दिया था। यह सत्ता पक्ष के लिए और जाहिर है कि दोनों सदनों के आसनों के लिए भी, इसका इशारा था कि इस सत्र में भी विपक्ष नहीं सुनी जानी चाहिए।

संसदीय जनतंत्र में विपक्ष की आवाज, सिर्फ विपक्ष की आवाज नहीं होती है। जनतंत्र में विपक्ष की आवाज, जनता की आवाज होती है। और जनता की यही आवाज यह सुनिश्चित करती है कि चुनाव के जरिए सत्ता में पहुंचने वालों को, जनता के सामने जवाबदेह बनाया जाए। जनता की यही आवाज यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता के लिए चुने जाने के बाद, सत्ता में बैठे लोग, जनता के प्रति अपने आचरण में तानाशाह नहीं बन जाएं, भले ही यह तानाशाही उनके निर्वाचन की अवधि तक ही हो। बेशक, एक निश्चित अवधि के लिए चुनाव के जरिए जनता यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता में बैठने वाले अंतत- उसके प्रति जवाबदेह हों। लेकिन, जनतंत्र कोई निर्वाचन के कार्यकाल के लिए, तानाशाही का पट्टा देने की व्यवस्था नहीं है। जनतंत्र हर रोज शासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने की व्यवस्था का नाम है। और विपक्ष, संसद के जरिए इसी जवाबदेही को सुनिश्चित करने का, जनता का हथियार है।

प्रकटत- विपक्ष, संसद की कार्रवाई को ठप्प करता लग सकता है, जिसका सत्ता पक्ष द्वारा और उसके पालतू मीडिया द्वारा बहुत शोर भी मचाया जाता है। लेकिन, वास्तव में संसद को नहीं चलने देने के लिए सत्तापक्ष ही जिम्मेदार है, जो जनता के लिए सबसे ज्यादा महत्व के मुद्दों पर बहस ही नहीं होने देने के जरिए, न सिर्फ विपक्ष को अपनी भूमिका अदा नहीं करने दे रहा है, बल्कि संसद को भी अपना असली काम नहीं करने दे रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद का काम सिर्फ सरकारी काम-काज पर मोहर लगाना नहीं है बल्कि उसका असली काम तो सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करना ही है। पाठकों को शायद अब भी याद होगा कि पिछली लोकसभा के आखिरी सत्रों में से एक विपक्ष के सिर्फ इसके संघर्ष की भेंट चढ़ गया था कि मणिपुर में महीनों से जारी भयानक हिंसा और इथनिक टकराव पर, सरकार में उच्च पदों पर बैठे लोगों के वक्तव्य के आधार पर, संसद में चर्चा हो। संसद को और विपक्ष को भी, अपना काम नहीं करने देने का वर्तमान सत्तापक्ष का हठ और स्वार्थ ही है, जो संसद को ठप्प कर रहा है। इसके खिलाफ संघर्ष कर विपक्ष, जनतंत्र की रखवाली का ही बहुत ही जरूरी काम कर रहा है। इस संघर्ष में कोताही करना, विपक्ष का जनता और जनतंत्र के साथ विश्वासघात करना होगा।

संपादकीय

जनसंख्या पर भाजपायी विमर्श को बढ़ाते भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की गुजारिश की है और उसे जनसंख्या विज्ञान के 2.1 के फार्मूले से जोड़कर चाहे सियासी अर्थों को छिपाने की कोशिश की हो, लेकिन सच्चाई यह है कि इस बयान के पीछे उनके संगठन के वे ही पुराने गहन राजनैतिक मकसद मौजूद हैं जिसके लिये वह जानी जाती है- ध्रुवीकरण। उनका बयान ऊपरी खुले तौर पर चाहे संघ की राजनीतिक विंग भारतीय जनता पार्टी द्वारा अब तक की सोच के विपरीत दिखाई देता हो, जो देश के सामने अक्सर बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताती आई है, परन्तु भागवत के बयान को भाजपा के लिये एक दिशानिर्देश की तरह भी देखा जा रहा है। बहुत सम्भव है कि केन्द्र सरकार भागवत के बयान के अनुकूल कोई ऐसी जनसंख्या नीति लेकर आये जिससे हिन्दुओं की आबादी को बढ़ाया जा सके। संघ और भाजपा जनसंख्या सम्बन्धी वास्तविक तथ्यों व आंकड़ों को दरकिनार कर यह प्रचारित करती आई है कि देश में हिन्दुओं की आबादी घट रही है और मुस्लिमों की बढ़ रही है। देश में इस्लामोफोबिया बढ़ाने के लिये जनसंख्या को गलत तरीके से पेश करना संघ-भाजपा की पुरानी नीति है। अनेक महत्वपूर्ण मौकों पर भागवत हों या इन दो संगठनों से जुड़े लोग, इसका डर दिखाते रहे हैं।नागपुर में एक संगठन के सम्मेलन में दिये भाषण में भागवत ने कहा कि- %2.1 की कम प्रजनन दर वाला समाज अपने आप नष्ट हो जाता है।% उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि %इससे कम जनसंख्या वाला समाज तब भी नष्ट हो जाता है जब कोई संकट न हो।% बिना संकट के भी ऐसे समाज के नष्ट होने की बात उन्होंने सम्भवत- इसलिये कही होगी ताकि लोग इस बात को तार्किक व वैज्ञानिक आधारों वाला कोई निष्कर्ष समझें और उन पर यह तोहमत न लगे कि वे लोगों को डरा रहे हैं या हिन्दू-मुस्लिम कर रहे हैं। उन्होंने कई भाषाओं और समाज के नष्ट होने की बात करते हुए लोगों को चेताया कि प्रजनन दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिये। इस वृद्धि दर को बनाये रखने के लिये लोगों को दो से ज्यादा (यानी तीन) बच्चे पैदा करने चाहिये। उन्होंने याद दिलाया कि देश में 1998 और 2002 में जो जनसंख्या सम्बन्धी नीतियां तय की गयी थीं उनमें भी 2.1 की दर को बनाये रखने की बात कही गयी थी। हालांकि उन्होंने अमूमन कम याददाश्त वाली जनता के सामने स्पष्ट नहीं किया कि ये दोनों नीतियां भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस शासित कार्यकाल में लाई गयी थीं।

चूंकि उनमें अनेक ऐसे राजनीतिक दलों का समावेश था जो इस मामले में दूसरी राय रखते थे, यह नीति कभी भी प्रभावशाली ढंग से लागू नहीं हो पाई थी।अटल बिहारी वाजपेयी वाली यह सरकार 2004 में जाती रही तथा उसके बाद आई यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार (पीएम डॉ. मनमोहन सिंह- दो कार्यकाल) ने इस अनर्गल विषय को तूल देने या बढ़ती आबादी को लेकर रोना-धोना करने की बजाय अधिकतम आबादी को काम देने की नीति पर कार्य किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने भी इस पर कोई काम करने की बजाय सियासी मुद्दा बनाकर समाज के भीतर उसे जिन्दा रखा। अपने पहले कार्यकाल (2014-19) के दौरान मोदी आबादी को लेकर एक सकारात्मक रवैया अख्तियार करते नज़र आये।उन्होंने अधिक जनसंख्या को, खासकर युवाओं की बहुलता के कारण भारत के लिये एक सौगात बताया। यह एक तरह से चीन की तरह की रणनीति अपनाने जैसा था जिसने बड़ी आबादी को अपनी ताकत बना दिया है।

चूंकि पहले-पहल के मोदी भारत को चीन और अमेरिका के मुकाबले में लाने के दावे करते रहे, इसलिये कुछ समय तक तो उनकी पार्टी ने भी देश की आबादी बढ़ने का दुखड़ा सुनाना बन्द कर दिया जो इसका ठीकरा अक्सर मुस्लिम समुदाय पर फोड़ते थे। यह कारगर साबित इसलिये नहीं हुआ क्योंकि भाजपा और संघ के लोग हमेशा से जो बात सुनते आये थे और जिस पर भरोसा करते रहे, मोदी उसके विपरीत बोल रहे थे।

अडानी को जांच से बचाने का मोदी सरकार का निराशोन्मत्त प्रयास

अडानी को जांच से बचाने का मोदी सरकार का निराशोन्मत्त प्रयास

कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है।अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बाद अडानी समूह और भारत सरकार द्वारा किये गये बचाव ने भारत में कॉरपोरेट हितों और राजनीतिक शक्ति के बीच परस्पर सम्बंधों के बारे में गंभीर सवाल खड़े किये हैं। जहां एक ओर अमेरिकी जांच ने भ्रष्टाचार सहित गंभीर वित्तीय अपराधों को उजागर किया,वहीं अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ने कंपनी का बचाव करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा पेश किया और कहा कि आरोपों को केवल तकनीकी रूप से तैयार किया गया है और कम्पनी का नेतृत्व किसी भी कदाचार में शामिल नहीं है। लेकिन बचाव को मोदी सरकार की ओर से कॉरपोरेट हितों को बचाने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में ही देखा जा सकता है।

अमेरिकी आरोप, जो संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों, स्टॉक मूल्य हेरफेर और अपतटीय संस्थाओं से संबंधों की ओर इशारा करते हैं, न केवल कंपनी के संचालन के लिए बल्कि भारत के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके व्यापक प्रभाव के रूप में एक गंभीर खतरा पेश करते हैं। अमेरिकी जांचकर्ताओं ने अडानी समूह के लेन-देन में गहराई से जांच की है, जिसमें अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है, जिसका अंतरराष्ट्रीय व्यापार और घरेलू निवेश विश्वास दोनों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। स्थिति की गंभीरता के बावजूद, अडानी समूह और भारत सरकार की प्रतिक्रिया दृढ़ रही है। अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह ने कहा है कि उसके खिलाफ आरोप निराधार हैं, उन्हें गलतफहमी या सबसे खराब स्थिति में, अनुपालन में तकनीकी त्रुटियों के अलावा कुछ नहीं बताया जा सकता। भारत सरकार की ओर से अडानी समूह के बचाव को मजबूत राजनीतिक समर्थन मिला है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने दावा किया है कि यह निजी संस्थाओं से जुड़ा एक विशुद्ध रूप से कानूनी मामला है, और इसलिए, सरकार से चल रही कानूनी कार्रवाई में हस्तक्षेप करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। हालांकि, इस बयानबाजी ने अंतर्निहित प्रेरणाओं के बारे में संदेह को कम करने में बहुत कम मदद की है। मामले को वित्तीय कदाचार के गंभीर मामले के बजाय कानूनी तकनीकी मुद्दों के रूप में पेश करके, अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ही रणनीतिक रूप से आरोपों की मूल प्रकृति से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रूप से एक समान रही है, भारत में प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और यहां तक कि मीडिया आउटलेट्स ने अडानी समूह के पक्ष में दलीलें दीं तथा इसे वित्तीय घोटाले में उलझी कंपनी के बजाय विदेशी हस्तक्षेप का शिकार बताया। इस बचाव के व्यापक निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह इस बात पर सवाल उठाता है कि भारत में कॉर्पोरेट प्रभाव किस हद तक सरकारी कार्रवाई से जुड़ा है।

ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और रसद में अपने विशाल व्यावसायिक हितों के साथ अडानी समूह भारत की सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट संस्थाओं में से एक है। इसका उदय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। पिछले दशक में अडानी समूह की धूमकेतु की तरह वृद्धि को अक्सर देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की इसकी आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इस प्रकार, समूह का बचाव केवल एक कॉर्पोरेट मुद्दा नहीं है - इसे राष्ट्रीय हित का मामला बना दिया गया है।अगर भ्रष्टाचार के इन आरोपों को दबा दिया जाता है या महज तकनीकी बातों के तौर पर खारिज कर दिया जाता है, तो इससे पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक गतिविधियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता में विश्वास कम होने का जोखिम है। अडानी समूह के राजनीतिक हस्तियों के साथ घनिष्ठ संबंध अच्छी तरह से उजागर हैं। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या इन संबंधों ने समूह को नियामक जांच की पूरी सीमा से बचाने में मदद की है। इसलिए, समूह का बचाव करने में सरकार की भूमिका ने राजनीतिक अभिजात वर्ग की संभावित मिलीभगत के बारे में चिंता जताई है, जो जवाबदेही पर कॉर्पोरेट सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली प्रणाली को बढ़ावा दे रहा है।अडानी समूह और भारत सरकार दोनों द्वारा निर्मित कथा एक निर्दोष पक्ष के रूप में सावधानीपूर्वक तैयार किये गये चित्रण पर टिकी हुई है, इस आरोप के साथ कि इसे विदेशी शक्तियों द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। यह बयानबाजी एक व्यापक राष्ट्रवादी कथा की प्रतिध्वनि है जो घरेलू निगमों, विशेष रूप से सरकार के साथ निकटता रखने वालों को अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के शिकार के रूप में पेश करती है। आरोपों को भारत की संप्रभुता और इसकी आर्थिक उपलब्धियों पर हमले के रूप में पेश करके, सरकार ने आलोचना को कुशलतापूर्वक टाल दिया है, और खुद को विदेशी आलोचकों के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव के रक्षक के रूप में पेश किया है। हालांकि,यह राष्ट्रवादी रूपरेखा अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे से ध्यान हटाती है कि क्या अडानी समूह ने विकास और मुनाफे की तलाश में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कानूनों और नैतिक मानदंडों का उल्लंघन किया है?

यदि अमेरिकी अधिकारी अपनी जांच को आगे बढ़ाते रहते हैं, तो इससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो सकता है। अडानी समूह का निरंतर बचाव, खासकर अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है। भारत सरकार खुद को एक मुश्किल स्थिति में पा सकती है, जिसे गहरे राजनीतिक संबंधों वाली एक शक्तिशाली कॉर्पोरेट इकाई का समर्थन करने या वित्तीय जवाबदेही के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ खुद को संरेखित करने के बीच चयन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है, तो यह इस बात को लेकर परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है कि किस हद तक कॉर्पोरेट हित राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर रहे हैं। अडानी समूह कोई अलग उदाहरण नहीं है - अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित भारत में अन्य कॉर्पोरेट दिग्गज भी अलग-अलग जांच के साथ प्रभाव के ऐसे ही गलियारों में काम कर चुके हैं।

कैसे होती है बर्फबारी

बच्चों, कुछ दिन पहले ही यूरोप और एशिया के कई देशों के पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर बर्फबारी हुई थी। अभी भी उसका असर साफ देखा जा सकता है। लेकिन ये बर्फबारी होती कैसे है? आकाश में बर्फ कैसे बनती है और नीचे क्यों गिरती है?

दोस्तों, तुम जानते होगे कि हमारी धरती पर जल एक लगातार चक्र में चलता है। सूरज की गर्मी से नदियों, तालाबों, झीलों से जल भाप बनकर उड़ जाता है और वातावरण में पहुंच जाता है। जब इस तरह के बहुत सारे वाष्प कण इकट्ठे हो जाते हैं तो वे बादल का रूप ले लेते हैं। जब ये बादल आपस में टकराते हैं तो बारिश होती है। लेकिन जब ये बादल वातावरण में अधिक ऊपर चले जाते हैं तो वहां का तापमान बहुत कम हो जाता है और वातावरण बहुत ठंडा हो जाता है। बादल का तापमान बहुत नीचे पहुंचने पर, बादलों में मौजूद वाष्प कण नन्हे-नन्हे बर्फ कणों में बदल जाते हैं। हवा इन बर्फ कणों का वजन सहन नहीं कर पाती और ये कण बादल से नीचे की ओर गिरने लगते हैं। जब वो गिरते हैं तो एक-दूसरे से टकरा कर जुड़ने लगते हैं। इस तरह इनका आकार बड़ा होने लगता है। जब ये कण हमारी पृथ्वी पर गिरते हैं तो हम उसे बर्फबारी कहते हैं।

अब तुम यह कह सकते हो कि बर्फ दरअसल जमा हुआ पानी है। बर्फबारी में धरती पर अकसर बर्फ की सफेद चादर-सी बिछ जाती है। गिरती हुई यह बर्फ हमेशा नर्म नहीं होती है। यह बर्फ गिरते हुए एक जगह इकट्ठी न गिरकर हवा के साथ इधर-उधर फैल जाती है, इसलिए यह कहीं बहुत ज्यादा और कहीं बहुत कम गिरती है। कभी यह छोटे-छोटे पत्थर के रूप में, तो कभी बारिश के साथ गिरने वाले सख्त बर्फ यानी ओलों के रूप में भी गिरती है। बर्फ चाहे जिस रूप में भी गिरे, जहां यह गिरती हैं वहां का तापमान काफी गिर जाता है। आसपास के इलाके भी सर्द हवाओं की चपेट में आ जाते हैं।

अब तुम्हारे मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि यह बर्फबारी पहाड़ी इलाकों में ही क्यों होती है?

बर्फ उन स्थानों पर अधिक गिरती है जो इलाके या तो समुद्र से काफी ऊपर होते हैं या फिर ऊंचाई पर होते हैं। वातावरण में बर्फ काफी अधिक बनती है, जिसका एक छोटा हिस्सा ही नीचे पहाड़ों पर गिरता है। बाकी हिस्सा बारिश के रूप में नीचे आता है।

अब तुम सोच रहे होगे कि बर्फ बनती और नीचे बारिश गिरती है, वो कैसे? वातावरण में मौजूद ओजोन की गर्म परतों के बीच से जब बर्फ के कण गुजरते हैं तो यह बर्फ पिघल जाती है और बारिश के पानी में बदल जाती है, जबकि ऊंचे पहाड़ों में तापमान पहले से ही शून्य डिग्री से काफी कम होता है, इसलिए वहां पर बर्फबारी होती है।

क्या होता है फायदा

पहाड़ों पर गिरी यह बर्फ गर्मियों में सूरज की तपिश से पिघलकर नदियों में पानी की आपूर्ति करती है, जिसे खेती-बाड़ी, बिजली बनाने और अन्य कामों के लिए उपयोग किया जाता है।

आओ चलें बर्फ की दुनिया में

पहाड़ों में बर्फबारी देखकर सभी का मन वहां जाकर बर्फ की बॉल बनाकर खेलने को करता है। चूंकि यह बर्फ कुछ दिन रहती है, इसलिए कुछ लोग जा पाते होंगे तो कुछ नहीं। लेकिन आज हम विश्व के सबसे बड़े, आकर्षक और एक महीने चलने वाले स्नो शो के बारे में बताने जा रहे हैं।

चीन के सबसे सर्द शहर हार्बिन में एक स्नो शो मनाया जा रहा है, जहां का तामपान-20 डिग्री सेल्सियस होता है। यह स्थान चीन की सोंधुआ नदी के किनारे स्थित है। इस स्नो शो की शुरुआत 5 जनवरी को हुई थी। यह पूरा स्थान 150 एकड़ में फैला है। यह शो रात में बहुत ही आकर्षक दिखता है। बर्फ की पूरी बिल्डिंग बनाई गयी है। यह पारंपरिक तरीके से सजाया गया है।

हाई तकनीक बीम लाइट की मदद से रोशनी की गई है, जो रात में खास लगती है। इस फेस्टिवल की नींव 1963 में रखी गई थी। चीन का हार्बिन इंटरनेशनल आइस एंड स्नो शो हर साल दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। यह शो पिछले 30 सालों से हर साल मनाया जा रहा है। इस साल बर्फ की

इस दुनिया को बनाने में करीब 15000 मजदूरों ने अपना योगदान दिया है। इस साल इस फेस्टिवल की थीम रखी गई है, ग्लोबल आइस एंड स्नो ड्रीम, वर्ल्ड कार्टून टूर। मतलब तुम बच्चों की कार्टून की दुनिया को यहां हकीकत में बदलने की कोशिश की गई है। एक महीने तक चलने वाले इस फेस्टिवल को अब तक करीब 10 लाख लोग देख चुके हैं। यहां आने वाले पर्यटक हॉट एयर बैलून, बर्फ के स्टैचू, आइस स्विमिंग के अलावा अन्य खेलों का आनंद भी ले सकते हैं।

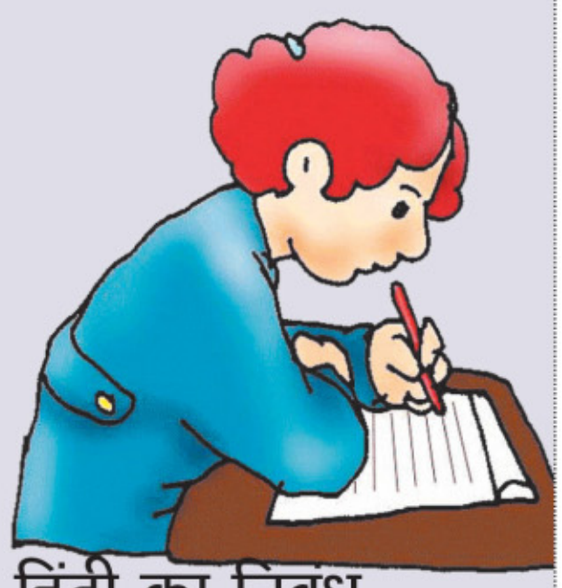

हिंदी का निबंध ऐसे लिखो...

हिंदी में निबंध याद करना तुम्हें कुछ कठिन लगता होगा ना। इतना बड़ा निबंध याद करते-करते थक जाते होगे। अगर खुद लिखना पड़ जाए तो नानी याद आ जाती है। समझ ही नहीं आता कि क्या लिखें, कितना लिखें। चलो आज हम तुम्हें बताते हैं कि इसे कैसे लिखना चाहिए। पहले ये समझ लो कि अच्छे निबंध के गुण क्या-क्या होते हैं

बंधे हों वाक्य

निबंध का अर्थ है बंधा हुआ। निबंध की पहली विशेषता है कि निबंध एक सूत्र में बंधा होना चाहिए। एक क्रम में लिखा होना चाहिए। कोई बात कहीं भी नहीं लिखनी चाहिए। आलतू-फालतू बातों का निबंध में कोई स्थान नहीं होता।

ज्यादा बड़ा न हो

तुम हमेशा यह सोचते हो कि निबंध का अर्थ है 4-5 पेज का लम्बा-चौड़ा। लेकिन ऐसा नहीं है, अगर सटीक, सही बातों को लिखा हो तो वो भी निबंध कहलाता है। निबंध छोटा होना चाहिए।

भाषा

यह निबंध की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है। निबंध की भाषा सरल, सहज, सटीक होनी चाहिए। शब्दों का प्रयोग अच्छा होना चाहिए। व्याकरण का प्रयोग भी सही होना चाहिए।

ऐसे लिख डालो

भूमिका

सबसे पहले आती है भूमिका, अर्थात निबंध के विषय के बारे में लिखने से पहले तुम निबंध के विषय से संबंधित भूमिका बांधो। परंतु यह अधिक लम्बी नहीं होनी चाहिए, नहीं तो बोरिंग हो जाती है।

विषय से संबंधित

जब कोई निबंध लिखना हो तो रफ लिख लेना चाहिए कि पहले क्या बताना है, फिर प्वाइंट बना लो, इसके बाद उन्हें पैराग्राफ में लिखो।

उपसंहार

इसमें निबंध का निष्कर्ष होता है, अर्थात इस विषय से तुम क्या सोचते हो, यह लिख डालो।

रटो नहीं, समझकर करो तैयारी

बच्चों, ये सच है कि जिस भी विषय को रटकर याद करते हो, वह ज्यादा दिन तक तुम्हारा साथ नहीं देता। इसलिए विषय को समझ कर पढ़ने की आवश्यकता है। वैसे भी अब तुम्हारी परीक्षा पास है। ऐसे में तनाव होना स्वाभाविक है। इस तनाव को दूर करने का एक ही तरीका है, विषय को रटने की बजाए उसे समझकर याद करो। वह विषय चाहे लैंग्वेज हो या साइंस या फिर मैथ्स, हर विषय के साथ तुम इसे आजमा सकते हो। समझने से अर्थ यह है कि विषय को जिसे तुम तैयार करना चाहते हो, उसे स्टेप बाई स्टेप पढ़ो, फिर लिखकर अभ्यास करने से वह विषय पूरी तरह से तुम्हारे साथ हो जाता है। परीक्षा के बाद भी तुम उसे नहीं भूलते। यही तो कमाल की बात है, जो तुम्हें रटने में नहीं मिलता, क्योंकि रटी हुई चीजें जिस रफ्तार से याद होती हैं, उसी तेजी से वह हमारी स्मृतियों से गायब भी हो जाती हैं। मान लो तुम्हें अंग्रेजी या हिन्दी की तैयारी करनी है तो तुम उसके शब्दों, अर्थों, वाक्यांशों को टुकड़ों में करके याद करो। दुबारा उन्हें लिखकर देखो कि उनमें से कितनी चीजें याद हुईं। जहां भी गलती हुई उसे दुबारा लिखकर अभ्यास करने से हिन्दी या अंग्रेजी के मैटर तुम्हें याद हो जाएंगे। पाठ के अंत में दिए गए सवालों को पढ़कर उत्तर देने होते हैं ऐसे में मूल पाठ को ठीक से पढ़ना चाहिए। फिर उनके उत्तर उन्हीं वाक्यांशों में ढूंढ़ना चाहिए। जो शब्द समझ में नहीं आते हों उन्हें या तो डिक्शनरी में देखो या फिर अपने टीचर से उनका अर्थ पूछ लो। रटने से हमेशा बचना चाहिए, साथ ही पढ़ने-लिखने से विषय की बारीकियों को समझने में आसानी होती है। इसलिए विषय को रटो नहीं, बल्कि उसे समझकर लिखने का अभ्यास करो।

जानकारी

क्या आप भी चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वैक्सिंग

कई महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं, वो चेहरे पर ब्लीच, थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। लेकिन जो महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं, उन्हें चेहरे पर वैक्सिंग कराने के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी मालूम होना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय इन बातों का ध्यान रखें

- चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय जरा सी गलती होने पर चेहरे की खूबसूरती बिगड़ सकती है इसलिए चेहरे पर वैक्सिंग बहुत सोच-समझकर कराएं।
- चेहरे की त्वचा बहुत सॉफ्ट होती है और चेहरे पर वैक्सिंग कराने से चेहरे पर बहुत जल्दी झुर्रियां यानी रिंकल्स हो सकते हैं, इसलिए बहुत जरूरी हो तो ही चेहरे पर वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग से हेयर फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे चेहरे पर सूजन, दाग पड़ जाना, इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- यदि आपके चेहरे पर बाल कम हैं, तो वैक्सिंग की बजाय चेहरे पर ब्लीच कर लें।
- यदि आपके चेहरे पर बहुत मोटे बाल हैं, तो आपके लिए लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट बेस्ट है।
- यदि आप अपने हाथ-पैर की वैक्सिंग खुद घर पर ही करती हैं, तो भी चेहरे की वैक्सिंग खुद न करें, क्योंकि चेहरे की वैक्सिंग मुश्किल होती है। चेहरे की वैक्सिंग करते समय वैक्स का टेम्प्रेचर, वैक्सिंग स्ट्रिप की क्वालिटी आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है इसलिए हमेशा एक्सपर्ट से ही चेहरे की वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग कराते समय अपने स्किन टाइप का भी जरूर ध्यान रखें। यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो एक्सपर्ट से इस बारे में पहले ही डिस्कस कर लें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन हो सकता है।
- चेहरे की वैक्सिंग कराते समय हाइजीन का विशेष ध्यान रखें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ सकती है।
- चेहरे पर वैक्सिंग कराने के तुरंत पहले या बाद में ब्लीच न करें, इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। चेहरे पर ब्लीच करना है या नहीं इसके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लें।
- वैक्सिंग कराने के बाद चेहरे पर वैक्सिंग लोशन या फेस सीरम लगाना न भूलें, वरना चेहरे पर रैशेज हो सकते हैं।
- वैक्सिंग कराने के तुरंत बाद धूप में न जाएं और न ही किचन में गैस के सामने खड़े होकर काम करें।
- जब तक जरूरत न हो, चेहरे पर वैक्सिंग न कराएं, जल्दी-जल्दी वैक्सिंग कराने से चेहरे की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टिड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ़ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुकसान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पड़ने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढ़ने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ़ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डिलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

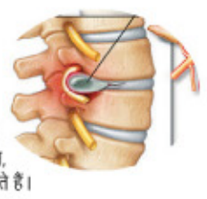

सेहत

मेथी के 16 फायदे

मेथी हर रसोई में मिल जाएगी, खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ ही ये कई बीमारियों को भी दूर रखती है। ठंड के मौसम में मिलने वाले मेथी के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में भले ही ये थोड़ी कड़वी होती है, मगर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। खासकर महिलाओं के लिए। वैसे सिर्फ मेथी के पत्ते ही नहीं, मेथी दाना भी सेहत का खजाना है। मेथी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है।

- डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के लड्डू खाने को कहा जाता है। इससे प्रेग्नेंसी के बाद शरीर मजबूत बनता है और कमजोरी महसूस नहीं होती। ब्रेस्टफीड करानेवाली महिलाओं के लिए मेथी के पत्तों की सब्जी बहुत फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम का भी बेहतरीन स्रोत है।
- पेट में जलन होने पर मेथी की सूखी पत्तियों और शहद को मिलाकर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार इसे पीने से पेट की जलन से राहत मिलती है।
- मेथीदाना को पीस लें और गुड़ में मिलाकर लड्डू बनाएं। ठंड के मौसम में रोजाना एक लड्डू खाने से सर्दी-खांसी की समस्या नहीं होगी।
- मेथी की सब्जी बनाकर खाएं। इससे डाइजेशन ठीक रहता है।
- मेथी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट डिसीज के खतरे को कम करती है।
- मेथी डायबिटीज पेशेंट के लिए भी रामबाण से कम नहीं है. ये शुगर लेवल को कम करने में मदद करती है।
- यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस को निकालने में मदद करती है।
- मेथी याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार है।
- वजन कम करने में भी मेथी कारगर है। इसमें पाए जाने वाले फाइबर्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं।
- मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाएं, बहुत ज्यादा होगा।
- यदि स्किन प्रॉब्लम्स जैसे- रिंकल्स, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स, ड्राईनेस आदि से परेशान हैं, तो मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।
- हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में भी मेथी बेहद कारगर होती है।
- मेथी एक बेहतरीन घरेलू दवा का काम करती है। ये बुखार और कई अन्य मौसमी बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।
- मेथी के पत्तों से हर्ब टी बनाई जा सकती है, इसे पीने से दिमाग शांत और फ्रेश रहता है।
- मेथी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- मेथी के नियमित सेवन से महिलाओं को पीरियड्स और मेनोपात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी सलाद

एक गड्डी मेथी को धोकर नमक लगाकर 30 मिनट रखकर पानी निचोड़ लें। फिर मेथी के पत्तों को बारीक काट लें। आधा-आधा कप बारीक कटे प्याज और टमाटर, मेथी, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून तेल और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मेथी सलाद का मजा लें।

मेथी टमाटर

एक गड्डी मेथी को साफ करके काट कर उबाल लें। कढ़ाही में 1 टेबलस्पून तेल गरम करके हींग, राई और जीरे का छौंक लगाएं। अब 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा-आधा टीस्पून धनिया पाउडर व लालमिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक भूनें। 2-3 टेबलस्पून पानी डालकर एक उबाल आने पर मेथी व नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धीमी आंच पर 5-7 मिनट पकने के बाद आंच से उतार लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2667

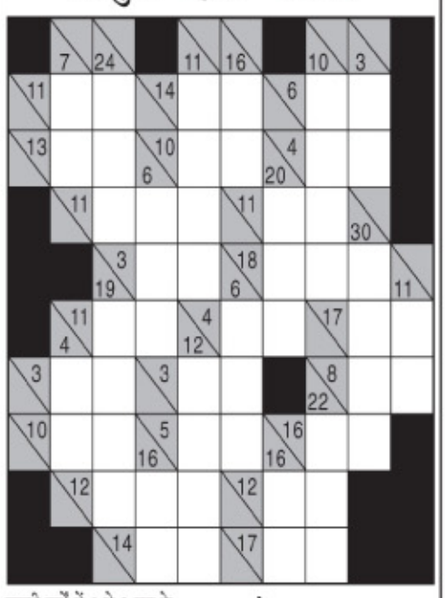

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2666 का हल

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

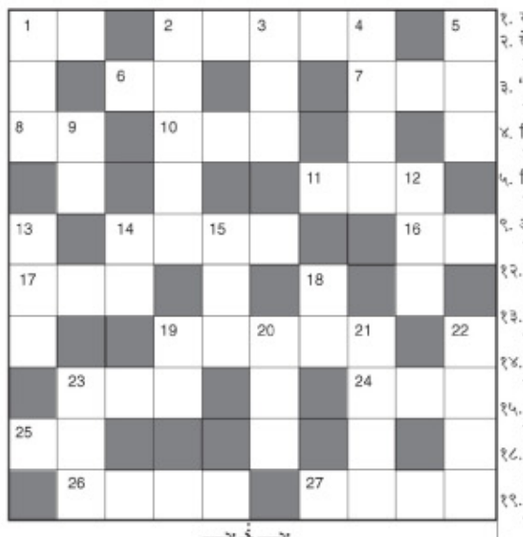

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2667

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी ?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है ?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2666

सूडोकु -2667

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2666 का हल

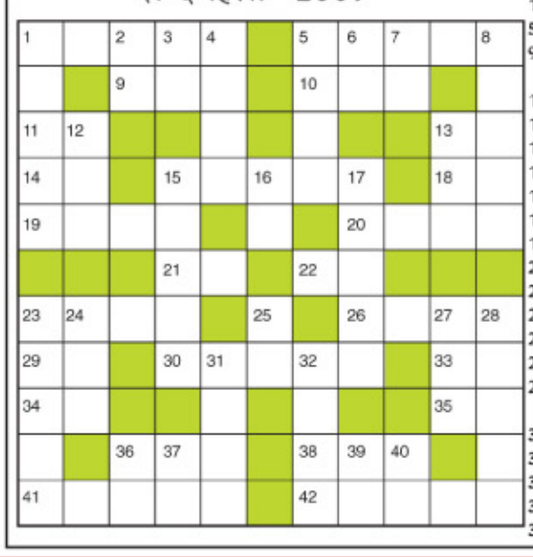

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 2667

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चित्ताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -2666 का हल

त्रिपुरा पुलिस ने अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट पर बढ़ाई सुरक्षा

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा पुलिस ने 'बांग्लादेश चलो अभियान' रैली के मद्देनजर अगरतला के अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। चेकपोस्ट पर बैरिकेडिंग की गई है। यह विरोध बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और इस्कॉन सदस्य चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी के खिलाफ किया जा रहा है। विरोध कार्यक्रम अगरतला में रवींद्र शाता बार्शिकी भवन के सामने शुरू हुआ। त्रिपुरा पुलिस ने कहा कि आज एक समूह ने बांग्लादेश चलो अभियान नामक विरोध रैली का आयोजन किया है। उन्होंने इसके लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि इसके लिए अगरतला-अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट के पास अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और अगरतला के बीच यात्रा करने वाले यात्री बिना किसी परेशानी के आईसीपी का उपयोग कर रहे हैं। भारत सरकार ने सीमा पार व्यापार और यात्री आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एकीकृत चेक पोस्ट स्थापित किए हैं।

माकपा छोड़ने के बाद भाजपा और कांग्रेस के संपर्क में हैं मधु मुल्लास्सेरी

तिरुवनंतपुरम। केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता मधु मुल्लास्सेरी के सुबह पार्टी छोड़ने की घोषणा के तुरंत बाद दोपहर में माकपा ने उनकी प्राथमिक सदस्यता रद्द कर उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। मुल्लास्सेरी अब कांग्रेस और भाजपा के नेताओं के संपर्क में हैं। दरअसल, मुल्लास्सेरी ने माकपा छोड़ने का ऐलान किया था। इससे पहले ही माकपा ने उनकी प्राथमिक सदस्यता रद्द कर उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। उधर, माकपा की ओर से एक बयान जारी कर कहा गया कि मुल्लास्सेरी को इसलिए हटाया जा रहा है क्योंकि उन्होंने पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ कार्य किया है। मुल्लास्सेरी ने मीडियाकर्मियों से कहा कि माकपा छोड़ने की घोषणा के बाद भाजपा और कांग्रेस के प्रदेश स्तर के नेताओं ने उनसे संपर्क किया है। भाजपा की तिरुवनंतपुरम जिला इकाई के अध्यक्ष वीवी राजेश और अन्य पार्टी नेताओं ने उनसे मुलाकात की है। मुल्लास्सेरी ने पार्टी के नेताओं के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने इस्तीफे के लिए जिला समिति के सचिव को जिम्मेदार ठहराया है। पिछले 42 वर्ष से माकपा से सक्रिय रूप से जुड़े रहे मुल्लास्सेरी ने कहा कि जिस पार्टी के लिए उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ 42 वर्ष तक काम किया, अब उसे छोड़ने का निर्णय लेना पड़ रहा है। जिला समिति के सचिव व विधायक वी. जॉय के साथ काम करना कठिन है।

अटल इनोवेशन मिशन और स्वीडिश दूतावास ने शीस्टैम 2024 का महोत्सव मनाया

नई दिल्ली। अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और स्वीडन दूतावास में विज्ञान और नवाचार कार्यालय, नॉर्डिक सहयोगियों-इनोवेशन नॉर्वे, इनोवेशन सेंटर डेनमार्क और बिजनेस फिनलैंड के साथ साझेदारी में शीस्टैम 2024 के आयोजन का सफल समापन हुआ। यह वार्षिक पहल एसटीईएम में महिलाओं के योगदान का महोत्सव मनाती है। इसके अलावा युवा सोच को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) में करियर तलाशने के लिए प्रोत्साहित करते हुए आगामी पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को प्रेरणा देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है। नीति आयोग ने जारी बयान में बताया कि अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के मिशन निदेशक डॉ. चिंतन वैष्णव ने इस आयोजन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि एआईएम को युवा प्रतिभा, नवाचार और भारत के छात्रों की असीम क्षमता के उत्सव, शीस्टैम 2024 का हिस्सा बनने पर गर्व है। इस वर्ष की चुनौती, ऊर्जा भंडारण और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए सीधे तौर पर कुछ सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का समाधान करती है। इस क्षेत्र में छात्रों को शामिल करके हम न केवल भविष्य के एसटीईएम प्रमुखों को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि उन्हें एक स्थायी और प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सशक्त भी बना रहे हैं।

भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने राज्यसभा में उठाया बांग्लादेश घुसपैठिये का मुद्दा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहा कि बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध अप्रवासी जो राज्य में और परमाणु ऊर्जा संस्थान के आसपास बस गए हैं, आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है जो कि राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की सरकार के शह के कारण बांग्लादेशी घुपैठिये राज्य में आ रहे हैं। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान बोलते हुए सांसद ने कहा कि अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी अप्रवासियों की मौजूदगी देश की सुरक्षा के लिए खतरा है, और उन्होंने इस मुद्दे को कई बार राज्य पुलिस के सामने उठाया है लेकिन राज्य सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ पूरे प्रदेश में प्रदर्शन

एजेंसी

लखनऊ। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में हिन्दू रक्षा समिति के आह्वान पर धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रही हिंसा तत्काल रोकने तथा चिन्मय कृष्ण दास को तत्काल कारावास से मुक्त करने की मांग की। इस संबंध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन भी प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा गया। अयोध्या में जन आक्रोश रैली निकालने के बाद हिन्दुओं ने गुलाबबाड़ी मैदान में ?सभा की। सभा को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय व बावन मंदिर अयोध्या के महंत वल्लभ

शरण महाराज समेत कई संत महंतों ने संबोधित किया। चंपत राय ने कहा कि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 1947 में भारत माता की बाहें काटी गयीं। विभाजन के दौरान दस लाख लोगों की हत्या हुई। लोगों को घर व्यापार समेट कर भारत आना पड़ा। यहां शरणार्थी माने गये। उन्होंने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रही हिंसा रोकने तथा चिन्मय कृष्ण दास को रिहा करने की मांग उठाई। बाराबंकी में विरोध सभा को संबोधित करते हुए सामाजिक समरसता गतिविधि के क्षेत्र संयोजक नरेन्द्र सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हिन्दुओं पर हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार हिन्दू समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक एवं चिंताजनक है। वहीं बहराइच में हिंदू रक्षा समिति के तत्वधान में हजारों की संख्या में हिन्दू समाज के लोगों ने जन आक्रोश रैली निकालकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा। जन आक्रोश रैली से पूर्व गेंद घर मैदान में आयोजित सभा को श्री सिद्धनाथ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रवि गिरी जी महाराज व श्री सनातन धाम मंदिर हनुमंत पुरम नगरौर के पीठाधीश्वर स्वामी विष्णु देवाचार्य जी महाराज ने संबोधित किया। सीतापुर में विरोध मार्च निकालते हुए लालबाग (अटल चौक) पर लोगों ने बांग्लादेश की सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की।

अकाली नेताओं की धार्मिक सजा शुरू, पहले दिन दरबार साहिब में भुगती सजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद से पंजाब के अकाली नेताओं की सजा की शुरुआत दरबार साहिब अमृतसर से हुई।

पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल तथा अन्य अकाली नेता सुबह दरबार साहिब पहुंचे। यहां सुखबीर बादल व सुखदेव सिंह ढींडसा ने सेवादारों वाला चोला पहनकर एक घंटे तक दरबार साहिब के मुख्य द्वार के बाहर बतौर पहरेदार ड्यूटी दी। इसके बाद सुखबीर बादल व अन्य सभी नेताओं ने संगत के साथ बैठकर एक घंटे तक पाठ सुना और खुद से हुई भूल के लिए क्षमा याचना की।

सुखबीर बादल सुबह 9 बजे से 12 बजे तक गोल्डन टेंपल में रहे। कीर्तन सुनने के बाद सुखबीर बादल ने आखिर में जूठे बर्तनों की सेवा की। इसके बाद वह दरबार साहिब से रवाना हो गए। शाम को वह दोबारा दरबार साहिब पहुंचे और यहां उन्होंने जूतों की सेवा की। इस दौरान प्रत्येक सेवा में दरबार साहिब के प्रबंधकों ने उनकी हाजरी लगाई।

वहीं पूर्व मंत्री बिक्रम मजीठिया और सुखदेव सिंह ढींढसा ने जूठे बर्तनों की सेवा की। इसके अलावा प्रेम सिंह चंदूमाजरा, सुरजीत सिंह रखड़ा, डॉ दलजीत सिंह चीमा, बिक्रम मजीठिया और महेश इंदर ग्रेवाल ने सार्वजनिक शौचालयों को साफ करके पहले दिन की सजा भुगती। अकाली नेताओं की यह सजा इसी प्रकार जारी रहेगी। इसके बाद अकाल तख्त द्वारा जारी निर्देश के अनुसार अकाली नेता अगले गुरुद्वारा साहिब में जाकर अपनी सजा पूरी करेंगे।

केमिकल से हो रही बीमारियों का प्रकृति में है समाधानः यानुंग जामोह लेगो

एजेंसी

पासीघाट। अरुणाचल प्रदेश के पूर्व सियांग जिले के पासीघाट में साधारण सी कुटिया, चारों ओर घास-फूस और अपने काम में गहरी तल्लीनता- यह दृश्य है यानुंग जामोह लेगो का। लेगो को इसी वर्ष 2024 में जड़ी-बूटियों के माध्यम से असाध्य रोगों के इलाज के लिए पद्मश्री से अलंकृत किया गया। पासीघाट की रहने वाली लेगो ने 35 वर्षों तक राज्य कृषि विभाग के उपनिदेशक के रूप में सेवाएं दीं, लेकिन उनका असली जुनून जड़ी-बूटियों से लोगों को रोगमुक्त करना है।लेगो का मानना है कि भारतीय दवा बाजार को विदेशी और देशी कंपनियां एटीएम की तरह देखती हैं। वे कहती हैं- बीमारी की आड़ में दवा कंपनियां भारत से पैसा निकाल रही हैं। केमिकल से ही बीमारियां हो रही हैं और प्रकृति में हर बीमारी का इलाज मौजूद है। जंगल के जानवर बीमार नहीं पड़ते, क्योंकि वे केमिकल नहीं खाते। इंसान अगर प्राकृतिक चीजों पर ध्यान दें तो बीमारियां खत्म हो सकती हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के व्यावसायीकरण पर तीखा हमला बोलते हुए लेगो ने कहा कि डॉक्टर

अब बीमारी को व्यवसाय बना चुके हैं। मैं बीमारी खत्म करना चाहती हूं। इसे मुनाफे का साधन नहीं। आधुनिक चिकित्सा आपात स्थितियों में जरूरी हो सकती है, लेकिन अगर समय हो तो प्राकृतिक उपचार बीमारियों को जड़ से ठीक कर सकता है। अपनी कुटिया में वह हर मंगलवार और शनिवार को ओपीडी चलाती हैं। जहां देश-विदेश से लोग उनके पास इलाज के लिए आते हैं। हालांकि लेगो का इलाज अब पूरी तरह निःशुल्क नहीं है। उन्होंने जड़ी-बूटियों के माध्यम से कैंसर, ट्यूमर और फेफड़ों की बीमारियों का सफल इलाज किया है। उन्होंने कहा कि कैंसर का इलाज आसान है, जो व्यक्ति रसायन खाता है उसे कैंसर होता है। जो व्यक्ति प्राकृतिक चीजें खाता है उसे कभी कैंसर नहीं होगा। उन्होंने बताया कि उनका मासिक खर्च करीब 8 लाख रुपये तक पहुंचता है, लेकिन सरकार की ओर से उन्हें कोई सहायता नहीं मिलती।

सुगम्य भारत अभियान के 9 वर्ष पूरे, प्रधानमंत्री ने दिव्यांगों के लिए पहुंच, समानता और अवसर बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुगम्य भारत अभियान के 9 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने दिव्यांग बहनों और भाइयों के लिए पहुंच, समानता तथा अवसर को और बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मोदी ने दिव्यांग बहनों और भाइयों के धैर्य और उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि इसने हम सभी को गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ब्लॉग पर लिखा कि आज 3 दिसंबर का महत्वपूर्ण दिन है। पूरा विश्व इस दिन को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के रूप में मनाता है। आज का दिन दिव्यांगजनों के साहस, आत्मबल और उपलब्धियों को नमन करने का विशेष अवसर होता है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की संकल्प-शक्ति से 'सुगम्य भारत' ने ना सिर्फ दिव्यांगजनों के मार्ग से कई बाधाएं हटाई, बल्कि उन्हें सम्मान और समृद्धि का जीवन भी दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष ये दिन और भी विशेष है। इसी साल भारत के संविधान के 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं। भारत का संविधान हमें समानता और अंत्योदय के लिए काम करने की प्रेरणा देता है। संविधान की इसी प्रेरणा को लेकर बीते 10 वर्षों में

हमने दिव्यांगजनों की उन्नति की मजबूत नींव रखी है। इन वर्षों में देश में दिव्यांगजनों के लिए अनेक नीतियां बनी हैं, अनेक निर्णय हुए हैं। ये निर्णय दिखाते हैं कि हमारी सरकार सर्वस्पर्शी है, संवेदनशील है और सर्वविकासकारी है। इसी क्रम में आज का दिन दिव्यांग भाई-बहनों के प्रति हमारे इसी समर्पण भाव को फिर से दोहराने का दिन भी बना है।मोदी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद हमने सबसे पहले 'विकलांग' शब्द के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द को प्रचलित करने का फैसला लिया। ये सिर्फ शब्द का परिवर्तन नहीं था, इसने समाज में दिव्यांगजनों की गरिमा भी बढ़ाई और उनके योगदान को भी बड़ी स्वीकृति दी। इस निर्णय ने ये संदेश दिया कि सरकार एक ऐसा समावेशी वातावरण चाहती है, जहां किसी व्यक्ति के सामने उसकी शारीरिक चुनौतियां दीवार ना बनें और उसे उसकी प्रतिभा के अनुसार पूरे सम्मान के साथ राष्ट्र निर्माण का अवसर मिले।प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों के समय जो नीतियां थीं, उनकी वजह से दिव्यांगजन सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा के अवसरों से पीछे रह जाते हैं।

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुंबई में कहा कि कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। मंत्री होने के नाते किसान की सेवा मेरे लिए भगवान की पूजा है। इस संस्थान के माध्यम से विभिन्न आयाम पूरे करने हैं।

शिवराज सिंह चौहान आज यहां भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान में शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले 1924 में जब ये प्रयोगशाला बनी थी, तब शायद यही उद्देश्य होगा कि कपास से अधिकतम लाभ कैसे कमायें। उस समय उनके अपने लक्ष्य व उद्देश्य होंगे लेकिन आज हमारा लक्ष्य है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण करना। वैभवशाली, सम्पन्न, समृद्ध भारत का निर्माण किसान के

बिना नहीं हो सकता है। आज भी कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि इस संस्थान में अभी जो ज़रूरी है वह है कपास की खेती की स्थिरता बढ़ाने के लिए मशीनीकरण को बढ़ाना। केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान एकमात्र संस्थान है जो कि यांत्रिक रूप से चुनी गई कपास के प्रसंस्करण के लिए काम कर रहा है। यांत्रिक रूप से काटी गई कपास के प्रसंस्करण के लिए संयंत्र और मशीनरी को अनूकूलित करने की ज़रूरत है। इसके लिए संस्थान के 100 साल पूरे होने पर यहां पायलट संयंत्र की सुविधा की व्यवस्था की जायेगी। कपास जिनोम का अंतरराष्ट्रीय केंद्र यह कैसे बने इसके लिए भी आवश्यक व्यवस्थायें की जायेंगी। कपास कॉटन में ट्रेसिबिलिटी सिस्टम विकसित करना बहुत ज़रूरी है। भारतीय कपास के निर्यात के लिए भी ट्रेसिबिलिटी की नई तकनीक विकसित करने के लिए सभी आवश्यक सुविधायें यहां विकसित की जायेंगी। उन्होंने कहा कि कपास का बीज बहुत महंगा होता है। निजी कंपनियां किसानों को बीज बहुत महंगा देती हैं। आईसीएआर को कोशिश करनी चाहिए कि गुणवत्तापूर्ण बीज कम दामों पर कैसे किसानों को मिलें। किसान पर भी ध्यान दें ताकि उसे कपास की खेती से लाभ भी मिले, वह खेती से अपनी आजीविका ठीक से चला पाये।

सीबीआई के पूर्व निदेशक विजय शंकर का नोएडा में निधन

एजेंसी

नोएडा। सीबीआई (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन) के पूर्व निदेशक विजय शंकर का नोएडा में निधन हो गया। 76वर्षीय सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी विजय शंकर लंबे समय से बीमार थे। नोएडा एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह कुछ समय से नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने बताया कि उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार उनके पार्थिव शरीर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को दान कर दिया जाएगा। पूर्व निदेशक शंकर उत्तर प्रदेश कैडर के 1969 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने 12 दिसंबर 2005 से 31 जुलाई 2008 तक सीबीआई के निदेशक के तौर पर कार्य किया था। सीबीआई निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, एजेंसी ने चर्चित आरुषि-हेमराज दोहरे हत्याकांड मामले की जांच की थी।जब वह सीबीआई के अतिरिक्त निदेशक थे तो उनकी निगरानी में ही पुर्तगाल से गैंगस्टर अबू सलेम और अभिनेत्री मोनिका बेदी का प्रत्यर्पण किया गया था। उन्होंने तेलगी घोटाले (स्टैंप पेपर घोटाला) की जांच की भी निगरानी की थी। सीबीआई निदेशक नियुक्त होने से पहले शंकर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड के प्रमुख भी रहे। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में महानिरीक्षक के पद पर भी कार्य किया। 1990 के दशक में जब जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां चरम पर थीं तब शंकर वहीं तैनात थे। अपनी उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक प्राप्त करने वाले शंकर ने उत्तर प्रदेश पुलिस और विदेश मंत्रालय के अधीन मॉस्को में भी अपनी सेवाएं दीं।

महाकुम्भ के लिए केंद्र से मिलेगा 2100 करोड़ रुपए का 'उपहार'

एजेंसी

लखनऊ। जनपद प्रयागराज में आगामी जनवरी माह से शुरू हो रहे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समागम- 'महाकुम्भ-2025'के लिए केंद्र सरकार की ओर से बड़ा 'उपहार' भेजा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ रुपए की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत करते हुए पहली किस्त के रूप में 1050 करोड़ रुपए निर्गत कर दिये हैं। बता दें कि महाकुम्भ का आयोजन 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के मध्य निर्धारित है। महाकुम्भ मेला के सकुशल आयोजन के लिए भारत सरकार से एकमुश्त विशेष सहायता अनुदान के रूप में धनराशि स्वीकृत किये जाने उप्र शासन द्वारा केंद्र सरकार से विशेष से अनुरोध किया गया था। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पहले ही 5435.68 करोड़ रुपए भव्य, दिव्य

और डिजिटल महाकुम्भ के आयोजन पर खर्च कर रही है। सरकार द्वारा महाकुम्भ के लिए 421 परियोजनाओं पर यह धनराशि खर्च की जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से अबतक 3461.99 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों, जिसमें लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, सेतु निगम, पर्यटन विभाग, सिंचाई, नगर निगम प्रयागराज, द्वारा विभागीय बजट मद से 1636.00 करोड़ रुपए की 125 परियोजनाओं को क्रियान्वित कराया जा रहा है। महाकुम्भ 2025 के अन्तर्गत अवसंरचनात्मक सुविधायें, जिसमें रेलवे ओवरब्रिज, रेलवे अण्डरब्रिज, सड़कों का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य, नदी के किनारे कटाव निरोधक कार्य सहित इण्टरलॉकिंग सड़क मार्ग, रिवर फन्ट का निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण के समन्वय से प्रयागराज को सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किये जाने की कार्ययोजना के अन्तर्गत समस्त चौराहों का थीम बेस्ड सौन्दर्याकरण, आईटी बेस्ड मॉनिटरिंग इत्यादि कार्य एवं श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन एवं नगर निगम, प्रयागराज के समन्वय से शहर की साफ-सफाई एवं स्वच्छता के लिए उच्च कोटि की व्यवस्था की जा रही है। सॉलिड वेस्ड प्रबन्धन एवं शहर को 100 प्रतिशत सीवरेज ट्रीटमेन्ट से आच्छादित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त महाकुम्भ 2025 के अन्तर्गत विभिन्न अभिनव प्रयोग यथा, जिसमें डिजीटल कुम्भ म्यूजियम का निर्माण एवं पर्यटन रूट सर्किट (प्रयागराज-अयोध्या-वाराणसी-विन्ध्यांचल-चित्रकूट) का निर्माण इत्यादि किये जा रहे हैं। महाकुम्भ 2025 के अन्तर्गत श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं दर्शनार्थियों के आवागमन एवं पुण्य स्नान किये जाने की अत्युत्तम व्यवस्था की जा रही है। साथ ही महाकुम्भ 2025 को दिव्य महाकुम्भ, भव्य महाकुम्भ के साथ-साथ स्वच्छ महाकुम्भ, सुरक्षित महाकुम्भ, सुगम महाकुम्भ, डिजिटल महाकुम्भ, ग्रीन महाकुम्भ की अवधारणा के रूप में विकसित किये जाने का लक्ष्य है।

दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ की संकल्पना की सिद्धि में सहायक है यह उपहारः सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ । प्रयागराज महाकुम्भ-2025 के लिए केंद्र सरकार की तरफ से 2100 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसकी पहली किस्त के रूप में 1050 करोड़ रुपये जारी किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ की संकल्पना की सिद्धि में इस उपहार को सहायक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर पीएम मोदी के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समागम 'प्रयागराज महाकुम्भ-2025' को दिव्य एवं भव्य बनाने हेतु संकल्पित है। सीएम योगी ने लिखा कि इस श्रृंखला

में केंद्र सरकार द्वारा 2,100 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की गई, जिसमें से आज 1,050 करोड़ की पहली किस्त जारी कर दी गई है। केंद्र सरकार के इस सहयोग से श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित महाकुम्भ को साकार रूप देने में सहायता मिलेगी। दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ की संकल्पना की सिद्धि में सहायक इस उपहार हेतु प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार!

कोलकाता इस्कॉन ने बांग्लादेश सरकार से वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की

एजेंसी

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) कोलकाता ने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि हिंदू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास के मामले में वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यह अपील तब आई जब दास के वकील रमन रॉय के घर में इस्लामवादियों के एक समूह ने हमला किया।इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने सोमवार को बताया कि रमन रॉय की केवल गलती यह थी कि उन्होंने चिन्मय कृष्ण दास का बचाव किया। इस हमले में रॉय गंभीर रूप से घायल हो गए और वे आईसीयू में जीवन संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी नया वकील अभी तक उनका केस लड़ने के लिए सामने नहीं आया है। जो वकील लड़ना चाहते हैं, वे डरे हुए हैं कि उनके साथ भी वही हो सकता है जो रमन रॉय के साथ हुआ।दास ने बांग्लादेश सरकार से अपील की कि जो वकील यह केस लड़ने के लिए आगे आना चाहते हैं, उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लक्षित हमलों को सख्ती से रोका जाना चाहिए। यह स्थिति बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के न्याय की वकालत करने वालों के सामने खड़ी दुश्मनी को उजागर करती है।चिन्मय कृष्ण दास, जो बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता थे, उनको गत सप्ताह सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। वे चटगांव में एक रैली में भाग लेने जा रहे थे। उन्हें जमानत से इनकार कर जेल भेज दिया गया। बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर बात करते हुए दास ने कहा कि 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वहां हिंदुओं की आबादी लगभग 22 प्रतिशत थी। लेकिन हाल के दशकों में यह घटकर मात्र आठ प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से सामाजिक-राजनीतिक हाशिए पर रहने, हिंसा और पलायन के कारण हुई है।राधारमण दास ने सोशल मीडिया पर लिखा, कृपया वकील रमन रॉय के लिए प्रार्थना करें। उनकी केवल 'गलती' यह थी कि उन्होंने चिन्मय कृष्ण दास का बचाव किया।

राहुल गांधी का संभल आना अभी ठीक नहीं, बिगड़ सकती है स्थिति : मंडलायुक्त

एजेंसी

मुरादाबाद। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली के सांसद राहुल गांधी का अपनी सांसद बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ बुधवार को संभल आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस पर मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का संभल आना अभी ठीक नहीं है। उनको अपना संभल का प्रस्तावित दौरा स्थगित कर देना चाहिए। संभल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक के निर्णय का सभी सम्मान करें। यह निर्णय इसलिए लिया गया है कि वहां स्थिति सामान्य बनी रहे। मंडलायुक्त सिंह ने अपने कार्यालय

में पत्रकारों से कहा कि संभल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक के निर्णय का सभी सम्मान करें। यह निर्णय इसलिए लिया हैं वहां स्थिति सामान्य बनी रही है। संभल में हुई हिंसा के बाद बहुत तेजी से स्थिति सामान्य हुई है, वहां पर महौल पूर्णतः शांत है। यदि संभल में बाहर से कोई आएगा तो आक्रोश फैल सकता है, इससे उकसावा हो सकता है और वहां की स्थिति पुनः बिगड़ सकती है। उल्लेखनीय है कि संभल जिलाधिकारी के आदेश पर जिले में 10 दिसंबर तक बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगी हुई है। संभल हिंसा में अब तक 30 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मंडलायुक्त ने कहा कि अभी तक 30 लोग पकड़े गए है। हमारा उद्देश्य गिरफ्तारी की संख्या बढ़ाना नहीं है बल्कि इस घटना के पीछे कौन मुख्य लोग थे, घटना की प्लानिंग किसने की थी, किन-किन लोगों ने घटना को अंजाम दिया।

फूलों की दुनिया का नाम है...
मुगल गार्डन

राष्ट्रपति भवन में स्थित मुगल गार्डन दुनिया के खूबसूरत फूलों के बागों में से एक है। यहां पर रंग-बिरंगे और एक से बढ़कर एक बेहतरीन फूलों को देख सकते हो, उनकी खुशबुओं को महसूस कर सकते हो और घंटों तितलियों की तरह इन फूलों के आसपास मंडरा सकते हो। हर साल यह बाग फरवरी-मार्च में आम लोगों के लिए खोला जाता है। तो देर किस बात की, चलो इसकी सैर पर चलते हैं...

फूलों का यह विशाल बाग मुगल गार्डन राष्ट्रपति भवन के पीछे के भाग में बना हुआ है। यह ऐसा गार्डन है, जहां देश-विदेश के सभी तरह के रंग-बिरंगे मनमोहक सुगंधित फूलों और फलों के पेड़ हैं, जिनका आनंद तुम ले सकते हो और अपनी जानकारी को बढ़ा सकते हो। यहां कई छोटे-बड़े बगीचे हैं, जैसे पर्ल गार्डन, बटरफ्लाई गार्डन, सर्कुलर गार्डन, हर्बल गार्डन आदि।

फूलों की बेहतरीन किस्में

यहां कई तरह के दुर्लभ फूल हैं, अति दुर्लभ काला गुलाब और हरे गुलाबों को देख सकते हो तुम। गुलाब की ही 250 से भी अधिक किस्में हैं इस बाग में। इसके अलावा यहां 125 प्रकार के गुलदाउदी, 50 से अधिक किस्म के बोगनविलिया और दुनियाभर में पाए जाने वाले सभी तरह के मैरीगोल्ड (गेंदा) को देख सकते हो। कैलेन्डुला एन्टिरहिनम, एलिसम, डिमोरफोथेका, केलिफोर्निया पॉपी, लार्क्सपर, गेरबेरा, गोडेतिया, लिनेरिया, पैन्सी, स्टॉक तथा डहेलिया, कारनेशन, स्वीटपी जैसे सर्दियों में खिलने वाले फूल काफी संख्या में यहां हैं। इनके अलावा मॉलश्री, पुत्रंजीव, सरू, जुनिपर, चाइना ऑरेंज जैसे वृक्षों को भी यहां देखा जा सकता है।

अर्जुन, भीम और जंतर-मंतर का फूल...

मुगल गार्डन में कुछ गुलाब के फूलों के नाम काफी रोचक हैं। कुछ फूलों के नाम महान हस्तियों के नामों पर हैं, जैसे मदर टेरेसा, अर्जुन, भीम, राजा राम मोहन, जवाहर, डॉ. बी.पी. पाल आदि, तो कुछ विदेशी नामचीन हस्तियों के नामों पर जैसे जॉन एफ कैनेडी, क्वीन एलिजाबेथ, लिंकन, मोंतेजुमा आदि। कुछ तो और रोचक हैं, जैसे हैप्पीनेस, सेंचुरी टू, फर्स्ट प्राइज, जंतर-मंतर, अमेरिकन हेरिटेज, आइसबर्ग, ग्रांडा, कमांड परफॉर्मेंस, इम्प्रेटर आदि।

बगीचे की बनावट ऐसी है...

मुगल गार्डन को राष्ट्रपति भवन के पीछे इसलिए बनाया गया था, क्योंकि मुगलों के बाग-बगीचे महल के पीछे ही हुआ करते थे। इसलिए एडवर्ड लुटियन्स ने इसे वैसा ही स्थान और स्वरूप दिया, जिस तरह से मुगल दिया करते थे। 13 एकड़ में फैले इस गार्डन में मुगल शैली के साथ-साथ ब्रिटिश शैली की भी झलक दिखती है। मेन गार्डन मुगल गार्डन का सबसे बड़ा भाग है। इसे पीस द रजिस्टेन्स के नाम से जाना जाता है। यह 200 मी. लंबा और 175 मी. चौड़ा है।

इसके उत्तर और दक्षिण में टेरेस गार्डन हैं और इसके पश्चिम में एक टेनिस कोर्ट तथा लॉन्ग गार्डन है। यहां से दो नहरें उत्तर से दक्षिण की ओर और दो नहरें पूर्व से पश्चिम की तरफ बहती हैं, जिनके बीच कमल के फूल के आकार के 6 फव्वारे बने हुए हैं। इन कमल के फव्वारों से 12 फीट की ऊंचाई तक पानी की धार उठती है।

चतुर्भुज आकार है इसका

यह गार्डन राष्ट्रपति भवन के मुख्य भवन से सटा है। इसे चार भागों में बांटा गया है। गार्डन के बीच में राष्ट्रपति द्वारा स्वागत समारोहों और प्रीति भोजों का आयोजन किया जाता है। इसकी बनावट मुगलों की चार बाग शैली का एहसास कराती है।

लॉन्ग गार्डन या गुलाबों के गलियारे

लॉन्ग गार्डन से होकर ही सर्कुलर गार्डन के लिए रास्ता जाता है। इस गार्डन में गुलाबों के लम्बे-लम्बे गलियारे हैं, जिनमें तराशी गई छोटी-छोटी छतरीनुमा झाड़ियां हैं, जो देखने में ऐसी प्रतीत होती हैं जैसे एक खूबसूरत रंगीन विशाल गलीचा बिछा हो।

पर्दा गार्डन

पर्दा गार्डन ऊंची-ऊंची दीवारों से घिरे मेन गार्डन के पश्चिम में है। इसमें छोटी-छोटी तराशी गई झाड़ियों से घिरे गुलाबों के स्क्वायर हैं, जो काफी खूबसूरत दिखते हैं। गार्डन के किनारे-किनारे चाइना ऑरेंज के पेड़ लगाए गए हैं। इस मौसम में पेड़ों पर फलों को देखना काफी मजेदार लगता है।

सर्कुलर या बटरफ्लाई गार्डन

सर्कुलर गार्डन पश्चिमी किनारे पर है। यहां पौधों की बहुत सी क्यारियां हैं। इसमें साल भर खिलते रहने वाले अनेक प्रजाति के फूल हैं। इन फूलों पर काफी संख्या में तितलियां देखी जाती हैं। मुगल गार्डन में सबसे अधिक तितलियां इसी गार्डन में फूलों पर मंडराती हैं, इसी वजह से इसे बटरफ्लाई गार्डन के नाम से भी जाना जाता है। गार्डन के बीच में बने म्यूजिकल फाउंटेन से शहनाई और वन्दे मातरम की धुन निकलती सुनाई देती है।

हर्बल गार्डन

मुगल गार्डन में हर्बल गार्डन है, जहां देश-विदेश के कई प्रमुख औषधियों के पेड़ हैं। यहां मौजूद सभी औषधियां काफी दुर्लभ और महत्वपूर्ण हैं। आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण में इन औषधियों का खूब इस्तेमाल किया जाता है। यहां पर अश्वगंधा, विलायती पुदीना (बर्गामोट मिंट), ब्राह्मी, जावा घास, घृतकुमारी, गिलोय, ईसबगोल देख सकते हो।

ये फूल जरूर देखना...

गुलाब, गुलदाउदी, गेंदा (मैरीगोल्ड), डहेलिया, रात की रानी, मोगरा, मोतिया, जूही, बिगेनिया वनिस्ता, गार्डेनिया, पोट्रिया, हरसिंगार, बोगनविलिया।

कब जाओगे सैर पर...

मुगल गार्डन प्रतिवर्ष वसंत ऋतु में एक महीने के लिए खुलता है। सामान्यत: 15 फरवरी से 15 मार्च तक खुलने वाले इस गार्डन में वैसे तो पूरे महीने तुम जा सकते हो, लेकिन शुरुआत के 10-15 दिनों में यहां की छटा काफी खूबसूरत होती है। मंगलवार से रविवार तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक यह खुला रहता है, लेकिन प्रवेश शाम 4 बजे तक ही है। सोमवार को गार्डन बंद रहता है। इसमें आने-जाने का रास्ता राष्ट्रपति भवन के गेट नम्बर-35 से है। गेट नम्बर-35 चर्च रोड के पश्चिम सिरे पर नॉर्थ एवेन्यू के पास है। इसे देखने के लिए प्रवेश शुल्क नहीं है, निःशुल्क इसका आनंद उठा सकते हो।

इनका रखना ध्यान

गार्डन के अन्दर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर रोक है। यहां पर खाने के सामान, बैग, मोबाइल, कैमरा आदि ले जाने की मनाही है। अगर तुम्हारे पास कोई सामान है तो उसे गेट नम्बर-35 के पास बने लॉकर रूम में रखवा सकते हो।

भारतीय राज्यों से मिले...

हेलिकोनिया - केरल, हैदराबाद, चेन्नई
बोगनविलिया - खजुराहो (मप्र)
अल्पीनिया - गोवा, पेल्टोफोरम - चेन्नई
लीची - देहरादून, कत्रा, वाटर लिली - मुंबई
एसोर्टेड जैसमीन - चेन्नई, हुबली

विदेशों द्वारा दिए गए फूल-पेड़

ट्यूलिप्स - नीदरलैंड
बर्ड ऑफ पैराडाइज - मॉरिशस
ऑलिव - फ्रांस, ऑर्किड्स - ब्राजील
चेरी ब्लॉसम - जापान, वाटरलिली - चीन
कोनार्ड एडेन्योर - जर्मनी
एसोर्टेड सिजनल्स - जापान

कैसे बना मुगल गार्डन

आज से 103 साल पहले 1911 में जब अंग्रेजों ने अपनी राजधानी कलकत्ता से दिल्ली शिफ्ट की, तब वायसराय के रहने के लिए प्रसिद्ध अंग्रेज आर्किटेक्ट एडवर्ड लुटियन्स ने रायसीना की पहाड़ी को काटकर वायसराय हाउस (राष्ट्रपति भवन का पुराना नाम) बनाया। उसमें फूलों का बाग बनवाया गया, लेकिन वायसराय लॉर्ड हार्डिंग की पत्नी लेडी हार्डिंग को वह पसंद नहीं आया। उन्होंने मुगल शैली में गार्डन की बात कही, तब लुटियन्स ने मुगल शैली में गार्डन बनाया। 1928 में यह बनकर तैयार हुआ और इसमें वायसराय और उनकी पत्नी ने कदम रखा। तभी से इसका नाम मुगल गार्डन पड़ गया। देश आजाद होने और गणतंत्र बनने के बाद वायसराय हाउस राष्ट्रपति हाउस बन गया। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इसे जन साधारण के लिए खुलवाया। तब से हर साल यह एक माह के लिए आम लोगों के लिए खोला जाता है।

ऐसे बना पिग्गी बैंक

पिग्गी बैंक का नाम कैसे पड़ा, भला पिग और बैंक का क्या तालमेल है? चलो हम तुम्हें बताते हैं। दरअसल, 15वीं और 16वीं शताब्दी में जब लोगों के पास बैंकिग सुविधा नहीं थी तब वो बारिश के मौसम के लिए कुछ पैसे घर में छिपाकर रखते थे। बारिश के मौसम में फसल का काम नहीं होता था, जो उनकी रोजी-रोटी का एकमात्र साधन था।

पिग्गी बैंक का नाम पिग शब्द से उत्पन्न हुआ, जिसका मतलब है सूअर (जानवर)। प्राचीनकाल में जब मनुष्य शिक्षित नहीं थे, तो सूअर ऐसा जानवर माना जाता था, जिसे वह पूरे साल हर बचा हुआ खाना खिलाते थे और आखिर में उसे मारकर उसका मांस खाते थे। आज भी पिग्गी बैंक पैसे बचाने के लिए इसी रूप में इस्तेमाल होता है। हर घर में छोटे-बड़े कई गुल्लकों में घर खर्च से बचे हुए पैसे उसमें इकट्ठा किये जाते है और आखिर में उसे तोड़कर उसमें बचाये हुए पैसे का इस्तेमाल किया जाता है। 19वीं शताब्दी में बचत के लिए चिकनी मिट्टी और प्लास्टिक के बने हुए कई प्रकार और आकार के गुल्लक बाजार में बिकने लगे, जिसने बहुत कम समय में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसके सुन्दर और अनेक प्रकार के खिलौने के रूप में दिखने से इसने बच्चों का ध्यान भी आकर्षित किया। पिग्गी बैंक एक आसानी से बचत करने के तरीके के साथ बचे हुए पैसे के सदुपयोग में भी मददगार साबित हुआ। यही कारण है कि दुनिया भर के बच्चे इसे खूब पसंद करते हैं।

नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए तैयार अर्जुन एरिगैसी

एजेंसी

नई दिल्ली। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद क्लासिकल शतरंज रेटिंग में 2800-एलो बाधा पार करने वाले दूसरे भारतीय बने अर्जुन एरिगैसी, नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। 2024 यूरोपीय शतरंज क्लब कप में टीम अल्कलॉइड का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन ने पांचवें दौर में सफेद मोहरों से रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन को हराकर 2800-एलो मील का पत्थर हासिल किया। दिसंबर 2024 की फीडे रेटिंग सूची में उनकी रेटिंग 2801 है और वर्तमान में वे दुनिया में चौथे स्थान पर हैं। अपनी शैली और विकास पर अर्जुन ने एक बयान में कहा, मैं अति-महत्वाकांक्षा और वस्तुनिष्ठता की कमी के कारण खेल हार जाता था, लेकिन अब मैं अपनी महत्वाकांक्षा को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास करता हूँ। नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट 26 मई से 6 जून तक एक विशिष्ट 6-खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप के साथ होगा। टूर्नामेंट के लिए उत्सुकता बढ़ने के साथ, अर्जुन ने इस आयोजन के अभिनव प्रारूप के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, नॉर्वे शतरंज के बारे में बहुत सारी रोमांचक चीजें हैं, लेकिन मेरे लिए, मैं कहूंगा कि समय नियंत्रण और आर्मगेडन प्रारूप मेरे लिए सबसे अलग हैं।

स्पेनिश फुटबॉलर ज़ारागोज़ा मेटाटार्सल हड्डी टूटने के कारण एक महीने तक रहेंगे मैदान से बाहर

मैड्रिड। ओसासुना के स्पेनिश फुटबॉलर ब्रायन ज़ारागोज़ा सोमवार रात को सेविला के खिलाफ़ 1-1 से ड्रॉ हुए मैच में अपने पैर की हड्डी टूटने के बाद 2025 की शुरुआत तक फिर से नहीं खेल पाएंगे। नवारे क्षेत्र के क्लब ओसासुना ने ज़ारागोज़ा की चोट के बारे में एक विज्ञप्ति में बताया कि उनके दाहिने पैर की पाँचवीं मेटाटार्सल हड्डी टूट गई है, किए गए परीक्षणों से चोट की पुष्टि हुई।प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वह अपनी रिकवरी प्रक्रिया शुरू करने के लिए पैम्प्लोना लौटेंगे, लेकिन उनकी वापसी की कोई सटीक तारीख नहीं बताई गई, हालांकि यह संभावना नहीं है कि वह 2025 की शुरुआत तक खेल पाएंगे और संभवतः जनवरी के अंत तक पूरी तरह से फिट नहीं होंगे।ज़ारागोज़ा सेउटा खेलने के लिए ओसासुना की कोपा डेल रे यात्रा और 2024 के अंत से पहले अलावेस, एस्पेनयोल और एथलेटिक क्लब बिलबाओ के खिलाफ ला लीगा खेलों से चूक जाएंगे। बायर्न म्यूनिख से लोन पर आए विंगर ने इस सीज़न में एक गोल और पांच असिस्ट के साथ प्रभावित किया है, उनके क्लब के प्रदर्शन ने उन्हें स्पेन की राष्ट्रीय टीम के दल में वापस बुला लिया है।

ग्रीनपार्क की हर दर्शक दीर्घा में की जाएगी दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था

कानपुर। देश के बहु प्रतिष्ठित क्रिकेट स्टेडियमों में शुमार ग्रीनपार्क स्टेडियम की हर दर्शक दीर्घा से दिव्यांग दर्शक क्रिकेट मैच का लुत्फ उठा सकेंगे। उनके लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। जिसमें रैम्प से लेकर लिफ्ट तक की सुविधा होगी। यह व्यवस्था ग्राउंड फ्लोर से लेकर बहुमंजिली दीर्घाओं में व्यावहारिक रुप से अमल में लायी जाएगी। अभी तक ग्रीनपार्क स्टेडियम की किसी भी दर्शक दीर्घा में दिव्यांगों के लिए किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की जा सकी है। साल 1952 में निर्मित ग्रीनपार्क स्टेडियम में लगभग नौ प्रकार की दर्शक दीर्घाएं रही हैं जिसमें दिव्यांगों के लिए अलग से उनके बैठकर मैच देखने की व्यवस्था नहीं है। क्रिकेट के प्रशंसक और समर्थक दिव्यांग अभी तक केवल सबसे नीचे वाली दीर्घाओं में ही आम दर्शकों के साथ बैठ कर मैच का लुत्फ उठाते आ रहे थे। इस बार बीते सितम्बर में आयोजित किए गए टेस्ट मैच के दौरान कई दिव्यांग दर्शकों को उनकी मनचाही दर्शक दीर्घा के लिए टिकट नहीं दिया गया था। जिससे आयो?जकों को दर्शकों की खासी नाराजगी का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही आयोजक यूपीसीए ने ग्रीनपार्क का जीर्णोद्धार कराने का एलान कर दिया। वह अब सरकार के साथ उसके जीर्णोद्धार करवाने के लिए कदम से कदम मिलाने को संकल्पित है।

ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसेन पैर की चोट के कारण बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल से बाहर

नई दिल्ली। डेनिश बैडमिंटन स्टार विक्टर एक्सेलसेन 13 से 17 दिसंबर, 2024 तक हांगझू, चीन में खेले जाने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में हिस्सा नहीं लेंगे। एक्सेलसेन ने सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। एक्सेलसेन ने एक्स पर लिखा, दुर्भाग्य से मैं इस दिसंबर में एचएसबीसी वर्ल्ड टूर फ़ाइनल में भाग लेने में असमर्थ हूँ। मैं अपने बाएं पैर में चोट से जूझ रहा हूं, जिससे मुझे कई समस्याएं हो रही हैं और दीर्घकालिक समस्याओं से बचने के लिए मुझे तुरंत इससे निपटने की सलाह दी गई है। दो बार के विश्व चैंपियन एक्सेलसेन ने इस साल जुलाई में ओलंपिक खेलों में अपने पुरुष एकल स्वर्ण पदक का बचाव किया, उन्होंने थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न को दो गेम में आसानी से हराया। उन्होंने सितंबर में हांगकांग ओपन में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और चीन के लेई लांक्सी को हराकर 27 वर्षों में पुरुष एकल खिताब जीतने वाले पहले डेनिश खिलाड़ी बन गए। उन्होंने कहा, मैं हांग्जो में नहीं खेल पाने से बहुत निराश हूं। पांच बार टूर्नामेंट जीतने के बाद और दौरे पर यह मेरे पसंदीदा टूर्नामेंटों में से एक होने के कारण इसे छोड़ना कठिन हो गया है। हालाँकि मेरी पहली प्राथमिकता प्रतिस्पर्धा से पहले 100 प्रतिशत स्वस्थ होना है।

महाराष्ट्र डार्बी में पुनेरी पल्टन को बड़े फासले से हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचे यू मुंबा

एजेंसी

पुणे। यू मुंबा ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 90वें और पुणे लेग के पहले महाराष्ट्र डार्बी में मेजबान पुनेरी पल्टन को 43-29 के अंतर से हराते हुए अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है जबकि इस मैच को जीतकर पल्टन के पास इस स्थान पर जाने का मौका था। इस एकतरफा मुकाबले में मुंबा की जीत में अजीत चव्हाण (12) ने चमक दिखाई। मुंबा के रेडरों ने 14 के मुकाबले 20 और डिफेंडरों ने 11 के मुकाबले 16 अंक लेकर अपना वर्चस्व कायम किया। पल्टन ने पंकज मोहिते (9) की बदौलत एक बार मुंबा को आलआउट किया लेकिन कुल मिलाकर वह इस महाराष्ट्र डार्बी में अपने घरेलू फैंस के सामने दोयम साबित हुई। मुंबा ने मेजबान टीम पर अपना वर्चस्व दिखाते हुए तीन मिनट के भीतर 6-3 की लीड बना ली। पल्टन ने इसके बाद दो अंक लेकर फासला थोड़ा कम किया लेकिन मुंबा ने स्कोर 9-5 करते हुए दबाव फिर बढ़ा दिया। पल्टन सुपर टैकल

सिचुएशन की ओर अग्रसर थे लेकिन अमान और आकाश ने ऐसा नहीं होने दिया। 10 मिनट बाद मुंबा 9-7 से आगे थे। ब्रेक के बाद अजीत चव्हाण के मल्टी प्वाइंट रेड की मदद से मुंबा ने 12-8 की लीड बना ली लेकिन पंकज और आकाश की मदद से पल्टन ने स्कोर 10-12 कर दिया। सुशील ने हालांकि पंकज को लपक फासला फिर 3 का कर दिया। अबिनेश ने हालांकि इसक बाद पीकेएल में 700 रेड प्वाइंट्स पूरे करने वाले मंजीत को लपक फासला 2 का कर दिया। इसके बाद पंकज ने डू ओर डाई रेड पर तीन अंक लेकर न सिर्फ पल्टन को आगे किया बल्कि मुंबा को आलआउट की कगार पर ला दिया। मुंबा आलआउट टाल नहीं सके और हाफटाइम तक 16-19 से पीछे हो गए। हाफटाइम के बाद अजीत ने सुपर रेड के साथ स्कोर बराबर किया और फिर मुंबा को 20-19 से आगे कर दिया। अजीत का सुपर-10 भी पूरा हो गया। परवेश ने वी अजीत को लपक पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। पल्टन इसका लाभ नहीं ले सके और आलआउट हो गए। मुंबा ने अब 26-20 की लीड ले ली थी और फिर अपनी लीड को 9 अंको का करते हुए दबाव बढ़ा दिया। पल्टन ने हालांकि इसके बाद लगातार चार अंक लेकर दबाव थोड़ा कम किया। इसके बाद दादासाव पुजारी ने अजीत का शिकार कर मुंबा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। हालांकि सोमवीर ने मोहित को सुपर टैकल कर स्कोर 33-26 कर दिया। रिंकू को आउट कर पंकज फिर मुंबा को सुपर टैकल में ले आए लेकिन सुशील ने अगली रेड पर उनका सुपर टैकल कर स्कोर 35-27 कर दिया। ये दो सुपर टैकल पल्टन को भारी पड़ने वाले थे क्योंकि अब दो मिनट बचे थे और नौ अंक का फासला काफी बड़ा था। परवेश ने फिर इसे 10 का करते हुए मुंबा की जीत लगभग पक्की कर दी।

एसबीआई कप मीडिया प्रीमियर लीग सात दिसंबर से

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एलएसजेए) के तत्वावधान में सात दिसंबर से शुरू होने वाली एसबीआई कप मीडिया

प्रीमियर लीग 2024-25 में आठ टीम हिस्सा लेंगी। लीग का उद्घाटन मुकाबला सात दिसंबर को पिछले संस्करण की विजेता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बनाम टाइम्स ऑफ इंडिया के बीच सुबह नौ बजे से खेला जाएगा। दिन का दूसरा मैच इसी स्टेडियम पर पूर्व चैंपियन हिंदुस्तान टाइम्स बनाम मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश के बीच दोपहर 12.30 बजे से होगा। एलएसजेए के संस्थापक सदस्य और टूर्नामेंट के आयोजन सचिव दिव्य नौटियाल ने बताया कि टूर्नामेंट में आठ टीमों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। इसमें भाग ले रही अन्य टीमों में अमर उजाला, दैनिक जागरण, डीडी-एआईआर एकादश और मेजबान एलएसजेए शामिल है। लीग का फाइनल 15 दिसंबर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शाम 4 बजे से डे-नाइट यानि दूधिया रोशनी में खेला जाएगा। एलएसजेए के सचिव एसएम अरशद ने बताया कि इस बार हमने फेसबुक लाइव और यूट्यूब लाइव पर टूर्नामेंट के लाइव कवरेज की भी व्यवस्था की है।

पुरुष हॉकी जूनियर एशिया कप: भारत ने मलेशिया को हराकर फाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

मस्कट। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ओमान के मस्कट में पुरुष जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में मलेशिया से मुकाबला किया और उन्हें 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना पाकिस्तान से होगा। भारत के लिए दिलराज सिंह (10फीसदी), रोहित (45फीसदी) और शारदा नंद तिवारी (52फीसदी) ने गोल किया, जबकि कमरुद्दीन अजीमुद्दीन (57फीसदी) ने खेल के अंत में मलेशिया के लिए एकमात्र गोल किया।

मलेशिया ने फ्रंटफुट पर खेल शुरू किया और जल्द ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, भारतीय रक्षा पंक्ति मजबूत रही। कुछ क्षण बाद, कप्तान चे नूर अकीलरूल्लाह ने एक शक्तिशाली शॉट लगाया, लेकिन भारतीय गोलकीपर बिक्रमजीत ने इसे आसानी से रोक लिया। बढ़ते दबाव के परिणामस्वरूप मलेशिया को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर कमरुद्दीन अजीमुद्दीन की फ्लिक को बचा लिया गया। भारत ने रक्षा क्षेत्र से तेजी से बदलाव की कोशिश की

और 10वें मिनट में अरिजीत सिंह हुंदल ने दिलराज सिंह को पास दिया, जिसे उन्होंने गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी। मलेशिया ने दूसरे क्वार्टर में पिच संभाली और खेल में अपनी पकड़ बनाए रखी, कुछ पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन भारत ने उनके हर प्रयास को असफल कर दिया। भारतीय फारवर्ड अरायजीत और गुरजोत सिंह गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन असफल रहे। पहला हाफ भारत के पक्ष में 1-0 से समाप्त हुआ। भारत ने तीसरे क्वार्टर में तेज शुरुआत की, लेकिन मलेशिया ने भारतीय खिलाड़ियों के हर प्रयास को असफल किया। भारत को अंतिम सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार उप कप्तान रोहित ने ऊपरी दाएं कोने से एक शक्तिशाली ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। अंतिम क्वार्टर शुरू होते ही भारत ने अधिक नियंत्रण बना लिया और खेल समाप्त होने के दस मिनट शेष रहते पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया।

टीपीएल 6 पहला दिन : बोपन्ना की राजस्थान रेंजर्स और विष्णु वर्धन की हैदराबाद स्ट्राइकर्स तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

मुंबई। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 के पहले दिन मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में कई बेहतरीन और रोमांचक मैच खेले गए, जिसमें रोहन बोपन्ना जैसे खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के लिए शानदार खेल दिखाया। मैच चारकोल रंग के कोर्ट पर खेले गए और सभी आठ टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। राजस्थान रेंजर्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, यश मुंबई ईगल्स और चेन्नई स्मैशर्स ने टेनिस के रोमांचक दिन के अंत में शानदार जीत दर्ज की।राजस्थान रेंजर्स और गुजरात पैंथर्स के बीच सीजन के पहले मैच में मुकाबला शुरू हुआ, जिसमें महिला एकल वर्ग में क्रिस्टीना दीनू का मुकाबला एकातेरिना काज़ियोनोवा से हुआ। क्रिस्टीना दीनू ने पहले गेम में कड़े मुकाबले में 14-11 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। ??राजस्थान रेंजर्स के आर्थर फेरी ने पुरुष एकल में गुजरात पैंथर्स के सुमित नागल को इसी स्कोर (14-11) से हराया। राजस्थान रेंजर्स ने मिक्स्ड डबल्स वर्ग में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जिसमें रोहन बोपन्ना और क्रिस्टीना दीनू ने विजय सुंदर प्रशांत और एकातेरिना काज़ियोनोवा को 14-11 के स्कोर के साथ हराया। पुरुष युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और आर्थर फेरी की जोड़ी ने सुमित नागल और विजय सुंदर प्रशांत को 15-10 के स्कोर के साथ हराया, जिससे राजस्थान रेंजर्स ने गेम 57-43 से जीत लिया। हैदराबाद स्ट्राइकर्स और बंगाल विजार्ड्स के बीच पहले दिन दूसरा मैच खेला गया। हैरियट डार्ट और कामिला राखीमोवा ने महिला एकल वर्ग में 18-7 से जीत दर्ज की। पुरुष एकल वर्ग में बेंजामिन लॉक ने निकी पूनाचा के खिलाफ कड़ी टक्कर दी और 16-9 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। मिश्रित युगल वर्ग में हैरियट

डार्ट और विष्णु विनोद का मुकाबला कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी से हुआ। बंगाल विजार्ड्स ने 13-12 के स्कोर के साथ रोमांचक मुकाबला जीता। पुरुष युगल वर्ग में निकी पूनाचा और श्रीराम बालाजी ने बेंजामिन लॉक और विष्णु विनोद को 14-11 के स्कोर के साथ हराया, लेकिन हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने 57-43 से मैच जीत लिया।

टीपीएल 6 पहला दिन :बोपन्ना की राजस्थान रेंजर्स और विष्णु वर्धन की हैदराबाद स्ट्राइकर्स तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

मुंबई। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 के पहले दिन मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में कई बेहतरीन और रोमांचक मैच खेले गए, जिसमें रोहन बोपन्ना जैसे खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के लिए शानदार खेल दिखाया। मैच चारकोल रंग के कोर्ट पर खेले गए और सभी आठ टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। राजस्थान रेंजर्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, यश मुंबई ईगल्स और चेन्नई स्मैशर्स ने टेनिस के रोमांचक दिन के अंत में शानदार जीत दर्ज की।राजस्थान रेंजर्स और गुजरात पैंथर्स के बीच सीजन के पहले मैच में मुकाबला शुरू हुआ, जिसमें महिला एकल वर्ग में क्रिस्टीना दीनू का मुकाबला एकातेरिना काज़ियोनोवा से हुआ। क्रिस्टीना दीनू ने पहले गेम में कड़े मुकाबले में 14-11 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। ??राजस्थान रेंजर्स के आर्थर फेरी ने पुरुष एकल में गुजरात पैंथर्स के सुमित नागल को इसी स्कोर (14-11) से हराया। राजस्थान रेंजर्स ने मिक्स्ड डबल्स वर्ग में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जिसमें रोहन बोपन्ना और क्रिस्टीना दीनू ने विजय सुंदर प्रशांत और एकातेरिना काज़ियोनोवा को 14-11 के स्कोर के साथ हराया। पुरुष युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और आर्थर फेरी की जोड़ी ने सुमित नागल और विजय सुंदर प्रशांत को 15-10 के स्कोर के साथ हराया, जिससे राजस्थान रेंजर्स ने गेम 57-43 से जीत लिया। हैदराबाद स्ट्राइकर्स और बंगाल विजार्ड्स के बीच पहले दिन दूसरा मैच खेला गया। हैरियट डार्ट और कामिला राखीमोवा ने महिला एकल वर्ग में 18-7 से जीत दर्ज की। पुरुष एकल वर्ग में बेंजामिन लॉक ने निकी पूनाचा के खिलाफ कड़ी टक्कर दी और 16-9 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। मिश्रित युगल वर्ग में हैरियट डार्ट और विष्णु विनोद का मुकाबला कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी से हुआ। बंगाल विजार्ड्स ने 13-12 के स्कोर के साथ रोमांचक मुकाबला जीता। पुरुष युगल वर्ग में निकी पूनाचा और श्रीराम बालाजी ने बेंजामिन लॉक और विष्णु विनोद को 14-11 के स्कोर के साथ हराया, लेकिन हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने 57-43 से मैच जीत लिया।

एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप: भावना, मेनिका का शानदार प्रदर्शन, भारत ने हांगकांग को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने भावना शर्मा और मेनिका के शानदार प्रदर्शन की बदौलत हांगकांग के खिलाफ 31-28 से जीत के साथ 20वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप (एडब्ल्यूएचसी) 2024 में अपने अभियान की शुरूआत की।

'चक दे 'इंडिया' और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच भारत ने मैच की सकारात्मक शुरुआत की और टूर्नामेंट का अपना पहला गोल प्रियंका ठाकुर के जरिए किया, जिन्होंने 2022 एशियाई महिला जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारत की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कुछ क्षण बाद, अनुभवी खिलाड़ी मेनिका ने अपना खाता खोला और भारत को मजबूत स्थिति

में पहुंचा दिया। सैफ खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कप्तान दीक्षा कुमारी ने पहले 30 मिनट की अवधि के भीतर तीन विपक्षी पेनल्टी रोककर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे मध्यांतर तक भारत 16-10 से आगे रहा।हांगकांग ने पुनः आरंभ के बाद अपने खेल को और बेहतर बनाया और अपनी रणनीति में बदलाव किया। हालांकि, भारत ने अपने मजबूत बचाव के साथ विपक्षी टीम के हर प्रयास को असफल किया और अंततः शानदार जीत दर्ज की। भावना ने जूनियर चैंपियनशिप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के साथ प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी जीता। इससे पहले, कजाकिस्तान ने हैवीवेट चीन को 28-26 से हराया। दूसरे मैच में, जापान ने सेंटरबैक काहो नाकायमा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईरान को 34-14 से हराया। मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया ने दिन के आखिरी मैच में सिंगापुर 47-5 के स्कोर के साथ हराया। विंगर जियोन जियोन ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

गुकेश और लिरेन के बीच सातवां गेम रहा ड्रा

एजेंसी

सिंगापुर। भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश और विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के बीच फिडे विश्व शतरंज

चैंपियनशिप फाइनल का खेला गया सातवां मुकाबला भी ड्रा रहा। आज खेले गये मुकाबला 72 चालों के बाद गुकेश और लिरेन को ड्रॉ सहमत हुए। दोनों अब आधे चरण के बाद 3.5 अंकों के साथ बराबरी पर है। यह इस मुकाबले का पांचवां ड्रा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह लगातार चौथी बाजी ड्रॉ रही। दोनों खिलाड़ियों के सात दौर के बाद समान 3.5 अंक हैं। 14 गेम के मुकाबले में जो भी खिलाड़ी पहले 7.5 अंक जुटा लेगा वह चैंपियन बनेगा।

ला लीगा: एथलेटिक बिलबाओ का सामना रियल मैड्रिड से

एजेंसी

मैड्रिड। एथलेटिक क्लब बिलबाओ और रियल मैड्रिड बुधवार रात एथलेटिक के सैन मैम्स स्टेडियम में आमने-सामने होंगे, जिसमें एथलेटिक की नजरें क्लासिफिकेशन में चौथे स्थान को मजबूत करने पर होंगी। ऑरेलियन टचौमेनी चोट के बाद रियल मैड्रिड के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन विनीसियस जूनियर को बाहर रखा गया है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा को भी बाहर रखा गया है। किलियन एमबाप्पे ने सप्ताहांत में अपने गोल के सूखे को समाप्त कर दिया, लेकिन गेटाफे के खिलाफ

खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज कर मैड्रिड में प्रवेश किया, जिसमें दोनों मौके गंवाने के बाद भी वे सुर्खियों में रहेंगे। एथलेटिक ने रेयो वैलेकानो के गोल मिडफील्डर ओइहान सैंसेट ने किए, जिनके पिछले तीन गोलों ने उनकी टीम को छह अंक दिलाए हैं। एथलेटिक खचाखच भरे मैदान में तेज गति बनाए रखने और मैड्रिड पर दबाव बनाने के साथ एमबाप्पे और रोड्रिगो की सर्विस को भी कम करने की कोशिश करेगा। कोपा डेल रे में कई शीर्ष टीमें स्पेनिश खेल के तीसरे और चौथे स्तर के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैदान में उतरेंगी।रेयो वैलेकानो का सबसे कठिन मैच तीसरे स्तर के यूनियनिस्टास डी सलामांका के खिलाफ है, जबकि खराब फॉर्म में चल रही बेटिस कैटलन की टीम सैंट आंद्रेउ के खिलाफ खेलेगी। गिरोना लॉग्रोन्स का दौरा करेगी और विलारियल स्पेन के उत्तर-पश्चिम में पोंटेवेद्रा से भिड़ेगी, जबकि लेगानेस एस्टेपोना से और वालेंसिया एसडी एजिया से भिड़ेगी, जिसने पहले दौर में छठी श्रेणी के एस्कुएला पार्ला को कड़ी टक्कर दी थी।

पुणे लेग के पहले मैच में बेंगलुरू बुल्स ने गुजरात जाएंट्स को बराबरी पर रोका

एजेंसी

पुणे। बेंगलुरू बुल्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 89वें और पुणे लेग के पहले मैच में शानदार खेल दिखाते हुए गुजरात जाएंट्स को 34-34 की बराबरी पर रोक दिया। 16 मैचो में बुल्स को पहला टाई खेलना पड़ा जबकि गुजरात को 15 मैचों में दूसरे टाई के लिए मजबूर होना पड़ा।गुजरात के लिए राकेश ने साथ अंक हासिल किए जबकि नीरज ने 5 अंक जुटाया। सोमवीर और रोहित ने चार-चार अंक लिए। इसी तरह बुल्स के लिए नितिन ने सात अंक लिए। परदीप नरवाल और सुशील के नाम 6-6 अंक रहे। इस सीजन की अंक तालिका में सबसे नीचे की दो टीमों के बीच शुरुआती चार मिनट में अच्छा मुकाबला हुआ, जिसमें दोनों का स्कोर 3-3 था। छठे मिनट में हालांकि सोमवीर ने जयभगवान और नीरज ने परदीप को टैकल कर गुजरात को दो अंक की लीड दिला दी। नितिन ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर गुमान का शिकार कर फासला 1 का कर दिया। इसके बाद नीरज ने अजिंक्य को लपका और फिर परतीक ने नितिन का शिकार कर स्कोर 7-5 कर दिया। परतीक ने फिर अगली रेड पर लकी को आउट कर बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। इसके बाद हालांकि सौरव और जयभगवान ने बुल्स को मुश्किल से उबारते हुए 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 7-8 कर दिया। ब्रेक के बाद लगातार दो अंक लेकर गुजरात ने फिर से बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। हालांकि परदीप ने दो अंक की रेड के साथ स्कोर 9-10 कर दिया। इसके बाद नितिन ने गुमान को लपक फासला 1 का कर दिया और फिर परदीप ने स्कोर बराबर कर दिया लेकिन 18वें मिनट में बुल्स के लिए फिर सुपर टैकल आन हो गया।

इस बार नवीन ने गुमान को सुपर टैकल कर लिया। हाफटाइम तक बुल्स 15-13 से आगे थे। हाफटाइम के बाद राकेश ने सौरव और प्रतीक को बाहर कर स्कोर बराबर कर दिया। फिर गुजरात ने बुल्स को पहली बार आलआउट कर 19-16 की लीड ले ली। राकेश ने आलइन के बाद भी दो अंक की रेड के साथ गुजरात को 5 अंक की लीड दिला दी। सुशील और सौरव ने हालांकि जल्द ही फासला 2 का कर दिया। इस बीच रोहित ने सुशील का शिकार कर लिया। 30 मिनट की समाप्ति तक गुजरात ने फिर से 4 अंक की लीड ले ली। ब्रेक के बाद बुल्स ने फासला दो का किया और गुजरात को सुपर टैकल सिचुएशन में ले आए लेकिन सोमवीर ने डू ओर डाई रेड पर सुशील को लपक गुजरात को दो अंक दिला दिए।बुल्स ने लगातार दो अंक हासिल करते हुए एक बार फिर से गुजरात को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। स्कोर 25-28 था। नीरज ने हालांकि परदीप को सुपर टैकल कर स्कोर 30-25 कर दिया। सुशील ने हालांकि नीरज और रोहित को बाहर कर स्कोर 27-30 किया और गुजरात को आलआउट की ओर धकेल दिया और फिर आलआउट लेकर स्कोर 31-32 कर दिया। फिर आलइन के बाद सुशील ने रोहित को आउट कर स्कोर 32-32 कर दिया। फिर स्कोर 33-33 हुआ। अब मैच खत्म होने में कुछ सेकेंड बचे थे और दोनों टीमों ने एक-एक अंक हासिल करते हुए 34-34 के स्कोर के साथ टाई खेला।

ED के सामने हाजिर नहीं हुए शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा, एक्ट्रेस

गहना वशिष्ठ

के 7 बैंक अकाउंट फ्रीज

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा इन दिनों मुश्किलों में घिरे नजर आ रहे हैं. हाल ही में पोर्नोग्राफी मामले में राज कुंद्रा के घर पर ईडी का छापा पड़ा. उसके बाद ईडी ने उन्हें समन भेजा था और पूछताछ के लिए बुलाया था. इस मामले में ताजा जानकारी ये है कि वो ईडी के सामने हाजिर नहीं हुए. वहीं उनके बाद अब गहना वशिष्ठ को भी ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है.दरअसल, राज कुंद्रा ने हाजिर होने के लिए थोड़ा समय मांगा है. देखना होगा कि उन्हें समय मिलता है या नहीं या फिर इस मामले में कोई नया मोड़ आता है. साल 2021 में जब राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तार हुए थे तो उस समय एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ का भी नाम सामने आया था. वहीं अब एक बार फिर से उनका नाम सुर्खियों में आ गया. ईडी ने उन्हें भी हाजिर होने को कहा है.

गहना वशिष्ठ को इस दिन होना होगा हाजिर

ईडी ने गहना को 9 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है. इतना ही नहीं गहना के 7 बैंक अकाउंट भी फ्रिज किए गए हैं. साथ ही उनके दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं और कई डॉक्यूमेंट्स में कब्जे में लिए गए हैं. दरअसल, उनके घर पर भी छापेमारी हुई थी, जिसमें ईडी ने कई चीजें जब्त कर ली. ये छापेमारी पोर्नोग्राफी नेटवर्क मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में की गई थी.

जांच में सहयोग कर रहा हूं- राज कुंद्रा

बहरहाल, राज कुंद्रा के घर पर 29 नवंबर को छापेमारी हुई थी. उसके बाद उन्होंने इस मामले पर रिएक्शन देते हुए कहा था कि वो पिछले चार सालों से जांच में सहयोग कर रहे हैं. उन्होंने ये भी कहा था कि पोर्नोग्राफी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले का सवाल है तो सच छिपने वाला नहीं है. आखिर में न्याय की जीत होगी.

कोई 1200 तो किसी ने की 850 करोड़ से ज्यादा कमाए, ये 10 फिल्में चीन में रिलीज हुई तो मालामाल हो गए प्रोड्यूसर्स

बॉलीवुड की फिल्मों को देशभर में तो काफी पसंद किया जाता है, लेकिन अब बॉर्डर के उस तरफ भी फिल्मों का एक अच्छा मार्केट बन चुका है. हम बात कर रहे हैं भारत के पड़ोसी देश चीन की जो कि फिल्मी दुनिया के लिए पिछले कुछ सालों से एक बड़े मार्केट के तौर पर सामने आया है. पिछले कुछ सालों में कई हिंदी फिल्म चीन के थिएटर में रिलीज हुई है, जो कि कमाई के मामले में काफी अच्छी रही हैं. कई फिल्मों ने भारत में भी उतनी कमाई नहीं की, जितनी चीन में कर ली है.चीन में फिल्मों की ज्यादा कमाई की सबसे बड़ी वजह स्क्रीन है. दरअसल, भारत में ज्यादा से ज्यादा 8 हजार स्क्रीन्स पर फिल्मों को दिखाया जा सकता है, वहीं चीन में स्क्रीन भारत से 5 गुना से भी ज्यादा है. चीन में स्क्रीन की संख्या तकरीबन 45 हजार है. इसी वजह से भारत के मुकाबले फिल्में चीन में ज्यादा कमाई करती हैं. हाल ही में चीन में विजय सेतुपति की फिल्म 'महाराजा' रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. आइए चीन में रिलीज हुई बाकी फिल्मों की कमाई के बारे में जानते हैं.

दंगल

आमिर खान, फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा स्टारर 'दंगल' चीन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है. ये फिल्म साल 2016 में रिलीज हुई थी, जो कि 70 करोड़ के बजट पर बनी थी. भारत में इस फिल्म ने 538 करोड़ रुपए की कमाई की थी, वहीं चीन में इस फिल्म ने 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था.

सीक्रेट सुपरस्टार

साल 2017 में जायरा वसीम की फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार' आई थी, ये फिल्म ज्यादा बजट वाली नहीं थी. भारत में सीक्रेट सुपरस्टार को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था और फिल्म ने 81.28 करोड़ रुपए की कमाई की थी. लेकिन वहीं चीन में कमाई के मामले में इसने कमाल कर दिया था. सीक्रेट सुपरस्टार ने चीन में भारत के मुकाबले 10 गुना कमाई की थी. इस फिल्म ने चीन में 863 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया.

अंधाधुन

आयुष्मान खुराना, तबू और राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'अंधाधुन' बेहतरीन फिल्मों में आते हैं. ये फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी और उस वक्त इस फिल्म ने भारत में 96 करोड़ रुपए का कमाई की थी. वहीं चीन में इस फिल्म ने 333.62 करोड़ की कमाई की थी.

हमेशा के लिए जुदा हो गए अनुपमा-अनुज, एक्टर गौरव खन्ना ने छोड़ दिया शो

एक्टर गौरव खन्ना ने सीरियल 'अनुपमा' को अलविदा कह दिया है. गौरव स्टार प्लस के इस नंबर वन सीरियल में अनुपमा के दूसरे पति अनुज कपाड़िया का किरदार निभा रहे थे. पिछले कुछ समय से अनुज का किरदार अनुपमा सीरियल से पूरी तरह से गायब हो गया था. अब गौरव खन्ना ने कंफर्म कर दिया है कि अनुपमा का किस्सा उनके लिए फिलहाल खत्म हो गया है. यानी अनुपमा के पहले पति वनराज का किरदार निभाने वाले सुधांशु पांडे के बाद अब उसके दूसरे पति अनुज का किरदार निभाने वाले गौरव खन्ना भी शो को छोड़ चुके हैं. शो से दो प्रमुख

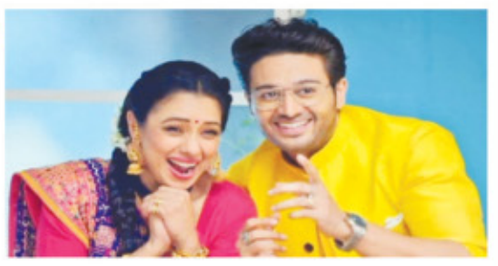

किरदारों की हुई एग्जिट की वजह से फिर एक बार 'अनुपमा' सीरियल की पूरी जिम्मेदारी रुपाली गांगुली के कंधे पर आ गई है.गौरव खन्ना ने एक न्यूज पेपर को दिए हुए इंटरव्यू में अपनी एग्जिट को कंफर्म करते हुए कहा है कि सीरियल में उनके किरदार में उन्हें कोई डेवलपमेंट नहीं नजर आ रहा था और इसलिए उन्होंने शो के प्रोड्यूसर राजन शाही से बात करते हुए ये फैसला लिया कि एक किरदार के लिए और इंतजार करना उनके लिए सही नहीं होगा. हालांकि अनुपमा के साथ अपने इस सफर को गौरव पूर्ण विराम नहीं कह रहे हैं. उनका कहना है कि अगर भविष्य में उनके किरदार को लेकर कोई बड़ा ट्विस्ट आता है और प्रोडक्शन हाउस उनसे संपर्क करता है तो वो जरूर अपने शेड्यूल को देखते हुए 'अनुपमा' के लिए समय निकालेंगे.

रुपाली गांगुली के साथ अनबन को लेकर छोड़ दिया शो ?

पिछले कुछ दिनों से रुपाली गांगुली और गौरव खन्ना के बीच अनबन की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. लेकिन इस बारे में बात करते हुए गौरव ने कहा है कि उनके लिए उनका काम सबसे ज्यादा जरूरी है. बाकी अफवाहों पर वो न ही ध्यान देते हैं न ही उनके बारे में बात करना जरूरी समझते हैं.

जानें क्या है असली वजह

टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक एक तरफ गौरव खन्ना को अनुज के किरदार का कोई फ्यूचर नहीं दिख रहा था और दूसरी तरफ उन्हें ओटीटी और टीवी सीरियल के कई अच्छे ऑफर्स आ रहे थे और यही वजह है.

'कुंडली भाग्य' फेम

श्रद्धा आर्या

बनीं मां, जुड़वा बच्चों को दिया जन्म

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या के घर नन्हे मेहमानों की किलकारियां गूंजी है. 'कुंडली भाग्य' की प्रीता उर्फ श्रद्धा आर्या मां बन गईं है. उन्होंने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है. एक बेटा और बेटी के साथ एक्ट्रेस की फैमिली कंप्लीट हो गई है. बच्चों की गुड न्यूज उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर खुद दी है. इसके साथ ही एक तस्वीर भी है, जिसमें वो दोनों बच्चों को गोद में लेकर बैठी दिख रही हैं.साल 2021 में राहुल नागल और श्रद्धा आर्या शादी के बंधन में बंधे थे. वहीं इसी साल 15 सितंबर को उन्होंने प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी. हालांकि, ऑफिशियल अनाउंसमेंट से पहले ही उनकी शो से तस्वीरें सामने आ गईं थी, जहां से प्रेग्नेंसी की खबर कंफर्म हो गई. अब फैन्स और स्टार्स श्रद्धा और राहुल को बधाइयां दे रहे हैं.

मम्मी बनीं श्रद्धा आर्या, जुड़वा बच्चों को दिया जन्म

श्रद्धा आर्या लंबे वक्त से 'कुंडली भाग्य' में काम कर रही थीं. उनका प्रीता वाला किरदार काफी फेमस हुआ था. साढ़े 7 सालों तक प्रीता बनकर लोगों के दिलों पर राज करने वाली श्रद्धा आर्या ने बीते दिनों शो छोड़ दिया था. इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट भी शेयर किया था. अब वो एक नई शुरुआत कर चुकी हैं. उनके घर डबल खुशियां आई है, जिसे लेकर एक्ट्रेस लंबे वक्त से एक्साइटेड थीं.

11 हफ्ते पहले श्रद्धा आर्या ने एक स्पेशल वीडियो के साथ प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी. अब एक बेटा और बेटी की मां बन गई हैं. इस वीडियो को खबर लिखे जाने तक 30 हजार लोग लाइक कर चुके हैं. वहीं एक हजार से ज्यादा लोगों ने कमेंट किया है. पूजा बनर्जी, कृष्णा मुखर्जी से लेकर स्वाति कपूर तक सभी एक्ट्रेसेस श्रद्धा आर्या को बधाई दे रही हैं.

प्रेग्नेंसी की न्यूज पर ऐसा था रिएक्शन

श्रद्धा आर्या ने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में बताया था कि, सुबह के 6 बजे उन्हें इस बारे में पता लगा था. इसके बाद उन्होंने पति राहुल को फोन किया, लेकिन वो मीटिंग में बिजी थे, तो कॉल उठा नहीं पाए थे.

जैसे ही वापस फोन किया, तो एक्ट्रेस की बात सुनकर पति खामोश हो गए थे. प्रेग्नेंसी फेज के दौरान श्रद्धा आर्या ने अपनी लाइफस्टाइल में काफी बदलाव किए. कपल नए फेज के लिए काफी एक्साइटेड थे, जो अब शुरू हो चुका है.